राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 महाराष्ट्र में लागू हुआ धर्मांतरण विरोधी कानून, धोखाधडी....

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 102 | नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	70%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,44,690
चांदी	2,40,000
सेंसेक्स	76,391.39
निफ्टी	23,869.60

हरिद्वार में पहले सावन सोमवार पर 1 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

नई दिल्ली। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से सोमवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1 करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब तक 1.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, झारखंड के देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की 5 ड्ट लंबी लाइन लगी है। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में अब तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। कांवड़ियों और भक्तों की 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। जलाभिषेक के लिए भक्तों को केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर अर्पण केंद्र का किया शुभारंभ

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर ह्यअर्पण केंद्रह्व का शुभारंभ किया। यह पहल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एवं दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य पुराने उपयोग योग्य वस्त्रों का संग्रह, रीयूज, रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से वस्त्र दान प्रक्रिया का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित दिल्ली का निर्माण केवल सड़कों, पुलों और मेट्रो लाइनों से नहीं होता, बल्कि जिम्मेदार

नागरिकों, संसाधनों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक भावना से होता है। जब अपशिष्ट को संसाधन में बदला जाता है और विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है, तभी वास्तविक अर्थों में विकसित समाज का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुराने वस्त्रों का रीसाइक्लिंग केवल कचरा कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि जल, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी प्रभावी उपाय है। प्रत्येक नागरिक द्वारा दान किया गया एक वस्त्र पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसी जरूरतमंद के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने बताया कि इस परिकल्पना के तहत दिल्ली मेट्रो के 10 प्रमुख स्टेशनों पर ये केंद्र स्थापित किए जा रहे है। जिसमें पहले चरण के तहत आज 5 प्रमुख स्टेशनों, शालीमार बाग, पंजाबी बाग वेस्ट, मयूर विहार फेस-1, शाहदरा और रोहिणी वेस्ट पर अर्पण केंद्रों की शुरूआत कर दी गई है। इसके लिए संबंधित संस्थाओं के बीच औपचारिक समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित हो चुका है। सभी चयनित मेट्रो स्टेशनों पर टेक्सटाइल कलेक्शन-कम-सेल कियोस्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां नागरिक अपने उपयोग योग्य पुराने वस्त्र दान कर सकेंगे। नागरिकों की सुविधा के लिए वस्त्र दान की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल एवं पारदर्शी बनाया गया है। दानकर्ता क्यूआर कोड आधारित प्रणाली के माध्यम से आसानी से अपने पुराने कपड़े दान कर सकेंगे और उन्हें डिजिटल रिसिप्ट भी प्राप्त होगी। इससे अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें महिला स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से जोड़ा गया है।

नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर की जीत तय

काउंटिंग 31 से बढ़कर 36 राउंड की हुई; MP के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में भाजपा जीती

नई दिल्ली। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के रिजल्ट आ गए हैं। एमपी के दतिया में कांग्रेस और गुजरात में भाजपा जीत गई है। बिहार के बांकीपुर में नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर की जीत तय मानी जा रही है। हालांकि यहां काउंटिंग 5 राउंड और बढ़ गई है। सुबह से चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 31 राउंड की काउंटिंग बताई जा रही थी। 31 राउंड पूरे होते ही पहले 32 और फिर 36 राउंड होना दिखाई जाने लगी। 32 राउंड की काउंटिंग के बाद जनसुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर 19246 वोटों से आगे हैं। प्रशांत को 63946 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 44700 वोट मिले हैं। बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। इधर, टढ के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए। वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने लगातार दूसरी बार भाजपा को हराया। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6056 वोटों से शिकस्त दी। पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ नंबर 121 पर भी भाजपा हार गई। यहां कांग्रेस को 291 और भाजपा को 264 वोट मिले।

संक्षिप्त खबरें

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार की अपार संभावनाएं, खनन और टेक्सटाइल में बड़े अवसर मौजूद: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार की अपार संभावनाएं हैं और खनन, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर और मेडिकल डिवाइस जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। उज्बेकिस्तान के निवेश, उद्योग और व्यापार मंत्री लाजिज कुद्रतोव की उपस्थित में भारत-उज्बेकिस्तान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए गोयल ने दोनों देशों के कारोबारियों को साथ मिलकर निवेश, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेट करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, कहा कि दोनों देशों को अगले तीन वर्षों में अपने द्विपक्षीय कारोबार को दोगुना करने पर फोकस करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे, सम्मान और खुशहाली के साझा विजन पर आधारित रणनीतिक साझेदारी से व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के बहुत सारे मौके मिलते हैं। गोयल ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं, जिनका अभी तक पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 1.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, लेकिन यह उस क्षमता का बहुत छोटा हिस्सा है जिसे दोनों अर्थव्यवस्थाएं मिलकर हासिल कर सकती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत, उज्बेकिस्तान को न केवल एक बड़ा और बढ़ता हुआ बाजार देता है, बल्कि एक भरोसेमंद पार्टनर, कुशल और युवा वर्कफोर्स और इनोवेशन-आधारित विकास के लिए एक मंच भी प्रदान करता है। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच हाल ही में हुई द्विपक्षीय निवेश संधि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह समझौता निवेशकों का भरोसा बढ़ाएगा और दोनों देशों के व्यवसायों को एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करने और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बारह बजे तक स्थगित

प्रात: किरण, एजेंसी

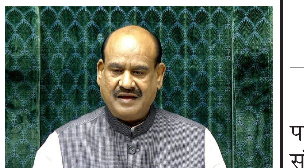

नई दिल्ली। विपक्ष के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बारह बजे तक स्थगित कर दी गयी। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदन को राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बारे में सूचित किया और खिलाड़ियों को बधाई दी। श्री बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू करने की कोशिश की तो विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि आप तय करके आते हैं कि सदन में नियोजित तरीके से अवरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण होता है इसलिए नियोजित तरीके से सदन को बाधित करना उचित नहीं है। अध्यक्ष के आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमा जिसके कारण सदन की कार्यवाही बारह बजे तक स्थगित कर दी गयी।

NEET PG-एक ही शिफ्ट में पेपर, घर के पास सेंटर

पेपर लीक से सबक- पेपर-NTA के दफ्तर की चौबीस घंटे सुरक्षा; 7 .5 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने NEET PG 2026 परीक्षा के लिए कई बड़े सुधारों की घोषणा की है। इसमें परीक्षार्थियों की यात्रा और परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार परीक्षा 30 अगस्त को होनी है। इसके लिए 2.73 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो पिछले साल की तुलना में 12.5% ज्यादा है। परीक्षा देशभर के 340 शहरों के लगभग 1300 सेंटर्स पर होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक से सबक लेते हुए परीक्षा के पूरे इकोसिस्टम की सुरक्षा पुख्ता करना शुरू कर दिया है। इसके लिए 7.5 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसमें एनटीए मुख्यालय समेत संवेदनशील जगहों पर 24 घंटे सिक्योरिटी दी जाएगी। यह टेंडर 25 जुलाई को जारी हुआ है। 17 अगस्त को बोलियां खोली जाएंगी। जो भी एजेंसी नियुक्त होगी, उसे दो साल काम मिलेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी दो दिन की रणनीतिक बैठक करेगी

कहा- राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे ; दीपके बोले- स्कॉलरशिप के पैसों से अमेरिका गया था

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद CJP देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत डीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है। इससे पहले, सूरत के एक RTI कार्यकर्ता ने उनके पिता की संपत्ति और फंड की जांच की मांग की थी। और सवाल उठाए थे कि डीपके के पास अमेरिका जाकर पढ़ाई करने के पैसे कहां से आए।

दीपके बोले- जंतर-मंतर पर घुसपैठिए घुसे

अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी।

दिल्ली पुलिस पर उठाए सवाल

दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी और पुलिस कार्रवाई कैसे हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या पुलिस केवल 12 साल की लड़कियों पर लाठी चलाने के लिए सक्रिय होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस का यह कहना कि विरोध स्थल पर 2100 अपराधी देखे गए थे, यह अमित शाह और पुलिस की विफलता है। उन्होंने इसे पुलिस की सोची-समझी साजिश करार दिया।

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- किसी आपराधिक तत्व को नहीं बख्शा जाएगा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक विरोधी प्रदर्शनों के मामले में सोमवार को स्पष्ट किया कि गंभीर आपराधिक इतिहास वाले लोगों बख्शा नहीं जाएगा। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और अन्य राज्यों को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे बंद करने की भी छूट दी। विरोध प्रदर्शनों में छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा, यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि ज्यादती करने वाले पुलिस अधिकारी या प्रदर्शनकारियों के बीच आने वाले किसी आपराधिक तत्व को बख्शा जाएगा। कोर्ट ने कहा कि वह पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों की जांच के लिए पुलिस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाने या किसी रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति बनाने पर विचार कर रहा है। बेंच ने टिप्पणी की, हमारे मन में दो बातें हैं। एक तो जांच के लिए पुलिस अधिकारियों की एसआईटी बनाना या किसी रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति बनाना। याचिकाकताओं ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल का मुद्दा भी उठाया। इसके बाद बेंच ने कहा कि वह एक व्यापक प्रोटोकॉल तय करेगी कि इनका इस्तेमाल कब और कैसे किया जा सकता है।

विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के सदस्यों ने सोमवार को सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए जोरदार हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी और शून्यकाल की कार्यवाही नहीं हो सकी। सभापति सी पी राधाकृष्णन ने विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद जैसे ही कार्यवाही शुरू की विपक्ष के सदस्य अपनी जगहों से उठकर जोर जोर से बोलने लगे। सभापति ने सदस्यों से शांत रहने और अपनी सीटों पर लौटने की अपील करते हुए लोक महत्व के विषय रखने के लिए सदस्यों का नाम पुकारा। सभापति ने विपक्षी सदस्यों से कहा कि वे पिछले दो सप्ताह से सदन को नहीं चलने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियम 267 के तहत दिये गये नोटिसों को पहले भी स्वीकार नहीं किया गया है। इस बारे में पहले से ही व्यवस्था कई बार दी जा चुकी है। इस बीच विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट आ गये। इस पर सभापति ने कहा कि सदस्य उन्हें सख्त कदम उठाने के लिए बाध्य न करें। सदस्य प्लेकार्ड न दिखायें। उन्होंने कहा कि वह सदस्यों को इसकी अनुमति नहीं देंगे और उन्हें आगाह कर रहे हैं। सभापति ने सदस्यों से कहा कि यदि वे नियमों का पालन करेंगे तो ही उनकी बात सुनी जा सकती है। विपक्षी सदस्यों के शांत नहीं होने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले श्री राधाकृष्णन ने सदन को जानकारी दी कि भारत ने ग्लासगो में संपन्न राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 39 पदक जीतक चौथा स्थान हासिल किया है। इन पदकों में 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक है।

महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोप के मामले में बृजभूषण शरण सिंह बरी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह सोमवार सुबह इस मामले में फैसले से पहले दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कहा, ह्लजो कहेगा कोर्ट कहेगा हम अभी कुछ नहीं कहेंगे। कोर्ट की सुनवाई शुरू होने पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्विनी पंवार ने बृजभूषण शरण सिंह को बरी करने का फैसला सुनाया। इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया गया है। दो जुलाई को अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला छह महिला पहलवानों की ओर से पूर्व भाजपा

सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है। जनवरी 2023 में जब नए संसद भवन का उद्घाटन हो रहा था, तो उससे कुछ किलोमीटर दूर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने साथी पहलवान विनेश फोगाट के साथ मिलकर पूर्व भाजपा सांसद पर यौन उत्पीड़न और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उनकी शिकायतों के आधार पर पुलिस ने सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस की एफआईआर में बृजभूषण सिंह के अलावा डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम शामिल किया गया। जून 2023 को पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ कई धाराओं के तहत आरोप-पत्र दाखिल किया था। ट्रायल कोर्ट ने मई 2024 को 5 महिला पहलवानों के उत्पीड़न और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए थे। एक नाबालिग पहलवान ने भी बृजभूषण पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में उसने अपनी शिकायत वापस ले ली और दिल्ली पुलिस ने ह्यबच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियमह्व (पोक्सो एक्ट) के तहत उस मामले में कैंसिलेशन रिपोर्ट दाखिल की। इसके बाद मामला बंद कर दिया गया था।

चढ़ावा चोरी और बच्चों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी और बच्चों पर पुलिस बर्बरता का आरोप लगाते हुए सोमवार को संसद भवन परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने इन दोनों मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा और निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ भी नारेबाजी की। सांसदों के हाथों में पोस्टर और बैनर थे, जिनके माध्यम से सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इससे पहले संसद भवन स्थित राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में संसद के भीतर विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की रणनीति, सरकार को घेरने की रूपरेखा तथा सदन में समन्वित ढंग से आगे बढ़ने की रणनीति पर विचार- विमर्श किया गया।

मोदी को गालियां देने वाली लड़की पर FIR नहीं होगी

वकील बोलीं- केस वापस ; दिल्ली पुलिस ने कहा- पीएम ने माफ कर दिया, कार्रवाई नहीं होगी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गालियां देने वाली नाबालिग लड़की के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। नोएडा में ऋकफलिखाने वाली वकील स्मृति सिंह चंदेल ने दैनिक भास्कर से कहा- केस वापस हो गया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने लड़की पर एक्शन नहीं लेने का फैसला किया है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि जब पीएम मोदी ने ही उसे माफ कर दिया, उसके बाद उस पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। दरअसल, नोएडा पुलिस ने प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने वाली लड़की के खिलाफ जीरो ऋकफदर्ज की थी। इसके तुरंत बाद यानी 1 अगस्त की रात लड़की का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उसने माफी मांगते हुए कहा था कि वह बहकावे में आ गई थी। 23 जुलाई को सेक्टर 168 की रहने वाली एक लड़की का वीडियो सामने आया जिसमें वह प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देते हुए दिखाई दे रही थी। इसके बाद वह हंसती हुई वहां से निकल जाती है।

एएफएचक्यू सिविलियन सेवाएं उन्हीं अदृश्य लेकिन निर्णायक शक्तियों में से एक ह

सेनाओं को सहयोग देने वाली संस्थाओं को भी विकसित होते रहना होगा : राजनाथ सिंह

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, उद्योग, शिक्षाजगत तथा नवाचार तंत्र का जुड़ाव भी लगातार बढ़ रहा है। इसलिए जब हम इतने सारे आयामों पर आगे बढ़ रहे हैं, तो ऐसे में हमारी सशस्त्र सेनाओं को सहयोग देने वाली संस्थाओं को भी निरंतर विकसित होते रहना होगा। वह नई दिल्ली में, सशस्त्र सेना मुख्यालय (एएफएचक्यू) सिविलियन सर्विस दिवस के अवसर पर

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी सेना को शक्ति केवल हथियारों और गोला-बारूद से ही नहीं मिलती, बल्कि उन हजारों अदृश्य हाथों से भी मिलती है, जो हमेशा उसके पीछे उसके सहयोग में खड़े रहते हैं। एएफएचक्यू सिविलियन सेवाएं उन्हीं अदृश्य लेकिन निर्णायक शक्तियों में से एक हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हमारी सशस्त्र सेनाएं अधिक संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में एएफएचक्यू सिविलियन सेवाओं के लिए भी यह एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा, ह्लमेरा मानना है कि सैन्य और नागरिक घटकों के बीच भी संयुक्तता और एकीकरण के नए आयामों पर विचार होना चाहिए, ताकि संस्थागत स्मृति, संस्थागत स्थिरता तथा नियमों एवं विनियमों के प्रभावी अनुप्रयोग के साथ रक्षा तंत्र में और अधिक संयुक्तता लाई जा सके। एएफएचक्यू सेवाएं रक्षा मंत्रालय की संस्थागत स्मृति हैं। क्योंकि एएफएचक्यू संवर्ग एक ऐसी संस्था है, जो रक्षा मंत्रालय को निरंतरता, विषयगत विशेषज्ञता तथा नीतिगत स्थिरता प्रदान करता है। इसके साथ ही नागरिक-सैन्य समन्वय को सुदृढ़ करने में भी एएफएचक्यू एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाता है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि आप अपने दायित्व और भूमिका से आगे बढ़कर रक्षा प्रौद्योगिकी अनुसंधान, भू-रणनीतिक चिंतन तथा नए विचारों के माध्यम से देश के रक्षा तंत्र को और सशक्त बनाने में योगदान दें। आप रक्षा मंत्रालय के स्थायी संवर्ग हैं और आपके पास गहन विषयगत ज्ञान है। इसलिए रक्षा से जुड़े मूल विषयों पर भी आपकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। आज हमारी स्थायी नागरिक रक्षा सेवा पुरानी सोच और पुराने तौर-तरीकों तक सीमित नहीं रह सकती।

संक्षिप्त समाचार

मालदेवता में नदी में युवक बहा, खोज जारी

देहरादून, एजेंसी। रायपुर थाना क्षेत्र के मालदेवता पुल के पास रविवार शाम सौंग नदी में नहाने उतरा युवक तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और देर शाम तक युवक की तलाश में सर्च अभियान चलाती रही लेकिन युवक का पता नहीं चला। पुलिस के अनुसार मोहकमपुर निवासी सूरज बिष्ट ने सूचना दी कि मालदेवता पुल के पास युवक नदी में बह गया है। सूचना मिलते ही रायपुर थाना पुलिस और मालदेवता चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जानकारी में पता चला कि दो युवक सौंग नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान एक युवक तेज बहाव में फंस गया और देखते ही देखते नदी में बह गया। बहने वाले युवक के संबंध में पुलिस ने जानकारी जुटाई तो पता लगा कि साहिल गुसाईं (28) निवासी मियांवाला नहाते वक्त बह गया है। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना पर एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई और नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका था।

सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों पर निगम सख्त, होगी कार्रवाई

देहरादून, एजेंसी। कारगी मैकेनाइज्ड कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन के बाहर हरिद्वार बाइपास पर सड़क किनारे कूड़ा फेंकने के मामले में नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को निगम की कार्रवाई के बाद सड़क पर फैले कूड़े की सफाई करा दी गई। साथ ही संबंधित कंपनी को भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराने की चेतावनी भी दी गई है। नगर निगम के मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब कोई भी कूड़ा वाहन चालक या ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक सड़क पर कूड़ा नहीं डालेगा। सभी वाहनों को निर्धारित व्यवस्था के तहत लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आर्थिक दंड के साथ पुलिस कार्रवाई भी की जाएगी। नगर निगम ने बताया कि हरिद्वार बाइपास पर जिन वाहनों द्वारा कूड़ा डाला गया है, उनका चिह्नीकरण किया जा रहा है। इसके लिए क्षेत्र के सीसीटीवी और अन्य वीडियो फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। दोषी वाहन चालकों और संबंधित एजेंसियों की पहचान होने के बाद उन पर पेनल्टी लगाने के साथ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में हुक लोडर खराब होने के कारण ट्रांसफर स्टेशन पर संचालन प्रभावित है। इस स्थिति को देखते हुए सफाई व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए सभी कूड़ा वाहनों को फिलहाल सीधे शीशमबाड़ा भेजा जा रहा है। निगम का कहना है कि जब तक व्यवस्था पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाती, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था लागू रहेगी।

चीन के जातीय एकता कानून के विरोध में रैली निकाली

देहरादून, एजेंसी। तिब्बती यूथ कांग्रेस (टीवाईसी) ने चीन के जातीय एकता और प्रगति कानून के विरोध में रविवार को रैली निकाली। वक्ताओं ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे तिब्बती पहचान, भाषा और संस्कृति के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बताया। रैली से पहले समुदाय के लोग प्रेस क्लब में एकत्र हुए। यहां से चीन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वह आगे बढ़े। टीवाईसी के पदाधिकारियों ने कहा कि जातीय एकता के नाम पर एकल हान-केंद्रित राष्ट्रीय पहचान थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे तिब्बत की विशिष्ट सभ्यता, भाषा और धार्मिक परंपराएं खतरे में पड़ रही हैं। कहा कि संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र और विशेष दूतों की ओर से उठाई गई चिंताएं दर्शाती हैं कि चीन की नीतियां अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन करती हैं, जिनमें भाषा, धर्म और आत्मनिर्णय के अधिकार शामिल हैं। यह कानून तिब्बत के प्रति चीन की नीति में खतरनाक मोड़ है और अगर इसे चुनौती नहीं दी गई तो तिब्बती भाषा, धर्म और संस्कृति के पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण पर गंभीर असर पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और उसके सदस्य तिब्बत में बिगड़ती मानवाधिकार की स्थिति से निपटने के लिए ठोस बहुपक्षीय कार्रवाई करें। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूल प्रणाली को तुरंत समाप्त करें और तिब्बती पहचान, भाषा, धर्म व संस्कृति को मिटाने के उद्देश्य से बनाई गई सभी नीतियों को रोकें।

अवैध वसूली व ब्लैकमेलिंग पर अंकुश लगाने की मांग

ऋषिकेश, एजेंसी। भाजपा ने शहर क्षेत्र में कथित अवैध वसूली, ब्लैकमेलिंग और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस को ज्ञापन सौंपा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि शहर में एक गिरोह सक्रिय है जो इन गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व व्यापारी कोतवाली पहुंचे। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक यशपाल बिष्ट को ज्ञापन सौंपा गया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल ने कहा कि ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों से व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं आम नागरिकों पर अनुचित दबाव बनाकर ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। ज्ञापन में एक व्यक्ति के नाम का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि सार्वजनिक स्थानों पर किंग ऑफ उत्तराखंड जैसे बैनर और होर्डिंग लगाकर क्षेत्र में अनावश्यक प्रभाव और भय का वातावरण बनाने की कोशिश की जा रही है, जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

हरिद्वार में कचरे में नहीं जाएंगे श्रद्धालुओं के छोड़े कपड़े, प्लास्टिक एक्सचेंज की सराहनीय पहल

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेले के दौरान रोजाना निकलने वाले सैकड़ों टन कूड़े के निस्तारण के लिए हरिद्वार नगर निगम भी पुरजोर कोशिश कर रहा है. कूड़े की सफाई के साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर निगम प्रशासन ने कई नई पहल शुरू की है. जिसके तहत गंगा घाटों पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं द्वारा छोड़े जाने वाले पुराने कपड़े और पॉलीथीन अब कचरे में नहीं जाएंगे. बल्कि, उनका पुनर्चक्रण कर रीसाइकिल्ड कॉटन फाइबर तैयार किया जाएगा. इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के बदले श्रद्धालुओं को निशुल्क कम्पोस्टेबल बैग दिए जा रहे हैं. जबकि, घाटों पर तैनात स्वच्छता दूत मेगाफोन यानी लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं. ताकि, हरिद्वार में प्लास्टिक कचरा न फैले और स्वच्छ तरीके से कांवड़ यात्रा चले. हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र से रोजाना निकलता है करीब 200 टन कूड़ाः बता दें कि हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र से रोजाना करीब 200 टन कूड़ा निकलता है और कांवड़ जैसे आयोजन में यह आंकड़ा दोगना हो जाता है. इसलिए नगर निगम ने नेचर फाउंडेशन के सहयोग से कांवड़ मेले में पुराने वस्त्रों के वैज्ञानिक संग्रहण का अभियान शुरू किया है. हरकी पौड़ी, मालवीय घाट, सुभाष घाट, नाई घाट, विष्णु घाट और सीसीआर घाट समेत प्रमुख घाटों पर विशेष डस्टबिन लगाए गए हैं. यहां तैनात 20 प्रशिक्षित कार्मिक श्रद्धालुओं

की ओर से छोड़े गए वस्त्रों को अलग-अलग एकत्र कर सराय स्थित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर भेज रहे हैं. वहां वस्त्रों का वजन दर्ज करने के बाद उन्हें सुरक्षित रखा जा रहा है. इसके साथ ही कूड़े वहां कूड़ा निस्तारण प्लांट में कूड़े का निस्तारण भी किया जा रहा है. मेला समाप्त होने के बाद इनका पुनर्चक्रण कर रीसाइकिल्ड कॉटन फाइबर तैयार किया जाएगा. प्लास्टिक एक्सचेंज अभियान भी शुरूः नगर निगम ने प्लास्टिक प्रदूषण रोकने के लिए प्लास्टिक एक्सचेंज अभियान भी शुरू किया है. इसके तहत श्रद्धालुओं से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पॉलीथीन लेकर उन्हें निशुल्क कम्पोस्टेबल बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं. निगम की टीमें लोगों को प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान और उसके विकल्पों के बारे में भी जागरूक कर रही हैं. इसके लिए लाउडस्पीकर का सहारा लिया जा रहा है. 'कांवड़ मेले में जुर्माने की कार्रवाई के बजाय व्यवहार परिवर्तन और जनजागरूकता पर जोर दिया जा रहा है. घाटों पर तैनात स्वच्छता दूत लगातार मेगाफोन के माध्यम से श्रद्धालुओं से कूड़ा केवल डस्टबिन में डालने, गंगा में प्लास्टिक या अन्य अपशिष्ट न फेंकने और सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने की अपील कर रहे हैं. '-

पहल को सराह रहे श्रद्धालुः वहीं, श्रद्धालु भी इस पहल की सराहना करते हुए स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त हरिद्वार बनाने में सहयोग का भरोसा जता रहे हैं. श्रद्धालु उमेश नरवाल और बाबल ने बताया कि नगर निगम प्रशासन की अच्छी पहल है, लेकिन इसके लिए हम सब लोगों को जागरूक होना पड़ेगा. बीती रात 50 किलो पॉलीथिन जब्तः बीती रात भी नगर निगम की टीम ने हरकी पैड़ी के पास एक गोदाम से 50 किलो प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की और जुर्माने की कार्रवाई की तैयारी है. इससे पहले भी हरिद्वार में ही एक गोदाम से करीब 5 हजार किलो सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन बरामद किया गया था. जिस पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था.

तिरंगे के साथ निकले भोले के भक्त

221 फीट लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ बागपत तक पैदल जाएंगे 26 कांवड़िये

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ यात्रा अपने चरम पर है. हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्त अपनी अपनी अनोखी कांवड़ों के माध्यम से आस्था के साथ विभिन्न संदेश भी दे रहे हैं. कोई भगवान शिव और माता पार्वती की आकर्षक झांकी वाली कांवड़ लेकर चल रहा है तो कोई सामाजिक संदेश दे रहा है. इसी बीच बागपत से आए 26 कांवड़ियों का दल अपनी अनूठी तिरंगा कांवड़ के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. कांवड़िये 221 फीट लंबा और करीब 11 फीट ऊंचा तिरंगा लेकर हरिद्वार से बागपत तक पैदल यात्रा कर रहे हैं. शिवभक्तों का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करना ही नहीं, बल्कि देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान का संदेश देना भी है. रविवार को यह

दल गंगाजल भर के, हरिद्वार से रवाना हो गया है. 11 अगस्त को अपने क्षेत्र के शिवालय में गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करेगा. दल के सदस्य हरेंद्र कुमार ने बताया कि वे बागपत से आए हैं और 221 फीट लंबे तिरंगे के साथ यात्रा कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है. देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को सम्मान देने और युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने के उद्देश्य से यह तिरंगा कांवड़ निकाली गई है. उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद उन्हें मिला है और उसी की प्रेरणा से यह यात्रा कर रहे हैं. कांवड़िये ईश्वर तोमर ने कहा कि तिरंगा भारत की पहचान और गौरव का प्रतीक है. वे चाहते हैं कि हर नागरिक अपने देश से प्रेम करें और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखें. उन्होंने बताया कि वे गंगाजल के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश भी अपने गांव तक लेकर जा रहे हैं और भगवान शिव से देश की खुशहाली और सभी के मंगल की प्रार्थना करेंगे. यह उनकी पहली तिरंगा कांवड़ यात्रा है. इससे पहले वे सामान्य कांवड़ लेकर जलाभिषेक कर चुके हैं, लेकिन इस बार राष्ट्रभक्ति का संदेश देने के उद्देश्य से तिरंगा कांवड़ तैयार की गई है. बता दें कि 26 लोगों की पूरी टीम नाचते गाते और भजन कीर्तन करते हुए पैदल यात्रा कर रही है तथा 11 अगस्त को बागपत पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगी. यात्रियों की यह अनूठी पहल हरिद्वार में चर्चा का विषय बनी हुई है.

जर्जर भवन के कारण वर्षों से बंद है कैंटीन

ऋषिकेश, एजेंसी। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पीएलएमएस परिसर में अध्ययनरत 3500 से अधिक छात्र-छात्राओं को कैंटीन जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है।

परिसर में कैंटीन भवन मौजूद होने के बावजूद उसकी जर्जर स्थिति के चलते उसे लंबे समय से बंद कर दिया गया है। इससे छात्रों को भोजन, नाश्ता जैसी दैनिक जरूरतों के लिए परिसर से बाहर जाना पड़ता है।

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने कहा कि कैंटीन संचालन की मांग को लेकर कई बार विश्वविद्यालय और परिसर प्रशासन से आग्रह किया गया, लेकिन छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। कहा कि कैंटीन भवन की मरम्मत के लिए धनराशि स्वीकृत होने के बावजूद आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया।

छात्रों ने नव नियुक्त कुलपति से भी इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सुविधाओं के साथ-साथ छात्रों की मूलभूत आवश्यकताओं का ध्यान रखना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

ऐसे में कैंटीन का शीघ्र संचालन कराया जाना हजारों विद्यार्थियों के हित में आवश्यक है।

जर्जर कैंटीन भवन के नीचे शिक्षकों के वाहन पार्क किए जा रहे हैं। बरसात में इस भवन की स्थिति और अधिक खराब हो गई है।

बावजूद सुरक्षा कर्मियों के सामने ही जर्जर छत के नीचे वाहन पार्क किए जा रहे हैं। जो कभी भी किसी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

हरिद्वार में मसाज करने वाले युवक की कांवड़ियों ने की पिटाई, पुलिस व स्थानीय युवकों ने बचाई जान

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार में कांवड़ मेला मेला चरम सीमा पर चल रहा है, लेकिन कांवड़ मेले में हुड़दंग की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं. हरिद्वार के बहादराबाद थाना क्षेत्र में पतंजलि योगपीठ पुल के नीचे कुछ कांवड़ियों ने एक मसाज करने वाले युवक के साथ जमकर मारपीट कर दी. मामूली बात को लेकर हुए विवाद के बाद कांवड़िए आक्रोशित हो गए और युवक पर टूट पड़े। देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई और युवक को बेरहमी से पीटा जाने लगा.

बताया जा रहा है कि मसाज के दौरान किसी कारणवश एक कांवड़िए की तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई, जिसके बाद कुछ कांवड़ियों ने अपना आपा खो दिया. विवाद इतना बढ़ गया कि उन्होंने कानून अपने हाथ में लेते हुए मसाज करने वाले युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी. मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं होता तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी. हंगामे की सूचना मिलते ही कांवड़ ड्यूटी पर तैनात पुलिस मौके पर पहुंची.

स्थानीय व्यापारियों और आसपास मौजूद युवकों ने भी साहस दिखाते हुए बीच बचाव किया और युवक को भीड़ के चंगुल से बाहर निकाला.

इसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और युवक को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया. घटना के दौरान पुल के नीचे काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा. मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई. मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कई कांवड़िए एक यवक को पीटते हुए नजर आ रहे हैं. कई स्थानीय लोगों ने उसे जैसे तैसे करके छुड़ाया.

अकेला पुलिसकर्मी भीड़ को रोक पाने में बेबस नजर आया. स्थानीय होटल कारोबारी तेज प्रताप सैनी ने बताया कि उन्होंने और उनके साथ मौजूद लोगों ने युवक को वक्त रहते छुड़ा लिया, वरना बड़ी घटना भी हो सकती थी. किसी भी विवाद का समाधान हिंसा नहीं हो सकता. यदि किसी से कोई गलती हुई भी थी तो इसकी शिकायत पुलिस से की जा सकती थी. वहीं हरिद्वार के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने कांवड़ियों से नियमों का पालन करते हुए कांवड़ यात्रा पूर्ण करने की अपील की है. शांतिभंग और हुड़दंग मचाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है.

बेरीनाग में जंगल में कूड़ा डंपिंग जोन बनाने पर भड़के ग्रामीण, तहसील कार्यालय पहुंचकर किया प्रदर्शन

बेरीनाग, एजेंसी। पिथौरागढ़ के बेरीनाग में कूड़ा डंपिंग जोन का मामला गरमा गया है. जहां बेरीनाग-उडियारी बैंड मोटर मार्ग पर मौजूद कांडे की जमीन पर बेरीनाग नगर पालिका का कूड़ा डंपिंग जोन बनाए जाने पर कांडे, किरौली, चौकोड़ी क्षेत्र के ग्रामीण भडक गए. इतना ही नहीं मामले को लेकर ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे और नगर पालिका एवं सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी. साथ ही जोरदार प्रदर्शन भी किया. वहीं, एसडीएम के माध्यम डीएम को ज्ञापन भेजा.

बेरीनाग में डंपिंग जोन का विरोधः ग्रामीणों ने बताया कि बिना स्थानीय ग्रामीणों की सहमति के डंपिंग जोन प्रस्तावित कर दिया गया है. जिस स्थान पर डंपिंग जोन बनाया जा रहा है, उसके पास एक दर्जन गांवों का पेयजल स्रोत होने के साथ ही मंदिर और पर्यटक स्थल कालीताल भी है. जबकि, 200 मीटर की दूरी पर ग्रामीण निवास करते हैं. अगर डंपिंग जोन बनाया गया तो ये सब प्रभावित होंगे.

'जंगल के बीच में नियमों का ताक में रखकर डंपिंग जोन बनाया जा रहा है. इस प्रस्ताव को रद्द किया जाए और दूसरी जगह चिह्नित किया जाए. अगर यहां पर डंपिंग जोन बनाया जाता है या हमारी मांगें नहीं मानी जाती है, तो क्षेत्रवासियों को मजबूरन दूसरा कदम उठाना पड़ेगा. '- ललित कार्की, सदस्य, जिला पंचायत डंपिंग जोन के खिलाफ लामबंद होंगे ग्रामीणः ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हालत में डंपिंग जोन बनाने नहीं दिया जाएगा. यदि जबरन डंपिंग जोन बनाया जाएगा,

तो एक दर्जन गांवों के ग्रामीण सड़कों पर उतर कर आंदोलन करेंगे. किसी भी सूरत में जंगल के बीच बसी जगह पर डंपिंग जोन नहीं बनने दिया जाएगा.

'ग्राम पंचायत कांडी के वन पंचायत की भूमि को कूड़ा डंपिंग जोन के लिए चिह्नित किया जा रहा है. इससे करीब 100-200 मीटर की दूरी पर कोलिया पत्थर में जल स्रोत है. यहां से कई जगहों के लिए पेयजल सप्लाई होती है, लेकिन उसके आस पास अगर कूड़ा डंपिंग जोन बनाया जाता है, तो इससे जल स्रोत प्रभावित हो जाएगा.

वहीं, ग्राम प्रधान गराउ दीप पंत और कांडे की मनीषा देवी ने बताया कि प्राक्रतिक पेयजल स्रोत और ग्रामीणों का गौचर व मंदिर के पास नगर पालिका बेरीनाग का डंपिंग जोन प्रशासन की ओर से बनाया जा रहा है. जिसे किसी भी हालत में नहीं बनने दिया जाएगा. यदि जल्द डंपिंग जोन का प्रस्ताव निरस्त नहीं किया जाता है, तो ग्रामीणों की ओर से सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा.

प्रदर्शन में जिला पंचायत सदस्य ललित कार्की, ग्राम प्रधान कांडे मनीषा देवी, ग्राम गराउ दीप पंत, ग्राम प्रधान उडियारी हेमा देवी, ग्राम प्रधान जगथली सुरेंद्र कुमार ग्राम प्रधान बैठोली पवन कुमार, ग्राम प्रधान प्रेम सिंह नेगी, युवक मंगल दल अध्यक्ष योगेश महरा, भूपी कार्की, राजन राम, सुंदर महरा,राजेंद्र महरा, कमलेश महरा,दीपक महरा, हेम उप्रेती, हिमांशु महरा, त्रिलोक महरा, बलवंत सिंह समेत तमाम लोग शामिल रहे. जिन्होंने एक सुर में डंपिंग जोन का विरोध किया.

सड़क पर उतरे कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, बरसात में खुलवाई बंद रोड

हल्द्वानी, एजेंसी। नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग पर वल्दियाखान के पास सड़क पर चीड़ का पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया. संयोग से मौके से गुजर रहे कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने तुरंत प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश देकर पेड़ हटाने की कार्रवाई शुरू कराई. उन्होंने यात्रियों से धैर्य रखने और जोखिम उठाकर पेड़ के नीचे से वाहन न निकालने की अपील भी की. नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय मार्ग पर रविवार दोपहर वल्दियाखान क्षेत्र में अचानक सड़क पर चीड़ का एक विशाल पेड़ गिर गया. जिससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया. सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. यात्री बीच रास्ते में फंस गए. इसी दौरान कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत मौके से गुजर रहे थे. स्थिति की गंभीर देखते हुए उन्होंने तत्काल जिला आपदा प्रबंधन, पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ

अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया. बिना समय गंवाए सड़क पर गिरे पेड़ को हटाकर यातायात जल्द से जल्द सुचारू करने के निर्देश दिए. कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने मौके पर मौजूद यात्रियों से बातचीत कर उन्हें धैर्य बनाए रखने की अपील की. साथ ही भरोसा दिलाया कि राहत कार्य तेजी से चल रहा है. उन्होंने कहा जल्द ही मार्ग खोल दिया जाएगा. इस दौरान कुछ बाइक और दोपहिया वाहन चालक जोखिम उठाते हुए पेड़ के किनारे और नीचे से वाहन निकालने का प्रयास कर रहे थे. इसे देखते हुए आयुक्त ने स्वयं उन्हें रोकते हुए समझाया कि ऐसी जल्दबाजी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है.

उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि आपदा या सड़क अवरुद्ध होने जैसी परिस्थितियों में प्रशासन के निर्देशों का पालन करें. किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं. प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के बाद पेड़ हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया. जिससे मार्ग को जल्द यातायात के लिए खोलने की प्रक्रिया शुरू हुई.

मंगलवार को ई-20 के विरोध में जनता के पत्रों के साथ पीएम आवास तक मार्च करेंगे: केजरीवाल

● 100 लोगों के साथ दोपहर 12 बजे आप मुख्यालय से निकलेंगे, उम्मीद है प्रधानमंत्री हमारी बात सुनेंगे: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ई-20 पेट्रोल के विरोध में जनता के पत्रों के साथ मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दोपहर 12 बजे 100 लोगों के साथ आप मुख्यालय से पीएम आवास के लिए निकलेंगे। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मिलेंगे और हमारी बात सुनेंगे। उन्होंने बताया कि मात्र कुछ दिनों में ही ई-20 के खिलाफ 2,33,238 लोगों ने ऑनलाइन प्रधानमंत्री के नाम याचिका साइन की है। मैंने पीएम से मिलने के लिए एक माह पहले समय भी मांगा था, लेकिन अब तक उनका जवाब नहीं मिला है। उन्होंने पीएम से पूछा कि क्या ट्रम्प के दबाव में जबरदस्ती देश पर इथेनॉल थोपा रहा है और अगले 5 साल में 20 बिलियम डॉलर का इथेनॉल खरीदेंगे। सोमवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एथेनॉल को लेकर देश की जनता बहुत ज्यादा परेशान है और केंद्र की मोदी सरकार जबरदस्ती लोगों पर एथेनॉल थोपे जा रही है। लोगों की माइलेज कम हो रही है और लोगों की गाड़ियां खराब हो रही हैं। इसके बावजूद बिना प्रश्नों के जवाब दिए और बिना कोई तर्क दिए सरकार इसे जबरदस्ती थोप रही है। इससे यह लगता है कि सरकार का कोई न कोई हिडन एजेंडा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक आरोप यह लगाया जा रहा है कि ट्रंप के दबाव में मोदी जी झुके हुए हैं। ट्रंप अपने देश का एथेनॉल जबरदस्ती भारत में आयात करवाना चाहते हैं। एक अनुमान के हिसाब से अगले 5 साल में मोदी जी 20 बिलियन डॉलर का एथेनॉल ट्रंप से खरीदेंगे, जो हमारे देश के ऊपर थोपा जाएगा। मोदी जी हमारे देश के लोगों की गाड़ियां खराब करना चाहते हैं। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि शनिवार को हमने ई-20 के खिलाफ टाउन हॉल किया था, वह बेहद सफल रहा। हॉल के अंदर और बाहर बहुत सारे लोग थे और लगभग 7 लाख लोग कार्यक्रम को लाइव देख रहे थे। मुझे लगता है कि यह दुनिया का रिकॉर्ड है कि कोई भी लाइव कार्यक्रम 7 लाख लोग ऑनलाइन देख रहे हों। यह दिखाता है कि लोग ई-20 से कितने ज्यादा परेशान हैं और किस तरह से टॉउनहॉल के सपोर्ट में आए हैं। फिर भी लोगों को बुरी तरह से डराया-धमकाया जा रहा है। अगर कोई इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर, पीड़ित व्यक्ति ई-20 के खिलाफ आवाज उठाए, तो उसे ट्रोल करके और उस पर एफआईआर दर्ज कर डराया-धमकाया जाता है। इस वजह से लोग बहुत डरे हुए हैं। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि कुछ दिन पहले हमने प्रधानमंत्री के नाम ऑनलाइन पिटीशन साइन करवाई थी। मात्र कुछ दिनों के अंदर 2,33,238 लोगों ने यह पिटीशन साइन की है। मंगलवार को मैं प्रधानमंत्री को यह पिटीशन सौंपने के लिए 100 लोगों के साथ दोपहर 12 बजे आम आदमी पार्टी के कार्यालय से उनके घर की तरफ निकलूंगा। हम चाहते हैं कि व्यक्तिगत तौर पर उनको ये पिटीशन सौंप कर आएं और उनसे चर्चा करें कि कैसे एथेनॉल गलत है और लोग किस तरह से परेशान हैं।

सावन की पहली सोमवारी पर शिवमय हुई दिल्ली, शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पूरी तरह शिवमय नजर आई। सुबह 4 बजे से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लबम-बम भोलेह्व के जयघोष से मंदिर परिसर गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर दूध, जल, बेलपत्र, भांग, धतूरा, शहद तथा मौसमी फल अर्पित करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। तुगलकाबाद गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर में तड़के से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचने लगे। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने लंबी कतारों में खड़े होकर श्रद्धाभाव से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। मंदिर परिसर पूरे दिन भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। तुगलकाबाद प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी संतोष तिवारी ने बताया कि श्रावण मास की सोमवारी का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि इस दिन भगवान शिव को जल, दूध, शहद, बेलपत्र, भांग, धतूरा और मौसमी फल अर्पित करने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं तथा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर के पुजारी अजय दीक्षित ने बताया कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए अपने कंठ में धारण किया था। विष के प्रभाव को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया था। तभी से श्रावण मास की सोमवारी पर भगवान शिव को जल अर्पित करने की परंपरा चली आ रही है। श्रद्धालु शिवम कुमार ने बताया कि वह प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करने मंदिर आते हैं। उनका विश्वास है कि भोलेनाथ अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा से प्रसन्न होकर उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। जलाभिषेक करने पहुंचीं महिलाओं ने भी परिवार के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। राजधानी के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। चांदनी चौक स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में तड़के से ही जलाभिषेक के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर को आकर्षक पुष्प सज्जा और प्रकाश व्यवस्था से सजाया गया था। वहीं प्रीत विहार स्थित गुफावाला शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिपालपुर के रंगपुरी स्थित मंगल महादेव मंदिर में कांवड़ियों के लिए ठहरने, भोजन और चिकित्सा की विशेष व्यवस्था की गई।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली की कृषि मंडियों का होगा आधुनिक कायाकल्प

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को राजधानी की कृषि मंडियों के पुनर्विकास और विभिन्न मंडियों में चल रही विकास परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक की। इसमें गाजीपुर, नरेला, आईएफसी गाजीपुर आदि से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। इसके साथ मंडियों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए चल रहे कार्यों की जानकारी भी मुख्यमंत्री ने ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की कृषि मंडियां किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसलिए इन मंडियों को समय की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। बैठक में गाजीपुर में लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे आधुनिक पोल्ट्री मार्केट की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का 85 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है और आगामी दिसिंबर माह तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है।

महापौर कार्यालय को आठवीं बार बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर कार्यालय को सोमवार प्रातः एक बार फिर बम विस्फोट की धमकी प्राप्त हुई। यह आठवीं बार है जब महापौर कार्यालय को इस प्रकार बम से उड़ाने की धमकी प्राप्त हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए महापौर कार्यालय द्वारा तत्काल सुरक्षा एजेंसियों एवं दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय करते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। महापौर कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार आज प्रात 9 बजे एक अज्ञात स्रोत से ई-मेल के माध्यम से यह धमकी प्राप्त हुई, जिसमें दोपहर 2:11 बजे बम विस्फोट करने की बात कही गई थी। धमकी मिलते ही बिना किसी विलंब के संबंधित सुरक्षा एजेंसियों एवं दिल्ली पुलिस को सूचित किया गया, ताकि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। सूचना प्राप्त होने के उपरांत दिल्ली पुलिस एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने महापौर कार्यालय परिसर की सघन एवं विस्तृत तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान कार्यालय के प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र, प्रवेश एवं निकास द्वार तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया। महापौर कार्यालय ने स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है जब इस प्रकार की धमकी प्राप्त हुई हो।

शाहदरा में पुलिस का चक्रव्यूह सफल, पांच शातिर चोर गिरफ्तार, दो वारदातों का खुलासा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा जिले में चोरी और सेंधमारी की वारदातों पर पुलिस ने सख्त शिकंजा कसते हुए दो मामलों का सफल खुलासा किया है। जीटीबी एन्क्लेव और गीता कॉलोनी थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तकनीकी जांच और स्थानीय सूचना तंत्र के समन्वय से कुल पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद किया गया है। इस कार्रवाई से इलाके में सक्रिय अपराधियों के बीच पुलिस का खौफ फिर से नजर आने लगा है। जीटीबी एन्क्लेव क्षेत्र में एक मकान में रात के समय घुसकर अज्ञात बदमाशों ने सोने के गहनों की चोरी की थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की गहन जांच कर संदिग्धों की पहचान की और सटीक निगरानी के बाद मनोज उर्फ जीतू उर्फ डांटला, आकिब उर्फ लाले और महेंद्र मिश्रा उर्फ बिहारी को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से सोने की अंगूठियां, मंगलसूत्र और लॉकेट बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने अन्य वारदातों में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। वहीं गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक घर से सोने के आभूषण, मोबाइल फोन, लैपटॉप और नकदी चोरी होने की घटना सामने आई थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर तजेम उर्फ लंगूर और मुस्तकीम को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी नशे की हालत में घर में घुसा और वारदात को अंजाम देकर चोरी का सामान अपने साथी को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप और उन्नीस हजार चार सौ रुपये नकद बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं और पूर्व में भी कई मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस अब शेष चोरी गए माल की बरामदगी और अन्य मामलों में इनकी भूमिका की गहन जांच कर रही है।

प्रदूषण बढ़ने से पहले अक्तूबर में ही पूरे कर लिए जाएंगे दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच अब प्रांतीय स्कूल खेल सर्दियों के बजाय अक्तूबर तक पूरे कर लिए जाएंगे। शिक्षा विभाग के नए परिपत्र के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को प्रदूषण के चरम महीनों में आउटडोर खेल प्रतियोगिताएं कराने के खिलाफ दायर याचिका का निस्तारण कर दिया। सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता हर्षिता नाथरानी ने अदालत को बताया कि शिक्षा विभाग ने दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स (डीएसएसजी) के लिए संशोधित परिपत्र जारी कर दिया है। नए कार्यक्रम के अनुसार सभी प्रतियोगिताएं अक्तूबर तक समाप्त हो जाएंगी। यही याचिका की मुख्य मांग थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने संशोधित खेल कैलेंडर पर संतोष जताते हुए स्कूली छात्रों के समूह की याचिका बंद कर दी। अदालत ने माना कि नए कार्यक्रम से याचिकाकर्ताओं की मुख्य चिंता का समाधान हो गया है। याचिका में मांग की गई थी कि वार्षिक खेल कैलेंडर इस तरह तैयार किया जाए, ताकि सर्दियों में जब दिल्ली में वायु प्रदूषण सबसे अधिक होता है, तब आउटडोर खेल प्रतियोगिताएं न कराई जाएं। छात्रों का कहना था कि जोनल, इंटर-जोनल, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं ऐसे समय आयोजित होती हैं, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर और खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है। ऐसे माहौल में बच्चों से कठिन शारीरिक गतिविधियां कराना उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है और संविधान के अनुच्छेद 21 तथा 21ए के तहत मिले जीवन और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन भी है। पहले सरकार ने कहा था-सर्दियों के दौरान आउटडोर गेम रोकना पूरी तरह संभव नहीं याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा था कि जहरीली हवा में लगातार खेल गतिविधियों से बच्चों के फेफड़ों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इससे पहले फरवरी में सरकार के स्टैंडिंग काउंसिल समीर वशिष्ठ ने अदालत में कहा था कि वार्षिक खेल कैलेंडर में बदलाव कर सर्दियों के दौरान आउटडोर खेल पूरी तरह रोकना संभव नहीं है। छात्रों की ओर से फैसले का स्वागत किया गया सोमवार को सुनवाई के दौरान छात्रों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्येल त्रेहान ने संशोधित कैलेंडर का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसी उद्देश्य से याचिका दायर की थी और शिक्षा विभाग का यह फैसला सकारात्मक कदम है।

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में घर की छत गिरने से दंपति की मौत, बच्चा बचा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र में रविवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। अधिकारियों के अनुसार, जय प्रकाश नगर के एच ब्लॉक में एक घर के ग्राउंड फ्लोर के कमरे की छत गिर गई। इस हादसे में एक दंपति की मौत हो गई। हादसे के समय उनका छोटा बच्चा कमरे में मौजूद था, जो सुरक्षित बच गया। अधिकारियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, छत रात करीब 9:30 बजे गिरी। हालांकि, दिल्ली फायर सर्विसेज को घटना की जानकारी रात करीब 11:30 बजे मिली, जिसके बाद बचाव दल मौके पर पहुंचा। दंपति को मलबे से बाहर निकाला गया और पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके बच्चे की जान बच गई। लोगों ने आरोप लगाया कि इमारत बहुत खराब हालत में थी और कुछ समय से उसमें स्ट्रक्चरल कमजोरी के लक्षण दिख रहे थे। एक पड़ोसी, सोनू ने कहा, इस घर की हालत बहुत खराब थी। दूसरे भी खतरनाक हालत में थीं। गली में आगे जाकर देखा जा सकता है कि कुछ और घरों की छतें भी गिर गई हैं।

गोद दिलाने के नाम पर 1.37 लाख की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। उत्तर जिला साइबर थाना पुलिस ने बच्चा गोद दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुराड़ी निवासी 30 वर्षीय महिला से 1.37 लाख की ठगी की गई। महिला ने ऑनलाइन गोद लेने की जानकारी के दौरान एक मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था। संपर्क करने वाले व्यक्ति ने खुद को सचिन अग्रवाल बताते हुए बच्चा गोद दिलाने का भरोसा दिया और पंजीकरण, बुकिंग व अन्य शुल्क के नाम पर कई बार पैसे ट्रांसफर करवाए। भरोसा दिलाने के लिए फर्जी रसीदें और चिकित्सा संबंधी दस्तावेज भी भेजे गए। तकनीकी निगरानी और बैंक खातों की जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों का पता लगाकर बरेली में दबिश दी और 31 जुलाई को सचिन अग्रवाल (46) तथा राकेश कुमार उर्फ डॉ. आर.के. (52) को गिरफ्तार किया। राकेश कुमार पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट है और फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराता था। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, एक पासबुक, छह डेबिट कार्ड, दो पैन कार्ड तथा अस्पतालों और डॉक्टरों की 14 मुहरें बरामद की हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

FanToPark ने Barefoot India के 13वें वार्षिक स्पोर्ट्स क्विज फेस्ट के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में साझेदारी नवीनीकृत की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। FanToPark ने Barefoot India के 13वें वार्षिक स्पोर्ट्स क्विज फेस्ट के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में अपनी साझेदारी को नवीनीकृत किया है। यह कदम भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दोहराता है। इसके तहत ऐसे आयोजनों का समर्थन किया जा रहा है, जो खेल के मैदान से परे खेल समुदायों को एक साथ लाते हैं। 28 से 30 अगस्त तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल में 500 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, 2012 में शुरूआत के बाद से इस आयोजन में कुल प्रतिभागियों की संख्या 10,000 से अधिक हो जाएगी। यात्रा करने, खेलने और खेल सीखने के अवसरों के माध्यम से भारत का नंबर 1 स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के अपने विजन से प्रेरित त्रंह्लव्ळङ्कढं१‘ ऐसे अनुभवों में लगातार निवेश कर रहा है, जो खेलों में अधिक भागीदारी और जुड़ाव के लिए प्रेरित करते हैं। इंझ्रीङ्कङ्क३ कल्र्ल के साथ लगातार दूसरे वर्ष जुड़ाव कंपनी के उस विश्वास को दशार्ता है, जिसके तहत खेल संस्कृति का जश्न मनाने, सीखने को प्रोत्साहित करने और भारत को एक खेल राष्ट्र बनाने के व्यापक मिशन में योगदान देने वाले सार्थक प्लेटफॉर्म तैयार किए जा सकें। फेस्टिवल की शुरूआत 28 अगस्त को हौज खास स्थित Fort City Brewing में Curtain Raiser Pub Quiz के साथ होगी, जिसकी मेजबानी Richha Bhatia और Aniket Mishra करेंगे। मुख्य फेस्टिवल 29 और 30 अगस्त को India Islamic Cultural Centre में आयोजित किया जाएगा। इसमें भारत के कुछ प्रमुख स्पोर्ट्स क्विजमास्टर्स द्वारा छह प्रमुख क्विज आयोजित किए जाएंगे। छह मुख्य क्विज में भाग लेने वाले प्रतिभागी कुल1.80 लाख की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक क्विज के विजेता को 5,000, उपविजेता को 10,000 और तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 5,000 का पुरस्कार दिया जाएगा। Curtain Raiser Pub Quiz के विजेताओं को adidas और Hachette की ओर से हैम्पर्स दिए जाएंगे, जबकि सभी पुरस्कार फेस्टिवल के अंतिम दिन प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष के आयोजन के बारे में बात करते हुए, Barefoot – the Aannual Sports Quiz Fest के संरक्षक Joy Bhattacharjya ने कहा, Barefoot अपने आप में एक अनूठा आयोजन है। हर साल यह देशभर और कभी-कभी अन्य देशों से भी खेल प्रेमियों को एक साथ लाता है। यह मूल रूप से खेल और ट्रिविया से जुड़े हर पहलू को समर्पित दो दिवसीय फेस्टिवल है। मुझे इस आयोजन को लगातार बढ़ते हुए देखकर बेहद खुशी हो रही है और मैं इस संस्करण में क्विज में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों का गर्मजोशी से स्वागत करना चाहता हूं।

हर वार्ड में लावारिस कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी शिविर लगाएं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) और नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) को राजधानी के हर वार्ड में लावारिस कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने लावारिस कुत्तों के प्रबंधन से जुड़े स्वतः संज्ञान जनहित याचिका मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि एमसीडी और एनडीएमसी अपने-अपने क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाएं। इसे फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाए। शिविर शुरू होने से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और प्रमुख स्थानों पर प्लेकार्ड लगाए जाएं। इनमें स्पष्ट लिखा हो कि लावारिस कुत्तों को पकड़ा नहीं जा रहा है और न ही उन्हें डॉग पाउंड (सुरक्षित, मानवीय और सम्मानजनक वातावरण में संरक्षण देने वाला स्थल) भेजा जाएगा। उन्हें केवल टीकाकरण और नसबंदी के लिए शिविर में लाया जाएगा। अदालत का सुझाव : ज्यादा आवाजाही वाले इलाकों से की जाए शुरूआत अदालत ने एमसीडी को सुझाव दिया कि वह उन क्षेत्रों से शुरूआत करे जहां लोगों की आवाजाही अधिक है। खंडपीठ ने कहा, छोटे क्षेत्र से शुरू करें। कनॉट प्लेस, इंडिया गेट जैसे वार्ड चुनें, जहां ज्यादा ऑफिस हैं। उस वार्ड में सभी कुत्तों की नसबंदी करवाएं। न्यायमूर्ति मेहता ने निजी अनुभव का किया जिक्र, कहा-मेरी मां को तीन बार कुत्तों ने काटा सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दिनेश मेहता ने डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हम डॉग बाइट का ध्यान रख रहे हैं। हां, वे सबके लिए खतरा हैं। कुत्ते ने मेरी मां को तीन बार काटा है...। कुत्ते काटते हैं...। भगवान करे किसी को न काटें...। रोज कुत्ते काटने की खबरें आती हैं...। मैं इसमें नहीं जाना चाहता कि कुत्ता काटता है या नहीं काटता...। अगली पीढ़ी के लिए भी कुत्तों को बचाना जरूरी अदालत ने हालांकि यह भी कहा कि वह कहीं भी डॉग बाइट की घटनाएं नहीं चाहती, लेकिन भविष्य की पीढ़ियों के लिए कुत्तों को बचाना चाहती है। खंडपीठ ने कहा, हम किसी भी कुत्ते की मौत नहीं चाहते आज से हम नहीं सुनना चाहते कि कुत्ता काटा या नहीं काटा, सबको पता है कि काटता है। जब कुत्ते खत्म होंगे तो मैं रोऊंगा।

दो पोतों की अनोखी भक्तिः दादी के भार के बराबर गंगाजल लेकर बहादुरगढ़ की ओर बढ़ता कारवां

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। झिलमिल कॉलोनी के पास उस समय आस्था और भावनाओं का ऐसा दृश्य उभरा, जिसने हर किसी को ठहरने पर मजबूर कर दिया। हरिद्वार से 1 तारीख को पैदल यात्रा पर निकले बहादुरगढ़ (हरियाणा) के दो पोते–जिनमें से एक का नाम विष्णु भोले है–अपनी वृद्ध दादी को पालकी में बैठाकर और दूसरी ओर दादी के भार के बराबर गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ते नजर आए। शाहदरा पहुंचते ही यह दृश्य लोगों के बीच श्रद्धा और चर्चा का केंद्र बन गया। यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण की जीवंत कहानी बन गई है। एक ओर पालकी में बैठी दादी, तो दूसरी ओर उतनी ही मात्रा में रखा गया गंगाजल–दोनों के बीच संतुलन साधते हुए दोनों पोते कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं। उनके चेहरे पर थकान नहीं, बल्कि भक्ति का तेज झलकता है, जो इस दृश्य को और भी भावपूर्ण बना देता है। यात्रा कर रहे विष्णु भोले और उनके साथी का कहना है कि बहादुरगढ़ पहुंचकर इस पवित्र गंगाजल को भगवान भोलेनाथ को अर्पित करना उनका संकल्प है। उनके लिए दादी की सेवा भी उतनी ही पवित्र है जितनी भगवान की भक्ति। यही भावना इस यात्रा को विशेष बनाती है, जहां हर कदम पर संस्कार, श्रद्धा और परिवार के प्रति अटूट समर्पण नजर आता है। शाहदरा की सड़कों पर जब यह कारवां आगे बढ़ा, तो लोग स्वतः ही नतमस्तक होते नजर आए। किसी ने इसे सच्ची भक्ति की मिसाल कहा, तो किसी ने इसे परिवार और संस्कारों की जीवंत तस्वीर बताया। हरिद्वार से बहादुरगढ़ तक की यह यात्रा केवल दूरी तय नहीं कर रही, बल्कि यह संदेश दे रही है कि जब भक्ति में सेवा का भाव जुड़ जाता है, तो वह हर हृदय को छू जाती है।

कांवड़ ड्यूटी में संवेदनशील पहल: रूट पर तैनात पुलिसकर्मियों के लिए विशेष सुविधाओं का इंतजाम

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। कांवड़ यात्रा के दौरान जहां लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मी दिन-रात ड्यूटी पर तैनात हैं, वहीं उनकी सुविधाओं और सेहत का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा कांवड़ रूट, विशेषकर पूर्वी परिक्षेत्र और शाहदरा मार्गों पर तैनात जवानों के लिए ठंडे पानी, धूप से बचाव और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक संचालन से लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा तक हर जिम्मेदारी पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी से निभा रहे हैं। भीषण गर्मी और लंबी ड्यूटी के बावजूद जवान सड़कों पर लगातार तैनात हैं, जिससे यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो सके। ऐसे में उनकी कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। इस संबंध में डीसीपी ट्रैफिक के. रमेश ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के लिए पीने के ठंडे पानी, छाते तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई है। उनका कहना है कि जवानों की सेहत और सुविधा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, ताकि वे पूरी सतर्कता और ऊर्जा के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और लगातार निगरानी की जा रही है। ट्रैफिक को व्यवस्थित बनाए रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस हर स्तर पर सक्रिय है, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

डोनेशन डे : एक अंगदाता कई लोगों को दे सकता है नया जीवन यथार्थ हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

डोनेशन डे के अवसर पर यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञों ने लोगों से अंगदान का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि एक डोनर कई लोगों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने बताया कि भारत में हर वर्ष हजारों मरीज किडनी, लिवर, हृदय और अन्य अंगों के प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा करते हैं, लेकिन अंगदाताओं की कमी के कारण कई मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। विशेषज्ञों ने कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इससे जुड़े मिथकों को दूर करने की आवश्यकता है। डॉ. प्रग्नेश देसाई, सीनियर डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्ष झ्र यूरोलॉजी, रीनल ट्रांसप्लांट, रोबोटिक्स एवं यूरो-ऑन्कोलॉजी, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन* ने कहा कि ऑर्गन डे अंतिम चरण की अंग विफलता से जूझ रहे मरीजों के लिए नई उम्मीद लेकर आता है। उन्होंने बताया कि एक मृतक डोनर कई लोगों की जान बचा सकता है और अंगदान केवल ब्रेन डेथ की पुष्टि के बाद निर्धारित चिकित्सीय एवं कानूनी प्रक्रियाओं के तहत ही किया जाता है। डॉ. मनोज गुप्ता, सीनियर डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्ष झ्र रोबोटिक एवं लैप्रोस्कोपिक जीआई सर्जरी, जीआई ऑन्कोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा ने कहा कि डोनर की सुरक्षा और नैतिक प्रक्रियाएं सर्वोच्च प्राथमिकता होती हैं। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और जन-जागरूकता के माध्यम से अधिक लोगों को ऑर्गन डोनेशन के लिए प्रेरित किया जा सकता है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर नया जीवन मिल सके।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

अवैध ई-चार्जिंग स्टेशनों का जाल हर दिन बढ़ रहा हादसों का खतरा

नई दिल्ली। राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के साथ ही अवैध ई-चार्जिंग स्टेशनों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में सोनिया विहार में चार्जिंग के दौरान बस में लगी आग की घटना ने इस खतरे को फिर सामने ला दिया है। इसके बावजूद कई इलाकों में बिना किसी सुरक्षा मानक के खुलेआम चार्जिंग प्वाइंट चल रहे हैं। दिल्ली की कई अनधिकृत कॉलोनियों और घनी आबादी वाले इलाकों में घरेलू बिजली कनेक्शन या अवैध तारों के जरिए ई-रिक्शे चार्ज किए जा रहे हैं। माता सुंदरी रोड, सदर बाजार, कल्याणवास, चित्रा विहार, त्रिलोकपुरी, बदरपुर, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, गोविंदपुरी, संगम विहार, देवली, खानपुर, शाहीन बाग, सुल्तानपुरी और मंगोलपुरी समेत कई इलाकों में यह स्थिति आम है। ई-रिक्शा चालकों के अनुसार, उनके पास घर पर चार्जिंग की सुविधा नहीं है। ऐसे में वह रोज 100 से 150 रुपये देकर निजी चार्जिंग प्वाइंट पर वाहन चार्ज कराते हैं। मजबूरी का फायदा उठाकर कई लोग बिना अनुमति यह कारोबार चला रहे हैं।

आसिया अंद्राबी की उम्रकैद के खिलाफ अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी की आतंकवाद से जुड़े मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सुनाई गई उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर अपील पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जवाब मांगा। अंद्राबी के साथ ही उसकी सहयोगी सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन की अपीलों पर भी एनआईए को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की खंडपीठ ने तीनों दोषियों की सजा निलंबित करने की मांग वाली याचिका पर भी एजेंसी से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई अक्तूबर में होगी। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने 24 मार्च 2026 को आसिया अंद्राबी को आतंकवादी साजिश, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता समेत विभिन्न आरोपों में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

आईजीआई पर पकड़ा गया 2.76 किलो गांजा

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के सीमा शुल्क (कस्टम्स) अधिकारियों ने एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए फुकेत से दिल्ली पहुंचे एक यात्री के पास से करीब 2.76 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया है। कस्टम्स के अनुसार, यात्री 2 अगस्त को एयर इंडिया की उड़ान एआई-2377 से फुकेत से दिल्ली पहुंचा था। ग्रीन चैनल पर उसे रोककर उसके सामान की एक्स-रे जांच की गई, जिसमें संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। इसके बाद विस्तृत तलाशी में बैग से हरे रंग के पदार्थ के चार पैकेट बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में यह हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) प्रतीत हुआ, जिसका कुल वजन पैकेजिंग सहित 2,759.5 ग्राम है। कस्टम्स ने मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

एनडीटीएफ ने शुरू की जनहित याचिका

नई दिल्ली। नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एनडीटीएफ) ने उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता की रक्षा और शिक्षाविदों पर राजनीतिक हमलों के विरोध में लोकसभा अध्यक्ष को संबोधित एक जन याचिका शुरू की है। संगठन के अनुसार, अब तक 600 से अधिक शिक्षकों ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटी समेत शिक्षाविदों के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को वापस लेने और सार्वजनिक माफी की मांग की गई है। साथ ही विश्वविद्यालयों को राजनीतिक हस्तक्षेप, सार्वजनिक अपमान और प्रतिशोध से सुरक्षित रखने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की गई है।

जेएनयू ने जारी किया वेतन

नईदिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन ने वेतन भुगतान के संबंध में 31 जुलाई को जारी सर्कुलर को वापस ले लिया है। सोमवार को विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी ने जारी नए सर्कुलर में स्पष्ट किया गया कि विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से अनुदान प्राप्त होते ही एक अगस्त को सभी कर्मचारियों के वेतन का तत्काल भुगतान कर दिया गया था। इसमें किसी प्रकार की देरी नहीं हुई। सर्कुलर में कहा गया है कि 31 जुलाई को वेतन अनुभाग द्वारा जारी पूर्व आदेश अब निरस्त माना जाएगा। दरअसल, अमूमन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का भुगतान महीने के आखिर में हो जाता था।

केजरीवाल का प्रधानमंत्री आवास पर जाने की घोषणा आराजकता फैलाना :हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की कल प्रधानमंत्री आवास पर जाने की घोषणा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का काम है विक्टिम कार्ड खेलना। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि अरविंद केजरीवाल की कल 100 लोगों के साथ प्रधान मंत्री आवास जाने की घोषणा उनके और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच चल रही कौन आराजक का भाग है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि जब से राहुल गांधी ने प्रधान मंत्री आवास पर प्रदर्शन करा है तब से अरविंद केजरीवाल खुद को आराजकता के खेल में पिछड़ा पा रहे थे और इसी की पूर्ति के लिए केजरीवाल ने एथनॉल मुद्दे पर बिना अनुमति प्रधानमंत्री आवास जाने की घोषणा की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले आराजकता फैलाना फिर विक्टिम कार्ड खेलना अरविंद केजरीवाल की पुरानी पहचान है, अब कल जब पुलिस उनको प्रधान मंत्री आवास में बिना अनुमति प्रवेश से रोकेगी तब केजरीवाल विक्टिम कार्ड खेल कर कहेंगे की सरकार ने हमसे बातचीत करने से भी इंकार कर दिया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि एथनॉल बलेंडिड पैट्रोल मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल एवं कांग्रेस दोनों के नाटक की पोल खुल चुकी है एथनॉल प्रयोग एक वक्त की जरूरत है ताकि जहां एक ओर वायु प्रदूषण घटे तो वहीं इससे किसानों की आय बढ़ेगी और साथ में देश को विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी। उन्होने अरविंद केजरीवाल एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों से कहा है कि वह 11 अगस्त 2005 को संसद में कांग्रेस के तत्कालीन मंत्री मणी शंकर अय्यर का ब्यान सुनें जिसमें उन्होने साफ कहा था की एथनॉल पैट्रोल में मिलाना देश हित में है और हम यह करके दिखायेंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बेहतर होगा की अरविंद केजरीवाल एवं कांग्रेस नेता एथनॉल बलेंडिड पैट्रोल पर आम नागरिकों को गुमराह करना बंद करें और देश के सामने 100 ऐसी गाड़ी पेश करें जिनके पास किसी ओटोमोबाइल इंजीनियर का सर्टिफिकेट हो की यह गाड़ी एथनॉल के कारण खराब हुई है।

रंगदारी मामले में आप के पूर्व विधायक नरेश बालियान सभी आरोपों से बरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट ने रंगदारी (एक्सटॉर्शन) के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बालियान को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) पारस दलाल ने कहा कि पुलिस जांच में गंभीर खामियां हैं और अभियोजन पक्ष बालियान के खिलाफ मुकदमा चलाने लायक प्रथमदृष्टया मामला भी स्थापित नहीं कर सका। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति को मुकदमे का सामना करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अदालत के अनुसार, शिकायतकर्ता को मई-जून 2023 में व्हाट्सएप के जरिए धमकी और रंगदारी से जुड़े ऑडियो संदेश मिले थे, लेकिन जांच एजेंसी ने शिकायतकर्ता का मूल मोबाइल फोन जब्त नहीं किया। इसके बजाय शिकायतकर्ता के बेटे से प्राप्त पेन ड्राइव को साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया गया। कोर्ट ने कहा कि मूल डिवाइस उपलब्ध होने के बावजूद उसे जब्त न करना जांच की बड़ी कमी है। कोर्ट ने पाया कि मामले की जांच मुख्य रूप से फेसबुक पर प्रसारित दो ऑडियो क्लिप और एक समाचार चैनल के कार्यक्रम ऑपरेशन पाप पर आधारित थी। हालांकि पुलिस यह पता नहीं लगा सकी कि ऑडियो सबसे पहले किसने रिकॉर्ड किए, फेसबुक पर किसने अपलोड किए और उनका मूल स्रोत क्या था। फेसबुक से अपलोडर, आईपी एड्रेस या मूल डिवाइस का विवरण भी नहीं मांगा गया, जिससे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की चेन ऑफ कस्टडी और प्रामाणिकता स्थापित नहीं हो सकी। अदालत ने यह भी कहा कि समाचार चैनल से केवल कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग ली गई, लेकिन यह जांच नहीं की गई कि चैनल को ऑडियो किसने उपलब्ध कराए। साथ ही, शिकायतकर्ता की 2023 में दर्ज मूल शिकायत में नरेश बालियान का नाम भी नहीं था। कोर्ट ने जुलाई 2023 में दर्ज मामले की करीब तीन वर्ष तक चली जांच की गति और तरीके पर भी सवाल उठाए। जांच का उद्देश्य सच्चाई तक पहुंचना, पुलिस ने बालियान को दोषी मानकर की जांच आदेश में कहा गया कि निष्पक्ष जांच का उद्देश्य सच्चाई तक पहुंचना होता है, न कि किसी व्यक्ति को पहले से दोषी मानकर उसके खिलाफ साक्ष्य जुटाना। इस मामले में जांच शुरू से ही इस धारणा पर चलती दिखी कि आरोपी दोषी है।अदालत ने बालियान पर साक्ष्य मिटाने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 201 लगाने के पुलिस के तर्क को भी खारिज करते हुए कहा कि अभियोजन यह साबित नहीं कर सका कि उस मोबाइल में ऐसा कौन-सा साक्ष्य था जिसे जानबूझकर नष्ट किया गया। मामले के मुख्य आरोसी गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू अब भी फरार है और उसके खिलाफ मुकदमा अनुपस्थिति में जारी रहेगा। इधर, मकोका मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, जमानत याचिका खारिज दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को नरेश बालियान की मकोका मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी।

नजफगढ़ ड्रेन पर बनेगा नया एफओबी, पुरानों का होगा ऑडिट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नजफगढ़ ड्रेन पर नया फुटओवर ब्रिज (एफओबी) बनाने के कार्य का सोमवार को लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शुभारंभ किया। स्थानीय लोगों की वर्षों से यहां एफओबी बनाने की मांग थी। लगभग सात माह में पूरा होने वाला यह पुल हजारों लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा। मंत्री ने दिल्ली के विभिन्न पुलों एवं फ्लाईओवरों के व्यापक ऑडिट कराने की बात भी इस दौरान कही। शुभारंभ के अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यह परियोजना दिल्ली सरकार की नागरिकों की सुरक्षा और बेहतर सार्वजनिक आधारभूत ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह नया फुटब्रिज गुड़ मंडी, राजपुरा, रूप नगर, मुखर्जी नगर और यमुना मार्ग को आपस में जोड़ेगा। इसके बनने से विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, कार्यालय जाने वाले लोगों तथा स्थानीय निवासियों को लंबे समय से चली आ रही आवागमन की कठिनाइयों से राहत मिलेगी उन्होंने कुछ महीने पहले हुई पुल दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी में पुलों की नियमित संरचनात्मक जांच बेहद आवश्यक है। पिछली सरकार के दौरान पुलों का कोई व्यापक सुरक्षा ऑडिट नहीं कराया गया, जिसके कारण कई महत्वपूर्ण संरचनाओं की समय पर जांच नहीं हो सकी। आज दिल्ली सरकार राजधानी के सभी पुलों, फ्लाईओवरों और फुटओवर ब्रिजों का व्यापक ऑडिट करा रही है ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डीयू में मिड एंट्री से दाखिले के लिए शुरू हुआ पंजीकरण

नई दिल्ली। डीयू ने स्नातक पाठ्यक्रमों में मिड एंट्री के माध्यम से दाखिले के लिए सोमवार से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह अवसर उन अभ्यर्थियों के लिए है, जिन्होंने अब तक कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस-यूजी 2026) के तहत आवेदन नहीं किया था या किसी कारणवश पहले चरण में शामिल नहीं हो सके थे। यह प्रक्रिया पांच जुलाई तक चलेगी। विश्वविद्यालय के अनुसार, मिड एंट्री विंडो के माध्यम से नए अभ्यर्थी सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण कर अपनी पसंद के कॉलेजों और पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। इस दौरान निर्धारित मिड एंट्री शुल्क भी जमा करना होगा।

एनएसयूआई कार्यकताओं ने जंतर-मंतर की ओर किया मार्च, कई कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के हजारों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में छात्र न्याय मार्च निकाला। यह मार्च जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कथित हिंसा, पैलेट गन के इस्तेमाल और पुलिस कार्रवाई के विरोध में आयोजित किया गया। मार्च एनएसयूआई के राष्ट्रीय कार्यालय से शुरू होकर जंतर-मंतर की ओर बढ़ा। इस दौरान छात्रों और कार्यकर्ताओं ने न्याय और जवाबदेही की मांग को लेकर नारे लगाए। मार्च को रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और रास्ते में बैरिकेडिंग की गई। इस दौरान एनएसयूआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया गया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी निंदा की। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए छात्रों के साथ हुए व्यवहार के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। विनोद जाखड़ ने कहा कि छात्र इस देश का भविष्य हैं, अपराधी नहीं। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठा रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस बल, पैलेट गन, बैरिकेडिंग और हिरासत का इस्तेमाल पूरी तरह अस्वीकार्य है। छात्रों की आवाज दबाने की हर कोशिश हमारे संघर्ष को और मजबूत करेगी। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा वाराणसी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर की भी कड़ी निंदा की।

हिंदू राव अस्पताल में इलाज होगा और बेहतर

नई दिल्ली। एमसीडी के हिंदू राव अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण व स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू होने से नेत्र, महिला, बाल व सर्जरी से जुड़े मरीजों को बेहतर, त्वरित व गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा। नेत्र विभाग में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी), विजुअल फील्ड एनालाइजर, फंडस कैमरा, फेको इमल्सिफिकेशन मशीन व क्रायोएब्लेटर लगाए गए हैं, जिससे ग्लूकोमा, रेटिना व मोतियाबिंद की जांच अधिक सटीक होगी। सर्जरी विभाग को लैप्रोस्कोपी सिस्टम, न्यूमेटिक लिथोट्रिप्टर व सी-आर्म मशीन से सुसज्जित किया गया है, जिससे कम चीरे वाली सर्जरी प्रभावी होगी, दर्द घटेगा व अस्पताल में भर्ती अवधि कम होगी। महिलाओं व नवजातों के लिए अत्याधुनिक लेबर रूम व सीटीजी मशीन शुरू की गई है, जिससे प्रसव के दौरान मां व शिशु की बेहतर निगरानी होगी। बच्चों के लिए पीडियाट्रिक स्पाइरोमीटर व फिजियोथेरेपी विभाग में आधुनिक जिम व पुनर्वास सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

इलेक्ट्रो मैग्नेटिक थेरेपी से दूर होगा घुटनों और गर्दन का दर्द

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्ट्रोक, कमर व गर्दन दर्द, घुटने की चोट से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) में हाई इंटेंसिटी फोकस्ड इलेक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड थेरेपी सुविधा की शुरूआत हो गई है। इसके लिए अस्पताल में खास मशीन को स्थापित किया गया है। इस थेरेपी की मदद से बिना किसी ऑपरेशन या दर्दनाक प्रक्रिया के मांसपेशियों और नसों को फिर से सक्रिय किया जा सकेगा। साथ ही ऐसे बुजुर्ग जिनकी चाल में असंतुलन देखने को मिलता है उसको भी थेरेपी की मदद से दूर किया जा सकेगा। अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग की प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि यह थेरेपी बिना किसी ऑपरेशन के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ऊर्जा की मदद से शरीर की गहरी मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इससे मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है। शरीर का संतुलन बेहतर होता है। मरीज जल्दी सामान्य गतिविधियां करने में सक्षम हो सकते हैं। यह तकनीक कुछ ही मिनटों में हजारों बार मांसपेशियों को ऐसे सिकोड़ती है जो सामान्य व्यायाम से मुमकिन नहीं है। थेरेपी की सुविधा मरीजों के लिए निशुल्क इस सुविधा का लाभ स्ट्रोक से उबर रहे मरीजों, लंबे समय से कमर दर्द से पीड़ित, ऑर्थोपेडिक सर्जरी के बाद रिकवरी कर रहे मरीजों, खेल संबंधी चोटों, घुटने की समस्याओं, उम्र के साथ होने वाली मांसपेशियों की कमजोरी और पेल्विक फ्लोर डिसफंक्शन से जूझ रहे मरीजों को मिलेगा। साथ ही मरीजों को पारंपरिक इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन की असुविधा के बिना बेहतर उपचार मिल सकेगा। थेरेपी की सुविधा मरीजों को सोमवार से शनिवार सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक मिलेगी।

बिजी ने लॉन्च किया बिजी मैजिक, भारत के एमएसएमई के लिए एआई आधारित अकाउंटिंग प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। इंडियामार्ट की सहायक कंपनी और बिजी (BUSY) अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की डेवलपर बिजी इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने आज बिजी मैजिक लॉन्च किया। यह एआई आधारित बिजनेस मैनेजमेंट और अकाउंटिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अकाउंटिंग, बिलिंग, इन्वेंट्री, जीएसटी और बिजनेस रिपोर्टिंग को सरल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। देशभर में छह लाख से अधिक कारोबारों के साथ काम करने के अनुभव के आधार पर तैयार किए गए बिजी मैजिक में आधुनिक यूजर इंटरफेस, तेज ऑनबोर्डिंग, एआई आधारित ऑटोमेशन और आसान वर्कफ्लो जैसी सुविधाएं दी गई हैं। यह पहली बार अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर अपनाने वाले कारोबारों के साथ-साथ तेजी से बढ़ रहे व्यवसायों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह प्लेटफॉर्म कारोबारियों को एक ही डैशबोर्ड पर बिक्री, खरीद, नकदी और बैंक की स्थिति, लेनदारों व देनदारों, स्टॉक की स्थिति, कम स्टॉक वाले उत्पादों, लंबित ऑर्डर, चालान, ई-वे बिल और ई-इनवॉइस जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां देखने की सुविधा देता है। इसे रिटेलर, डिस्ट्रीब्यूटर, थोक व्यापारी, निमार्ता, ट्रेडर और सेवा क्षेत्र से जुड़े छोटे एवं मध्यम कारोबारों के लिए विकसित किया गया है। खास तौर पर यह उन व्यवसायों के लिए उपयोगी है, जो मैनुअल रिकॉर्ड, स्प्रेडशीट या अलग-अलग सिस्टम से डिजिटल और एकीकृत व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहते हैं। बिजी इंफोटेक के सीईओ बृजेश अग्रवाल ने कहा, कई छोटे कारोबारों के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर अपनाना डिजिटल बदलाव की दिशा में पहला बड़ा कदम होता है। बिजी मैजिक को इसी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए विकसित किया गया है।

इनाल्सा ने 7 साल की मोटर वारंटी के साथ ट्राइटन 900 मिक्सर-फूड प्रोसेसर लॉन्च किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। टॉरस ग्रुप के भारत के प्रमुख किचन अप्लायंस ब्रांड्स में से एक, इनाल्सा ने अपने एप्लायंस पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नया ट्राइटन 900 मिक्सर ग्राइंडर और फूड प्रोसेसर लॉन्च किया है। भारतीय रसोई में भारी काम को ध्यान में रखकर बनाए गए इस अप्लायंस में 900 वाट की 100% कॉपर की मोटर दी गई है, जिस पर 7 साल की वारंटी मिल रही है। ज्यादा काम के लिए डिजाइन किया गया ट्राइटन 900 लगातार 45 मिनट तक पिसने का काम कर सकता है। यह बिना गर्म हुए या बिना किसी दबाव के कड़े सूखे मसाले पीसने, इडली का गाढ़ा बैटर तैयार करने और भीगे हुए चावल पीसने जैसे मुश्किल काम आसानी से कर लेता है। कॉपर गर्मी को बेहतर तरीके से बाहर निकालता है, इसलिए मोटर पर दबाव कम पड़ता है और यह लंबे समय तक चलती है। रसोई में जगह की कमी को देखते हुए, इसमें मुख्य मोटर बेस के साथ ही 1.5 लीटर का फूड प्रोसेसिंग अटैचमेंट जोड़ा गया है। इस एक ही मशीन की मदद से आप आटा गूंथने, काटने, स्लाइस करने, घिसने, फेंटने और जूस निकालने जैसे काम कर सकते हैं। इसके बाद आपको अलग से फूड प्रोसेसर खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लॉन्च के अवसर पर इनाल्सा के सीईओ, श्री जितेंद्र चौहान ने कहा, हमारा मकसद मिक्सर ग्राइंडर को नए सिरे से बनाना नहीं था, बल्कि उस हिस्से को ठीक करना था जो असल में खराब होता हैः यानी उसकी मोटर। कॉपर की मोटर ज्यादातर ब्रांड्स द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एल्युमीनियम या हाइब्रिड मोटर से महंगी होती है, लेकिन यह कम गर्म होती है और लंबे समय तक चलती है। यही वजह है कि हम ट्राइटन 900 की मोटर पर 7 साल की वारंटी दे पा रहे हैं, जो इस सेगमेंट में आम बात नहीं है। फूड प्रोसेसिंग की बात करें तो हमारे पास पहले से ही मार्केट में फूड प्रोसेसर्स की पूरी रेंज मौजूद है, लेकिन कई परिवारों ने हमसे कहा कि वे सिर्फ आटा गूंथने या सब्जियां काटने के लिए अलग से मशीन खरीदकर रखना नहीं चाहते। ट्राइटन 900 इसी जरूरत को समझते हुए बनाया गया हैः यह एक ऐसा अप्लायंस है जो बेहतरीन पिसाई भी करता है और रसोई में अलग से जगह घेरे बिना फूड प्रोसेसिंग के काम भी निपटा देता है। ट्राइटन 900 का मुख्य हिस्सा इसकी 900 वाट की मोटर है, जिसमें 100% कॉपर वाइंडिंग और कॉपर-सिंटर्ड बुश दिए गए हैं। इसे भारी काम के दौरान भी लगातार 45 मिनट तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। आप 3-स्पीड एडजस्टेबल डायल और अलग से दिए गए पल्स फंक्शन की मदद से स्पीड और पिसाई को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं।

मकान की छत गिरी, मलबे में दबे दंपती की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में एक मकान की छत गिरने से किराए पर रह रहे दंपती की मौत हो गई। वहीं घर के बाहर होने की वजह से नौ साल का बेटा बाल बाल बच गया। मृतकों की शिनाख्त 32 साल के टिंकू और उसकी पत्नी 30 साल की उर्मिला के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे दंपती को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि दो अगस्त की रात 10.30 बजे जेपी नगर की गली नंबर-2 में एक मकान की छत गिरने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक मंजिला मकान की छत भरभराकर गिर गई थी। पूछताछ में पता चला कि स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे किरायेदार टिंकू और उनकी पत्नी उर्मिला को निकालकर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गए हैं।

डीयू के दो महिला कॉलेज को 12वीं के अंक के आधार पर दाखिला की अनुमति

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दो महिला कॉलेज अदिति महाविद्यालय और भगिनी निवेदिता कॉलेज को डीयू ने दो आवंटन सूची के बाद ही 12वीं के अंक के आधार पर दाखिला देने का निर्णय लिया है। डीयू से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन कॉलेजों में कुल सीटों की संख्या के लगभग 10 फीसद दाखिला ही हो पाया है। अदिति कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.नीलम राठी ने बताया कि हमारे यहां लगभग एक हजार सीटें हैं लेकिन लगभग 100 छात्राओं ने ही दाखिला लिया है। ऐसे में हमने डीयू से 12वीं के अंक के आधार पर दाखिला की अनुमति ली है। सीयूईटी आने के बाद हमारे यहां पिछले वर्षों में लगभग 40 फीसद सीटें भर पाती हैं। ऐसे में हम लोग यहां के आस पास के 45 सरकारी स्कूलों में लाकर 12वीं के बच्चियों को अपने कॉलेज में 12वीं के अंक के आधार पर दाखिला लेने के लिए कहते हैं। इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। बवाना क्षेत्र में जब कॉलेज बना तब यहां की छात्राओं को दाखिला देना भी प्राथमिकता थी लेकिन हॉस्टल व सुविधाओं के अभाव के कारण यहां कम संख्या में छात्राएं दाखिला लेती हैं। यहां की छात्राओं को जानकारी का भी अभाव है। जागरूकता और आर्थिक दिक्कतों के कारण यहां सरकारी स्कूल में 90 फीसद अंक पाने वाली छात्रा भी सीयूईटी का फार्म नहीं भरी है।

संपत्ति का चक्रव्यूहः पत्नी की हत्या कर भागा पति मथुरा से गिरफ्तार, 12.75 लाख बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

12.75 लाख बरामद

आरोपी कमल सिंह (फाइल फोटो)

शाहदरा जिले के जगतपुरी इलाके में संपत्ति विवाद ने ऐसा खूनी चक्रव्यूह रचा कि एक पति ने अपनी ही पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया, लेकिन शाहदरा पुलिस ने तकनीकी निगरानी और सटीक रणनीति के बल पर उसे मथुरा रेलवे स्टेशन के पास से दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से 12.75 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पूरी कार्रवाई संयुक्त पुलिस आयुक्त अजीत कुमार सिंगला के मार्गदर्शन और शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा के निर्देशन में अंजाम दी गई। 30 जुलाई को बेटे की सूचना ने इस सनसनीखेज वारदात का पदार्फाश किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां घर के ड्राइंग रूम में सोफे के पास खून से लथपथ महिला का शव मिला। पास ही पड़ी खून सनी कैंची को हत्या का हथियार माना गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घटना से पहले पति-पत्नी के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर तीखा विवाद चल रहा था, जिसे दोनों बच्चों ने घर से निकलते समय देखा था। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य, तकनीकी सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। फुटेज में स्पष्ट हुआ कि बच्चों के जाने के बाद घर में केवल पति-पत्नी ही मौजूद थे। कुछ ही देर बाद महिला की चीख सुनाई दी और आरोपी को बैग में कुछ छिपाकर घर से निकलते देखा गया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी फरार होने से पहले अपने खातों से लाखों रुपये निकाल चुका था और नेपाल भागने की योजना बना रहा था, लेकिन पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने रास्ता बदलकर मथुरा की ओर रुख कर लिया। लगातार पीछा और सटीक तकनीकी इनपुट के आधार पर पुलिस ने आरोपी कमल सिंह को मथुरा रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि लंबे समय से चल रहे संपत्ति विवाद के कारण उसने पहले से योजना बनाकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। उसने सबूत मिटाने के लिए हथियार छिपाने और जांच को भटकाने की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस की सक्रियता के आगे उसकी सारी चालें नाकाम हो गईं। इस कार्रवाई ने एक सनसनीखेज हत्या के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए आरोपी को कानून के शिकंजे तक पहुंचा दिया है, जबकि मामले की आगे की जांच जारी है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर VFS Global के कर्मचारियों का सराहनीय योगदान, 200 लीटर से अधिक रक्तदान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारत में 400 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लेकर 160 लीटर से अधिक रक्तदान किया। सरकारों और नागरिकों के लिए सुरक्षित गतिशीलता (Secure Mobility) को सशक्त बनाने वाली विश्व की अग्रणी विश्वसनीय प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता कंपनी VFS Global ने विश्व रक्तदाता दिवस 2026 के अवसर पर विश्वभर के 18 शहरों, जिनमें भारत के 14 शहर शामिल हैं, में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इन अभियानों में 500 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया और कुल 212 लीटर रक्तदान किया। यह पहल Champions of Change, VFS Global के कर्मचारी स्वयंसेवी कार्यक्रम, के अंतर्गत आयोजित की गई। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष 14 जून को मनाए जाने वाले विश्व रक्तदाता दिवस के आयोजन के अनुरूप था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के नेतृत्व में मनाया जाने वाला यह दिवस नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने, जीवन बचाने में रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा दुनिया भर में रक्तदान प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने का संदेश देता है। स्थानीय ब्लड बैंकों के सहयोग से आयोजित इन समन्वित रक्तदान अभियानों के माध्यम से कर्मचारियों ने स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सहयोग प्रदान किया तथा शल्य चिकित्सा, आपातकालीन उपचार और दीर्घकालिक चिकित्सीय स्थितियों के उपचार के लिए आवश्यक रक्त एवं रक्त उत्पादों की निरंतर मांग को पूरा करने में अपना योगदान दिया। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए VFS Global, साउथ एशिया, की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर युम्मी तलवार, ने कहा कि VFS Global में हमारा विश्वास है कि सार्थक सामाजिक परिवर्तन की शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति के प्रयास से होती है। हमारे कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी उन मूल्यों और प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिनके माध्यम से हम उन समुदायों का समर्थन करते हैं जहाँ हम रहते और कार्य करते हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

गुरुग्राम की रोजेलिया सोसाइटी में मेंटेनेंस चार्ज बढ़ोतरी पर हंगामा

बिना सूचना 40 लाख काटे, बिल्डर और मेंटिनेंस एजेंसी की मनमानी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में सेक्टर 95 स्थित सिग्नेचर ग्लोबल रोजेलिया अफोर्डेबल हाउसिंग सोसाइटी के रेजिडेंट्स ने मेंटिनेंस चार्ज अचानक बढ़ाए जाने पर हंगामा कर दिया। बड़ी संख्या में रेजिडेंट्स ने बिल्डर और सोसाइटी मेंटिनेंस एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी की और पुलिस बुला ली। रोष प्रदर्शन कर रहे रेजिडेंट्स ने आरोप लगाया कि प्रबंधन द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुए बिना किसी पूर्व सूचना, बिना किसी आम बैठक और बिना कोई वित्तीय हिसाब-किताब दिए सोसाइटी ऐप के जरिए सीधे निवासियों के खातों से 4 महीने का मेंटेनेंस चार्ज काट लिया गया।

40 लाख की भारी-भरकम राशि वसूली

प्रदर्शनकारी निवासियों ने बताया कि प्रबंधन ने बिना किसी सहमति के प्रति फ्लैट लगभग 3 हजार की राशि एकमुश्त काट ली है। सोसाइटी में कुल 1,532 परिवार रहते हैं, जिसका सीधा मतलब है कि बिल्डर प्रबंधन ने अवैध रूप से पूरी सोसाइटी से करीब 40 लाख की भारी-भरकम राशि वसूल ली है। निवासियों का कहना है कि यह एक ह्यअफोर्डेबल हाउसिंगह्न सोसाइटी है, जहां मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के लोग रहते हैं। इस तरह एकसाथ 3 हजार का अतिरिक्त बोझ डालना सीधे तौर पर उनका आर्थिक शोषण है।

डीटीसीपी के आदेशों का सीधा उल्लंघन

सोसाइटी प्रबंधन ने इस मनमानी बढ़ोतरी का आधार स्टाफ की सैलरी में वृद्धि को बताया है। हालांकि, निवासियों ने इसके खिलाफ पुख्ता कानूनी दस्तावेज पेश किए हैं। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के स्पष्ट आदेशों में साफ तौर पर लिखा है कि कॉलोनी के मैनेजमेंट स्टाफ और इंजीनियरिंग मैनपावर (जैसे प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन आदि) की सैलरी का खर्च बिल्डर को खुद उठाना होगा। इसके अलावा, अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी के क्लॉज 4(५) के तहत, ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिलने के 5 साल बाद तक बिल्डर द्वारा मुफ्त रखरखाव देना अनिवार्य है। रोजेलिया सोसाइटी को 06 मई 2022 को ओसी मिला था, जिसके अनुसार 05 मई 2027 तक मेंटेनेंस का यह भार कानूनन डेवलपर को ही उठाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि नीति के खिलाफ जाकर निवासियों से यह पैसा क्यों वसूला जा रहा है।

पानी की किल्लत और सुरक्षा में लापरवाही

निवासियों ने आरोप लगाया कि मोटी रकम वसूलने के बावजूद सोसाइटी में सुविधाएं पूरी तरह से बदहाल हैं।जीएमडीए द्वारा पानी के कनेक्शन को बदलने के स्पष्ट निर्देश और कई फॉलो-अप के बाद भी प्रबंधन ने आज तक इस पर कोई काम नहीं किया, जिससे सोसाइटी में पानी की किल्लत बनी हुई है। सफाई की हालत बेहद खराब है। सुरक्षा गार्डों को समय पर वेतन न मिलने के कारण वे कई बार हड़ताल पर जा चुके हैं, जिससे 1,532 परिवारों की सुरक्षा भगवान भरोसे हो गई है। [1] बैठक के वादों से मुकरा प्रबंधनः प्रबंधन ने निवासियों के साथ बैठक करने का लिखित वादा कई बार किया। पहले 24 जून 2026, फिर 19 जुलाई 2026 और अंतिम तारीख 2 अगस्त 2026 तय की गई, लेकिन आज तक एक भी बैठक नहीं की गई। पिछले 4 सालों की प्रॉफिट एंड लॉस ऑडिट रिपोर्ट बार-बार लिखित मांग के बावजूद आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। रेजिडेंट्स ने साफ किया कि वे सोसाइटी के गार्ड, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और हाउसकीपिंग स्टाफ के पूरी तरह साथ हैं। वे चाहते हैं कि इन कर्मचारियों को उनका बढ़ा हुआ वेतन और बकाया एक रुपया कम किए बिना मिले। उनका सवाल सिर्फ इतना है कि जब सरकार की नीति कहती है कि यह खर्च डेवलपर को उठाना है, तो इसका बोझ 1,532 अफोर्डेबल हाउसिंग के परिवारों पर क्यों डाला जा रहा है।

27 बार चाकू घोंपकर लेडी टीचर का मर्डर

:फरीदाबाद में स्कूल में घुसा नकाबपोश युवक, छाती-गला, चेहरा बुरी तरह काटा; छेड़छाड़ की शिकायत दी थी

प्रात : किरण संवाददाता

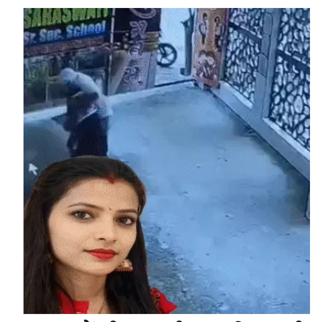

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में सोमवार को दिनदहाड़े एक निजी स्कूल में घुसकर एक युवक ने लेडी टीचर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी के खिलाफ कुछ दिन पहले लेडी टीचर ने छेड़खानी की शिकायत दर्ज कराई थी। उस वक्त को आरोपी ने सबके सामने माफी मांग ली थी। मगर, इस बात से वह लेडी टीचर से रंजिश रखने लगा था। सोमवार को युवक स्कूल में घुसा और लेडी टीचर पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक लेडी टीचर पर लगातार वार करता दिखाई दे रहा है। टीचर बचने की कोशिश करती है, लेकिन वह उसे पकड़कर चाकू मारता ही जा रहा है। बचने के चक्कर में टीचर जमीन पर गिर जाती है, लेकिन आरोपी उसके ऊपर बैठकर वार करता रहता है। वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति उसे बचाने के लिए आगे बढ़ता है, लेकिन हमलावर उसे गालियां देकर पीछे हटा देता है। टीचर के छाती, पेट, गले और चेहरे पर करीब 27 वार करता है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। स्कूल में सरेआम हुई इस वारदात से स्कूल में दहशत मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शाम को पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया, जिससे पूछताछ की जा रही है।

यहां सिलसिलेवार ढंग से जानिए पूरा मामला

बल्लभगढ़ की रहने वाली, सिकरोना में पढ़ाती थीं : मृतका की पहचान संध्या निवासी डबूआ बल्लभगढ के रूप में हुई। वर्तमान में वह पति के साथ फिरोजपुर कला में रह रही थी और गांव सिकरोना स्थित सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में टीचर थीं। सोमवार सुबह वह रोज की तरह स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के लिए पहुंची थीं। नकाब पहनकर पहुंचा, टीचर से मिलने को कहाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूल खुलने के कुछ देर बाद ही युवक अमित निवासी कोट गांव मुंह पर कपड़ा बांधकर स्कूल पहुंचा और उसने टीचर से मिलने की बात कही। स्कूल स्टाफ ने संध्या को इसकी जानकारी दी। जैसे ही वह स्कूल के मुख्य गेट पर अमित से मिलने पहुंचीं, आरोपी ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

फरीदाबाद पुलिस ने बिट्टू बजरंगी को किया हाउस अरेस्ट

नूंह जलाभिषेक यात्रा में शामिल होने की नहीं अनुमति; बोले- मुझसे आतंकियों जैसा बर्ताव

प्रात : किरण संवाददाता

नूंह। हिंसा के आरोपी राजकुमार पांचाल उर्फ बिट्टू बजरंगी को पुलिस ने घर पर हाउस अरेस्ट कर लिया है। वह आज नूंह में शिव मंदिर पर जल चढ़ाने के लिए जाने वाले थे, लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा उसको परमिशन नहीं दी गई है। देर रात से ही पुलिस की एक टुकड़ी उनके घर के बाहर तैनात कर दी गई। बता दें कि साल 2023 में नूंह में 31 जुलाई को नल्हड़ महादेव मंदिर पर जलाभिषेक यात्रा के दौरान दो समुदाय के बीच में हिंसा हो गई थी। इस दौरान उपद्रवियों ने पथराव, आगजनी और फायरिंग की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसमें 6 लोगों की मौत हुई थी। जिनमें 2 होमगार्ड शामिल थे। नूंह हिंसा से जुड़े 100 से अधिक मामलों में कुल 595 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बिट्टू बजरंगी ने कहा कि इस देश में किसी को कही भी जाकर पूजा करने का हक है, लेकिन प्रशासन को केवल बिट्टू बजरंगी दिखाई देता है। उसको नूंह में घुसने नहीं दिया जा रहा है। वह भी इस देश का ही रहने वाला है, लेकिन पुलिस द्वारा उसके साथ ऐसा बर्ताव किया जा रहा है, जैसे वह कोई आतंकवादी हो। रात के 11 बजे से ही पुलिस उसके घर पर पहुंच गई और उसको हाउस अरेस्ट किया हुआ है।

मामन खान पर निशाना साधा

नूंह जिले की फिरोजपुर झिरका विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक मामन खान को लेक बिट्टू बजरंगी ने कहा कि वो आज भी नूंह में बैठा है, लेकिन उसका देश निकाला नही हो रहा है। उनको हर बार जाने से रोक दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नही है, जब भारत में नेपाल और बंगाल जैसे हालात हो जाएंगे।

गुरुग्राम में बिजली निजीकरण का विरोध तेज

11 से 13 अगस्त तक हड़ताल की चेतावनी, बोले-निजी हाथों में नहीं जाने देंगे सरकारी बिजली

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (HSEB) डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने बिजली क्षेत्र में निजीकरण की सरकारी नीतियों और प्रस्तावित एग्री डिस्कॉम का विरोध किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु धनखड़ ने गुरुग्राम में संवाददाताओं से बातचीत में यह जानकारी दी। धनखड़ ने बताया कि राज्य सरकार 11 पावर प्राइवेट लिमिटेड जैसी निजी कंपनियों को समानांतर लाइसेंसिंग और बिजली बेचने की अनुमति देने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दशकों से जनता के पैसे और मेहनत से खड़ा किया गया अरबों रुपए का सरकारी ढांचा निजी घरानों के मुनाफे के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा।

प्रदेश में 3 दिवसीय हड़ताल की चेतावनी

एसोसिएशन ने ट्यूबवेल उपभोक्ताओं को अलग करके नई कंपनी बनाने के फैसले को आम उपभोक्ताओं और किसानों के लिए ह्यस्वीट पॉइजनह्न करार दिया। उनका कहना है कि यह कदम किसानों और सामान्य उपभोक्ताओं के हितों के खिलाफ है। एसोसिएशन ने अपने आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि इस अभियान की शुरूआत गुरुग्राम के चीफ इंजीनियर (दिल्ली जोन) के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर की गई है। इसके बाद संगठन की टीम राज्य भर में कैबिनेट मंत्रियों और सरकार के प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्तियों से अवगत कराएगी। अभिमन्यु धनखड़ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और उपभोक्ताओं की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया और बातचीत के जरिए समाधान नहीं निकाला, तो 11, 12 और 13 अगस्त को पूरे प्रदेश में 3 दिवसीय हड़ताल की जाएगी।

शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर एंट्री हो सुनिश्चितः हितेंद्र कुमार

-एसडीएम हितेंद्र कुमार ने सुनीं शिकायतें, अधिकतर का मौके पर निपटारा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम हितेंद्र कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न समस्याओं का सरल और समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना है। शिविर में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य मामलों की सुनवाई की गई और अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया। शिविर के दौरान कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिन मामलों का तुरंत समाधान संभव नहीं था, उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकरण को दोबारा खोलने की आवश्यकता न पड़े। एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है, जिससे लोगों को पारदर्शी सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं।

गुरुग्राम में मोनू मानेसर को जान से मारने की धमकी

कॉलर ने पाकिस्तानी शहजाद भट्टी गैंग से जुड़ा होने का दावा किया; बोला-बम से उड़ा दूंगा

प्रात : किरण संवाददाता

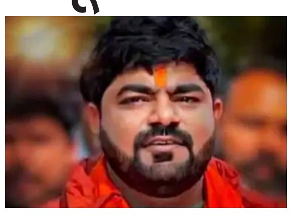

गुरुग्राम । के गोरक्षक मोनू मानेसर को इंस्टाग्राम ऑडियो कॉल के जरिए कथित रूप से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाले ने खुद को सैफ अली खान बताते हुए पाकिस्तान से संचालित शहजाद भट्टी गैंग से जुड़ा होने का दावा किया। मोनू मानेसर ने ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ मानेसर थाना पुलिस को लिखित शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायत के अनुसार, 1 अगस्त को धमकी भरी कॉल मोनू मानेसर के भाई रोहित के इंस्टाग्राम अकाउंट पर आई। रोहित ही मोनू का इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित करता है। कॉल करने वाले ने बातचीत के दौरान मोनू मानेसर को 100 गोलियां मारने और बम से उड़ाने की धमकी दी। मोनू मानेसर ने शिकायत में बताया कि उनके भाई ने कॉल करने वाले से उसका पता पूछने की कोशिश की, लेकिन उसने बार-बार मोनू मानेसर और उनके सहयोगी पिंकी चौधरी को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने खुद को पाकिस्तानी गैंग से जुड़ा बताते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

मोनू मानेसर हाल ही में जमानत पर बाहर आया

मोनू मानेसर हाल ही में राजस्थान की जेल से जमानत पर रिहा हुए है। उन पर फरवरी 2023 में दर्ज जुनैद और नासिर डबल मर्डर मामले में आरोप हैं। फिलहाल मामला न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत और उपलब्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है। तथ्यों के सत्यापन के बाद कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम के पालम विहार में RWA की मीटिंग में हंगामा

गाली-गलौज और हाथापाई हुई; नवगठित जरनल बॉडी के खिलाफ याचिका को लेकर भड़के रेजिडेंट्स

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । की पॉश कॉलोनी पालम विहार के जे-ब्लॉक में आरडब्ल्यूए की बैठक के दौरान हंगामा खड़ा हो गया। विवाद इस कदर बढ़ गया कि दो पक्षों के बीच गाली-गलौज और हाथापाई की नौबत आ गई। पालम विहार जे-ब्लॉक की नवगठित आरडब्ल्यूए बॉडी के खिलाफ शिकायतकर्ता पक्ष ने दोबारा जिला रजिस्ट्रार के पास शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिला रजिस्ट्रार ने कॉलोनी के प्रबंधन के लिए एक एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया। हालांकि एडमिनिस्ट्रेटर पीके बंसल के सामने सभी रेजिडेंट्स और नवनियुक्ति पदाधिकारियों ने जब अपना पूरा पक्ष रखा तो उन्होंने खुद ही हैंडओवर लेने से मना कर दिया और कहा कि जब तक सोसाइटी का केस रजिस्ट्रार जरनल के पास पेंडिंग है, तब तक मैं कोई कार्य नहीं कर पाऊंगा। इतना कहकर वे उठ कर चले गए थे। वहीं जिन एडमिस्ट्रेटर कमांडर सत्यवीर सिंह ने चुनाव करवाया, उन्होंने कहा कि इलेक्शन नियमों के तहत करवाया गया है और इसे साइट पर अपलोड भी कर दिया गया, लेकिन 29 मई की शाम को ही ऑब्जेक्शन कर दिया। इससे पहले 7 मई 2023 इलेक्शन हुआ और 16 जून 2023 को जिला रजिस्ट्रार ने अप्रूव कर दिया, लेकिन उसी दिन शाम को ऑब्जेक्शन कर दिया गया था। दरअसल पूर्व प्रेजीडेंट और शिकायतकर्ता जेपी वत्स मीटिंग में पहुंचे, तो पदाधिकारियों ने उसकी कंप्लेंट की कॉपी रेजिडेंट्स को दिखाई, जिस पर वह भड़क गए और मौके पर ही गाली-गलौच करने लगे। रेजिडेंट्स पहले से उनसे खफा थे, क्योंकि उन्होंने वोटर लिस्ट नहीं बनने दी और न ही कभी हिसाब-किताब दिया और कोई हिसाब किताब मांगता था, तो वह झगड़ा करता था। नियमों के तहत बनी गवर्निंग बॉडी, अब अप्रूवल नहीं दी जा रही सनराइज वेलफेयर एसोसिएशन के नवनियुक्त प्रेजीडेंट शेखर तनेजा ने बताया कि 29 मई 2026 को सोसाइटी एक्ट के तहत उनका चुनाव सम्पन्न हुआ और गवर्निंग बॉडी बना दी गई, लेकिन काम में बाधा डालने वाले लोगों ने रजिस्ट्रार के पास याचिका डाल दी। जिसके बाद उनकी कार्यकारिणी को अप्रूवल नहीं दी जा रही है। जो हंगामा कर रहे, वे मैंबर भी नहीं ये जो लोग हंगामा कर रहे हैं, वे मैंबर भी नहीं है और जब ये लोग गवर्निंग बॉडी में थे, तो इन्होंने खूब भ्रष्टाचार किया था। इन्होंने रेजिडेंट्स से पेमेंट तो ले ली, लेकिन रसीद तक नहीं दी।

प्रेमानंद महाराज के लिए दंडवत कांवड़ यात्रा

फरीदाबाद का युवक जॉर्डन से नौकरी छोड़कर आया; बोला- गुरुजी को गंगाजल से स्नान कराऊंगा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । के सरूरपुर गांव के 28 वर्षीय रमन की अनोखी दंडवत कांवड़ यात्रा चर्चा में है। हाल ही में जॉर्डन की नौकरी छोड़कर भारत लौटे रमन हरिद्वार से 4 लीटर गंगाजल से भरा कलश लेकर दंडवत करते हुए वृंदावन की ओर बढ़ रहे हैं। रमन ने बताया कि यह यात्रा वह प्रेमानंद महाराज के अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए कर रहा है। उसकी इच्छा है कि वृंदावन पहुंचकर वह गंगाजल से प्रेमानंद महाराज का स्नान कराए। करीब 350 किलोमीटर लंबी यह दंडवत यात्रा 22 जुलाई को हरिद्वार से शुरू हुई थी। कई दिनों की कठिन सफर के बाद रमन अब फरीदाबाद पहुंच चुका है। इस पूरी यात्रा में उसके साथ दो भाई और तीन दोस्त भी हैं। छह लोगों की टीम हर कदम पर उसकी सेवा और सहयोग कर रही है।

5 साल जॉर्डन में की नौकरी

रमन ने 10वीं तक पढ़ाई की है। फरीदाबाद में एक्सपोर्ट कंपनी में काम किया। फिर करीब पांच साल पहले जॉर्डन चला गया। वहां एक्सपोर्ट कंपनी में कोऑर्डिनेटर की नौकरी की। 45 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन था। परिवार में माता-पिता, चार भाई और एक बहन हैं। वह सबसे छोटा है। उसके पिता बदरपुर बॉर्डर पर सिक्योरिटी गार्ड हैं। 3 साल पहले प्रेमानंद महाराज के प्रवचन सुनने शुरू किए करीब तीन साल पहले उसने ऑनलाइन प्रेमानंद महाराज के प्रवचन सुनने शुरू किए। धीरे-धीरे वह उनसे जुड़ता चला गया। वह रोजाना तीन से चार घंटे तक नियमित रूप से उनके प्रवचन सुनता था। जब उसे प्रेमानंद महाराज के खराब स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिली तो उसने उनके लिए दंडवत कांवड़ यात्रा करने का संकल्प लिया। इसके लिए उसने नौकरी छोड़ दी। 21 अप्रैल को जॉर्डन से भारत लौटा।

पहले भी 12 कांवड़ ला चुका, दंडवत पहली

रमन ने बताया कि भारत लौटने के बाद भी वह नियमित रूप से प्रवचन सुनता रहा। इससे पहले वह 12 बार अलग-अलग प्रकार की कांवड़ ला चुका है, लेकिन दंडवत कांवड़ यात्रा पहली बार कर रहा है। शुरूआत में उसने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी थी। बाद में पता चलने पर परिवार ने उसका साथ दिया।

अब रोजाना 8 किलोमीटर तय कर रहा सफर

रमन ने बताया कि शुरूआत में वह रोज करीब पांच किलोमीटर चलता था, लेकिन अब प्रतिदिन करीब आठ किलोमीटर की दूरी तय कर रहा है। उसके साथ भाई सोनू और कुंदन भी यात्रा कर रहे हैं। तीन अन्य साथी उसके दोस्त हैं। सभी लोग रास्ते में खाना बनाने का सामान अपने साथ लेकर चल रहे हैं।

आज तक प्रेमानंद महाराज से नहीं मिला

रमन ने बताया कि वह अब तक कभी प्रेमानंद महाराज से नहीं मिला, क्योंकि जब से वह उनके प्रवचन सुनने लगा, तब से विदेश में ही था। उसे विश्वास है कि वृंदावन पहुंचने पर उसकी मुलाकात महाराज से जरूर होगी। वह उन्हें गंगाजल से स्नान कराना चाहता है। यही उसके जीवन की सबसे बड़ी इच्छा है।

हरियाणा में ट्रैफिक व्यवस्था पर उठाए सवाल

रमन ने बताया कि उत्तर प्रदेश में यात्रा के दौरान पुलिस की ओर से अच्छे इंतजाम मिले। हालांकि कालिंदी कुंज के रास्ते हरियाणा में प्रवेश करने के बाद फरीदाबाद में भारी ट्रैफिक के कारण आगे बढ़ने में परेशानी हुई। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और उसके साथियों को खुद रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ना पड़ा।

22 से 24 अगस्त तक जिले में होंगे क्रिकेट, लॉन टेनिस, बैडमिंटन व शतरंज के मुकाबले

गुरुग्राम। हरियाणा माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, पंचकूला ने सत्र 2026-27 की 59वीं राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का आधिकारिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इस बार प्रतियोगिताओं में तीन नए खेल वुशू, मॉडर्न पेंटाथलॉन और स्क्वैश को शामिल किया गया है। इसके साथ ही राज्य स्तरीय स्कूली खेलों की कुल संख्या 30 से बढ़कर 33 हो गई है। कैलेंडर के अनुसार 22 से 24 अगस्त तक गुरुग्राम में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। जिले को इस वर्ष तीन प्रमुख खेलों की मेजबानी मिली है। इनमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक वर्ग की क्रिकेट एवं लॉन टेनिस प्रतियोगिताएं, जबकि अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग की शतरंज और बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। तीन दिवसीय इस आयोजन में प्रदेश के सभी जिलों से सैकड़ों खिलाड़ी भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। सहायक शिक्षा अधिकारी (खेल) जगदीश अहलावत ने बताया कि निदेशालय की ओर से प्रतियोगिताओं की तिथियां घोषित कर दी गई हैं और गुरुग्राम को क्रिकेट, लॉन टेनिस तथा शतरंज की राज्य स्तरीय स्पधार्ओं की मेजबानी सौंपी गई है। निदेशालय ने प्रतियोगिताओं के लिए कड़े दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। सभी खिलाड़ियों के लिए आयु सत्यापन परीक्षण (एवीटी), नगर निगम अथवा स्थानीय निकाय द्वारा जारी कम से कम पांच वर्ष पुराना जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एसएलसी) तथा अंक तालिका प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यदि कोई खिलाड़ी दो विद्यालयों में नामांकित पाया गया या उसके दस्तावेज फर्जी मिले, तो संबंधित टीम पर दो वर्ष का प्रतिबंध लगाया जाएगा तथा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि प्रतियोगिताओं की तिथियां एसजीएफआई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, खेल महाकुंभ और एसएटी परीक्षाओं को ध्यान में रखकर तय की गई हैं। इसलिए निर्धारित कार्यक्रम में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा।

जीवन में संतुलन बाहरी साधनों से नहीं बल्कि साधना से आता हैः बीके आशा

-ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने अनिश्चित संसार में आंतरिक संतुलन विषय पर विशेष कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सेक्टर-82 स्थित सेवाकेंद्र द्वारा प्रभात सेलिब्रेशंस में अनिश्चित संसार में आंतरिक संतुलन विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा दीदी ने अपना वक्तव्य दिया। बीके आशा दीदी ने कहा कि आंतरिक संतुलन बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि साधना से आता है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते इस दौर में आध्यात्मिकता ही मनुष्य का च्चा सहारा है, जो हमें आंतरिक रूप से शक्तिशाली बनाती है। राजयोग के अभ्यास से न केवल सकारात्मक परिवर्तन आता है, बल्कि जीवन तनाव और भय से भी मुक्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि आत्मा का मूल स्वरूप शांत है, लेकिन भौतिक आकर्षणों के प्रभाव में आकर इसकी शक्ति क्षीण हो गई है। राजयोग के निरंतर अभ्यास से आत्मा पुनः अपने वास्तविक स्वरूप में लौट आती है। योग से एक ऐसी शक्ति जागृत होती है, जिससे हम कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय उन्हें साक्षी भाव से देखना सीख जाते हैं। इस विशेष अवसर पर अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि बाहरी परिस्थितियां हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, लेकिन अपने विचारों और प्रतिक्रियाओं को सही दिशा देकर मन को शांत और स्थिर रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि हम जैसा सोचते हैं, वैसी ही ऊर्जा अपने संबंधों और वातावरण में प्रवाहित करते हैं। इसलिए, हर परिस्थिति में दोष मढने या चिंता करने के बजाय समाधान, स्वीकार्यता और सकारात्मक संकल्पों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने दिन की शुरूआत शुद्ध और शक्तिशाली विचारों के साथ करने तथा नियमित मेडिटेशन की प्रेरणा दी।

ब्रज मंडल यात्रा में पहुंचे पूर्व मंत्री संजय सिंह

गुरुग्राम में बोले-मेवात की पहचान है हिंदू-मुस्लिम भाईचारा, गंगा-जमुनी तहजीब बनाए रखें

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के सोहना में भाजपा सरकार के पूर्व खेल मंत्री कुंवर संजय सिंह ने ब्रज मंडल यात्रा को लेकर मेवात की साझा संस्कृति और भाईचारे की मिसाल पेश की। उन्होंने कहा कि मेवात हमेशा से हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक रहा है और यहां दोनों समुदाय मिल-जुलकर सामाजिक सौहार्द को मजबूत करते आए हैं। कुंवर संजय सिंह ने कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों से मुस्लिम समाज के लोग भी ब्रज मंडल यात्रा के सफल आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार यह सहयोग मेवात में आपसी विश्वास, सामाजिक एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की मजबूत परंपरा को दशार्ता है। कुंवर संजय सिंह ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि ब्रज मंडल यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का सम्मान किया जाए और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मेवात में ब्रज मंडल यात्रा के स्वागत के लिए हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय पूरी तरह तैयार हैं और सभी मिलकर इस धार्मिक यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने मुस्लिम समाज के मौलवियों एवं विभिन्न धार्मिक संस्थाओं से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जिस प्रकार वे निरंतर प्रशासन का सहयोग करते आ रहे हैं, उसी प्रकार आगे भी शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता बनाए रखने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाते रहें।

पंचायत और आपसी संवाद से सुलझते हैं बड़े विवाद

पूर्व मंत्री ने कहा कि मेवात की सबसे बड़ी विशेषता यहां की सामाजिक एकता है। उन्होंने कहा कि यहां वर्षों से ऐसा भाईचारा कायम है कि बड़े से बड़े विवादों का भी समाधान पंचायत और आपसी संवाद के माध्यम से कर लिया जाता है। यह परंपरा मेवात की पहचान है और देश के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि मेवात में हिंदू और मुस्लिम समुदाय मिलकर सभी प्रमुख त्योहार मनाते हैं। होली और दीपावली के अवसर पर दोनों समुदाय एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बनते हैं, वहीं ईद के पर्व पर भी सभी लोग मिलकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं और उत्सव में शामिल होते हैं। यही सामाजिक समरसता मेवात की वास्तविक पहचान है।

समर्थकों के साथ ब्रज मंडल यात्रा के लिए रवाना हुए संजय सिंह

इस अवसर पर कुंवर संजय सिंह अपने सोहना स्थित कार्यालय से सैकड़ों समर्थकों के साथ ब्रज मंडल यात्रा में शामिल होने के लिए रवाना हुए। प्रस्थान से पूर्व उन्होंने अपने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए शांति, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं का सम्मान करें, प्रशासन का सहयोग करें तथा ऐसा आचरण करें जिससे मेवात की भाईचारे और सौहार्द की परंपरा और अधिक मजबूत हो।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./ क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम व स्थान	दिल्ली डिवीजन में वेसाइड मॉनिटरिंग सिस्टम (HABD और HAHW) के लिए AT पावर सप्लाई की व्यवस्था के तहत 5 kVA/240 V ऑक्सिलरी ट्रांसफॉर्मर लगाने का काम।		
अनुमानित लागत	₹70,18,705.54/-	बयाना राशि	₹1,40,400/-
ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	11.08.2026 (00.00 बजे) से 25.08.2026 (15.00 बजे तक)		
ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	25.08.2026 (15.00 बजे)		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in		

निविदा संख्याः 25-क-वि-नई दिल्ली-2026-27 दिनांकः 03.08.2026

2678/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण), उत्तर रेलवे, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली निम्न लिखित कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	बिजवासन में LHB कोचों के लिए 750V EOG सप्लाई की व्यवस्था से संबंधित इलेक्ट्रिकल कार्य।
2	कार्य समापन अवधि	12 महीने
3	अनुमानित लागत	₹ 5,39,03,497.32/-
4	धरोहर राशि	₹ 10,78,100/-
5	ई–निविदा जमा करने एवं निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 27.08.2026 समय 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 27.08.2026 समय 15:00 बजे खोला जाएगा।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत निविदा सूचना उत्तर रेलवे वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा पत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 13.08.2026 से 27.08.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा पत्र में दिये गये हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

संख्याः 17–वि./ उप मु. वि. अभि./सी/टी/168 दिनांकः 03.08.2026

2677/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक **प्रातःकिरण**

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

सम्पादकीय

नीलेकणी के ऊपर परीक्षा प्रणाली में सुधार का जिम्मा

अजीत द्विवेदी

इंफोसिस के सह संस्थापक और भारत में आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पता नहीं लोगों को याद हो कि न हो, दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जैसे 2026 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद यह कमेटी बनी है वैसे ही 2024 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद वह कमेटी बनी थी। राधाकृष्ण कमेटी ने एक सौ ज्यादा सिफारिशें की थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी 27 सिफारिशें ऐसी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ सिफारिशें आंशिक तौर पर मानी गईं और 57 सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार किया गया। लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? दो साल के बाद फिर पेपर लीक हो गया !राधाकृष्ण कमेटी ने सिफारिश की थी नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगिता परीक्षाएं कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में विषय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद भी पेपर लीक होना जारी है और दूसरी गड़बडियां भी हो ही रही हैं तो इसका अर्थ है कि एकमात्र समस्या यह नहीं है कि एनटीए में विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या संरचनात्मक और व्यवस्थागत है। अगर नंदन नीलेकणी संरचनात्मक समस्याओं को समझ कर उसे ठीक करने का सुझाव देते हैं तब तो ठीक है अन्यथा इसका भी कोई मतलब नहीं होगा। उनके सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे अखिल भारतीय परीक्षा के सिद्धांत को खत्म करने की सिफारिश करेंगे? क्या वे कहेंगे कि एक बार में 24 लाख छात्रों वाली नीट यूजी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या वे यह सिफारिश कर सकते हैं कि मेडिकल में दाखिले की पुरानी व्यवस्था बहाल हो और नीट यूजी की बजाय राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार पहले जैसा दिया जाए? यानी शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जाए। अगर नंदन नीलेकणी की कमेटी नीट समाप्त करने और मेडिकल में दाखिले की परीक्षा का विकेंद्रीकरण करने की सिफारिश नहीं करती है तो उनकी सिफारिशों का स्कोप बहुत सीमित हो जाएगा और तब किसी बड़े सुधार की संभावना कम हो जाएगी। अब सवाल है कि अगर नीट समाप्त करने या नीट जैसी दूसरी अखिल भारतीय परीक्षाएं खत्म करने की सिफारिश नीलेकणी कमेटी नहीं करती है तो उसके पास क्या विकल्प बचेगा? सबसे अच्छा तो यही होगा कि नीट को समाप्त किया जाए। लेकिन अगर सरकार की ओर से कमेटी की सिफारिशों का जो स्कोप तय किया जाएगा यानी जो फ्रेमवर्क दिया जाएगा उसमें पहले ही यह स्पष्ट कर दिया जाए कि नीट की परीक्षा जारी रहेगी तो फिर नीलेकणी कमेटी को नीट को इंजीनियरिंग में दाखिले की परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने की सिफारिश करनी चाहिए। ध्यान रहे अगले साल नीट की परीक्षा जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित होगी और कई पालियों में होगी। हालांकि उसमें प्रश्नपत्रों की कठिनता के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की अलग समस्या आती है। फिर भी कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा पेपर लीक की संभावना को कम करती है। इसके साथ साथ अगर नीट की परीक्षा भी जेईई के तरह दो चरण में हो तो पेपर लीक की संभावना और कम हो सकती है। दो चरण का अर्थ है कि पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा हो और दूसरे चरण में एडवांस परीक्षा हो। पहले चरण में मल्टीपल च्वाइस वाले प्रश्न हों और दूसरे चरण में सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएं। इसके अलावा नीलेकणी कमेटी को मेडिकल की पढ़ाई की फीस को नियमित करने के बारे में भी सुझाव देने चाहिए। अभी मेडिकल की परीक्षा में सबसे ज्यादा प्रश्न पत्र इसलिए लीक होते हैं कि एक बार में परीक्षा होती है और 720 अंकों की परीक्षा में अगर अच्छे अंक आ गए तो देश के प्रीमियम संस्थान में बहुत कम फीस में पढने का मौका मिलता है। अन्यथा निजी कॉलेजों में फीस इतनी ज्यादा है कि लोग स्वाभाविक रूप से पेपर लीक पर पैसा खर्च करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद सरकार इसी वजह से इसे हाई स्टेक यानी बड़े दांव वाली परीक्षा मानती है।

अब समय आ गया है मोबाइल उपयोग बंद दिवस मनाने का

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। मानव सभ्यता ने जितनी तीव्र गति से विकास किया है, उसमें मोबाइल फोन और इंटरनेट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आज मोबाइल केवल बातचीत का माध्यम नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन, मनोरंजन, समाचार, सामाजिक संपर्क और आपातकालीन सेवाओं का भी सबसे बड़ा साधन बन चुका है। वास्तव में यह विज्ञान का एक अद्भुत वरदान है। किन्तु इतिहास साक्षी है कि विज्ञान का प्रत्येक आविष्कार तभी तक वरदान रहता है, जब तक उसका उपयोग विवेक, संतुलन और मयार्दा के साथ किया जाता है। जैसे ही उसका दुरुपयोग या अति-उपयोग आरंभ होता है, वही वरदान धीरे-धीरे अभिशाप का रूप धारण कर लेता है। मोबाइल फोन के साथ भी आज यही स्थिति दिखाई देने लगी है। एक समय था जब मोबाइल केवल आवश्यकता था, लेकिन आज यह जीवनशैली बन चुका है। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल और रात को सोने से पहले अंतिम बार भी मोबाइल। भोजन करते समय, यात्रा करते समय, परिवार के बीच बैठते समय, यहां तक कि पूजा-पाठ और सामाजिक आयोजनों में भी लोगों का ध्यान मोबाइल स्क्रीन पर ही रहता है।धीरे-धीरे यह सुविधा निर्भरता और फिर लत (Addiction) में बदलती जा रही है। आज छोटे-छोटे बच्चे घंटों मोबाइल पर गेम खेल रहे हैं। युवा सोशल मीडिया में डूबे रहते हैं और अनेक वयस्क बिना किसी आवश्यक कारण के बार-बार मोबाइल चेक करते रहते हैं। मनोवैज्ञानिक इसे ह्लनोमोफोबियाह्व (Nomophobia) अर्थात मोबाइल से दूर होने का भय भी मानने लगे हैं। मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याएं सामने आ रही हैं - आंखों की रोशनी पर प्रतिकूल प्रभाव। गर्दन और रीढ़ की हड्डी में दर्द।अनिद्रा एवं नींद की गुणवत्ता में गिरावट। तनाव, चिंता और अवसाद की वृद्धि। स्मरण शक्ति एवं एकाग्रता में कमी। बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव। विश्व स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी स्क्रीन टाइम को सीमित रखने की सलाह देते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मोबाइल ने दूर बैठे लोगों को तो जोड़ दिया, लेकिन एक ही घर में रहने वाले लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी। पहले परिवार भोजन के समय एक-दूसरे से बातें करता था, अब अधिकांश लोग मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। संवाद कम हो रहा है, संवेदनाएं कमजोर हो रही हैं और रिश्तों की गर्माहट धीरे-धीरे कम होती जा रही है। वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग आज दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन चुका है। एक क्षण का ध्यान भटकना जीवनभर का पछतावा बन सकता है। इसी प्रकार पैदल चलते हुए मोबाइल देखने की आदत भी दुर्घटनाओं को बढ़ा रही है। जिस प्रकार ऊर्जा संरक्षण के लिए बिजली बचाओ अभियान चलाए जाते हैं, पर्यावरण संरक्षण के लिए वाहन मुक्त दिवस मनाया जाता है, उसी प्रकार अब मोबाइल उपयोग बंद दिवस अथवा डिजिटल डिटॉक्स डेह्व की आवश्यकता महसूस होने लगी है। इसका उद्देश्य मोबाइल का विरोध करना नहीं होगा, बल्कि उसके विवेकपूर्ण एवं सीमित उपयोग की संस्कृति विकसित करना होगा। मोबाइल उपयोग बंद दिवस क्यों? मनाना उचित होगा इसके उत्तर में मैं कह सकता हूं - यदि वर्ष में एक दिन, सप्ताह में कुछ घंटे अथवा प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल से पूर्ण दूरी बनाई जाए तो - परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय मिलेगा। मानसिक शांति बढ़ेगी। आंखों और मस्तिष्क को आराम मिलेगा। पुस्तक पढ़ने और सृजनात्मक कार्यों के लिए समय मिलेगा।बच्चों का सर्वांगीण विकास बेहतर होगा। सामाजिक रिश्ते मजबूत होंगे।प्रकृति के साथ पुनः जुड़ने का अवसर मिलेगा। परिवार एक दिन बिना मोबाइल के साथ समय बिताए। विद्यालयों में नो मोबाइल आवर आयोजित किया जाए। कार्यालयों में अनावश्यक मोबाइल उपयोग सीमित किया जाए।

नकली धर्मगुरुओं के खिलाफ कार्रवाई करना क्यों आवश्यक है?

इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है। इसीलिए, किसी भी अधिकारी द्वारा धर्म को आपराधिक कृत्यों की आड़ में इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ उठाया गया कोई भी कदम न्याय और कानून के शासन का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि किसी के धर्म पर अत्याचार। संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी नागरिक कानून से ऊपर नहीं होता। गलत कामों की कोई खुली छूट नहीं होनी चाहिए और किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए। भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को धार्मिक आस्था, धार्मिक रीति-रिवाजों और उनके प्रचार-प्रसार के अधिकार को एक विशेषाधिकार के रूप में मान्यता देता है। यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अन्य संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सीमाओं के अधीन भी है। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन धार्मिक आड़ में वास्तविक धार्मिक गतिविधियों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, सरकार द्वारा अधिकांश अनधिकृत आध्यात्मिक नेताओं, स्व-घोषित या आध्यात्मिक नेताओं की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी गतिविधियों में वित्तीय अनियमितताओं या अन्य गैरकानूनी आचरण के मामलों की जांच करना, सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है, न कि धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

भारत को हमेशा से संतों, ऋषियों और आध्यात्मिक ज्ञान की भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। सदियों से पवित्र पुरुष और महिलाएं दूसरों को करुणा, सत्य, आत्म-अनुशासन और सेवा के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। विभिन्न सुधारकों और संतों के सिद्धांतों ने भारतीय समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किया है और लोगों को अज्ञानता, अंधविश्वास और सामाजिक बाधाओं से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया है। लाखों भारतीयों के जीवन में आस्था का सर्वोपरि स्थान है, क्योंकि यही पवित्रता परम वास्तविकता है। लेकिन देश में ऐसे लोगों का उदय हुआ है जो अपनी निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करते हैं, जिन्हें धर्मगुरु का उपनाम दिया गया है। वे धन, प्रभाव और निर्विवाद सत्ता के साम्राज्य स्थापित करने के लिए तथाकथित आध्यात्मिक भाषा को बढ़ावा देते हैं। भारत में कई मामलों में ऐसी महिलाओं पर यौन शोषण, संपत्ति मालिक को धोखा देना, अवैध भूमि अधिग्रहण, धमकी आदि जैसे गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है या उन्हें दोषी ठहराया गया है। इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है। इसीलिए, किसी भी अधिकारी द्वारा धर्म को आपराधिक कृत्यों की आड़ में इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ उठाया गया कोई भी कदम न्याय और कानून के शासन का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि किसी के धर्म पर अत्याचार। संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी नागरिक कानून से ऊपर नहीं होता। गलत कामों की कोई खुली छूट नहीं होनी चाहिए और किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए। भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को धार्मिक आस्था, धार्मिक रीति-रिवाजों और उनके प्रचार-प्रसार के अधिकार को एक विशेषाधिकार के रूप में मान्यता देता है। यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अन्य संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सीमाओं के अधीन भी है। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन धार्मिक आड़ में वास्तविक धार्मिक गतिविधियों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, सरकार द्वारा अधिकांश अनधिकृत आध्यात्मिक नेताओं, स्व-घोषित या आध्यात्मिक नेताओं की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी गतिविधियों में वित्तीय अनियमितताओं या अन्य गैरकानूनी आचरण के मामलों की जांच करना, सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है, न कि धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप। धर्म का शोषण, पाखंडी धर्मगुरुओं द्वारा लोगों के लिए उत्पन्न किए जाने वाले सबसे बड़े खतरों में से एक है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त, भावनात्मक या मानसिक तनाव से जूझ रहे, या आर्थिक तंगी से परेशान लोग, बिना किसी संदेह के ऐसे करिश्माई व्यक्तित्व के संपर्क में आ जाते हैं जो चमत्कारिक इलाज, अचानक धन-दौलत और जीवन की समस्याओं का चमत्कारिक, अलौकिक समाधान देने का वादा करता है। इस शोषण के कारण पीड़ितों और उनके परिवारों को आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव या इससे भी बदतर, जीवन भर कष्ट भोगना पड़ सकता है। दुर्भाग्य से, अंधविश्वास फैलाने वाले ही एकमात्र लोग नहीं हैं। बल्कि यह समाज की भी ज़िम्मेदारी है जो पूछताछ करने और आलोचनात्मक रूप से सोचने की अनिच्छा को बढ़ावा देता है। आस्था तर्क के विरुद्ध नहीं है। सच्ची आध्यात्मिकता विनम्रता, सहानुभूति और आत्मनिरीक्षण को बढ़ावा देती है, जबकि बिना सोचे-समझे आज्ञापालन आलोचनात्मक चिंतन को दबा देता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र की समस्या यह है कि उसे ऐसे नागरिकों की आवश्यकता होती है जो आध्यात्मिक मार्गदर्शन और हेरफेर के मामले में विवेकशील हों। आधुनिक तकनीक के कारण यह और भी मुश्किल हो गया है। आजकल, एक स्वघोषित धर्मगुरु सोशल मीडिया पर लाखों अनुयायियों का समर्थन हासिल कर लेता है, जो सोच-समझकर गढ़ी गई कहानियों, भावनात्मक हेरफेर और बेतुके दावों के जाल में फंस जाते हैं। बहुत से लोग लोकप्रियता को विश्वसनीयता के बराबर मानते हैं। वीडियो, प्रशंसापत्र और सनसनीखेज सामग्री बिना किसी प्रमाण या गवाही के लोगों को ईश्वरीय होने का भ्रम पैदा कर सकती है। इसलिए, नागरिकों को मूर्ख बनने से बचाने के लिए पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। मीडिया पर भारी ज़िम्मेदारी है। पिछले कुछ वर्षों में खोजी पत्रकारिता ने स्वघोषित आध्यात्मिक नेताओं द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के कई चर्चित मामलों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, मीडिया संस्थानों को निष्पक्ष, संतुलित और भावुकता से रहित खबरें प्रस्तुत करने में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। जब पत्रकारिता अटकलों के बजाय सबूतों पर आधारित होती है, तो इससे जनता का विश्वास और भी मजबूत होता है। पुलिस को भी निष्पक्ष और तटस्थ होना चाहिए। सभी आरोपों की जांच होनी चाहिए और प्रत्येक आरोपी को कानून की उचित प्रक्रिया का अधिकार है। जन दबाव और राजनीति का कार्रवाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए, यह केवल विश्वसनीय साक्ष्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार, निर्दोष धार्मिक नेताओं और धार्मिक संस्थानों पर केवल उनकी मान्यताओं और लोकप्रियता के कारण हमला या उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। दोषियों को सजा और निदोर्षों को संरक्षण देने के बीच संतुलन होना चाहिए। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में हजारों धार्मिक संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों की सहायता जैसे क्षेत्रों में भी सराहनीय कार्य कर रही हैं। उन्होंने स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक रसोईघर और धर्मार्थ कार्यक्रम स्थापित किए हैं जिनसे लाखों लोगों को लाभ मिलता है। ये बहुमूल्य योगदान हैं और सम्मान के पात्र हैं। यह धर्म या आध्यात्मिकता के विरुद्ध लड़ाई नहीं है - यह धर्म या आध्यात्मिकता के नाम पर होने वाले अपराध और शोषण के विरुद्ध लड़ाई है। बच्चों में वैज्ञानिक सोच, संविधान के मूल्यों और नैतिक मूल्यों को विकसित करने की स्कूलों की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है।

वाणी मनुष्य का वह दर्पण है जिसमें संस्कार, विचार, शिक्षा और चरित्र दिखाई देता है

प्रश्न यह उठता है कि क्या हर परिवर्तन विकास कहलाता है? क्या केवल नया होना ही श्रेष्ठ होने का प्रमाण है? क्या आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना है? क्या प्रगति की दौड़ में अपनी पहचान खो देना भी बुद्धिमत्ता है? यहीं से एक गंभीर बहस प्रारम्भ होती है। परिवर्तन तब तक शुभ है जब तक वह जीवन को बेहतर बनाए। लेकिन जब परिवर्तन हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारे नैतिक मूल्यों को प्रभावित करने लगे, तब वह परिवर्तन नहीं बल्कि विकृति बन जाता है। यदि कोई व्यक्ति आधुनिक तकनीक अपनाता है तो यह विकास है। यदि कोई नई भाषा सीखता है तो यह ज्ञान का विस्तार है। यदि कोई नए विचारों को अपनाता है तो यह बौद्धिक प्रगति है। लेकिन यदि आधुनिकता के नाम पर वह अपने माता-पिता का सम्मान करना छोड़ दे, बड़ों से संवाद की मयार्दा भूल जाए, अपनी भाषा को हीन समझने लगे, अपनी संस्कृति का उपहास उड़ाने लगे और अभद्रता को आत्मविश्वास समझने लगे, तो यह प्रगति नहीं बल्कि पतन का संकेत है। आज समाज इसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है। सभ्यता और संस्कृति केवल मंदिर, मस्जिद, त्योहार, वेशभूषा या भोजन तक सीमित नहीं होती है। उनका सबसे बड़ा परिचय मनुष्य का व्यवहार होता है।

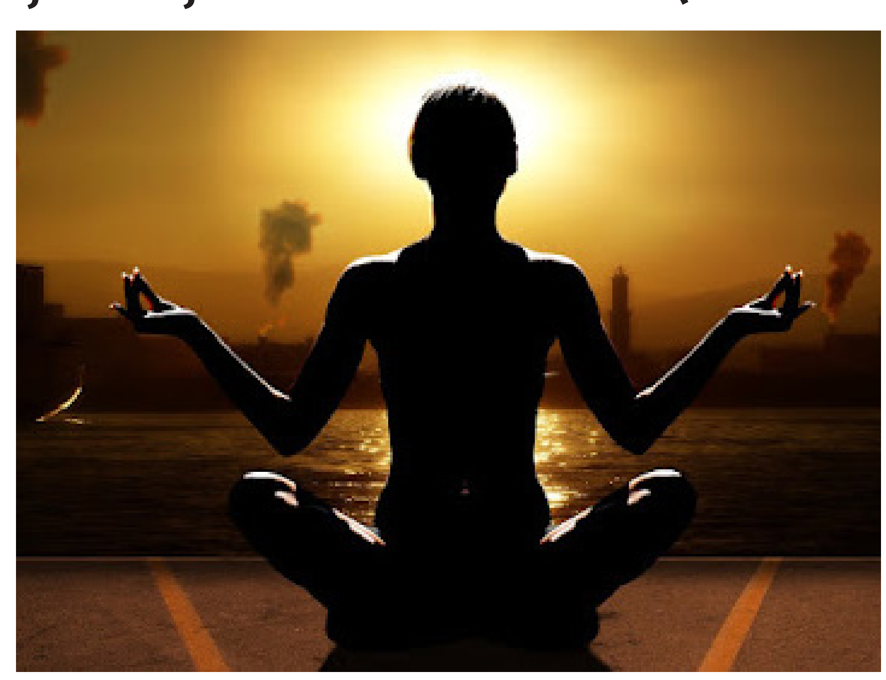

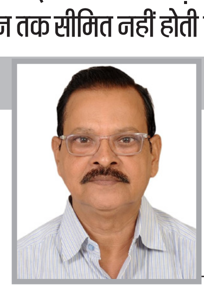

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। संसार की प्रत्येक वस्तु समय के साथ बदलती है। ऋतुएँ बदलती हैं, नदियाँ अपना मार्ग बदलती हैं, वृक्ष पुराने पत्ते छोड़कर नए पल्लव धारण करते हैं और मनुष्य भी अपने परिवेश, अनुभव तथा आवश्यकताओं के अनुसार, स्वयं को बदलता रहता है। यही परिवर्तन जीवन की गति है और इसी के कारण सृष्टि का चक्र निरंतर चलता रहता है। यदि परिवर्तन न हो तो विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मनुष्य भी प्रकृति का ही अंश है। इसलिए उसके जीवन में भी परिवर्तन स्वाभाविक है। समय के साथ उसके रहन-सहन, खान-पान, पहनावे, तकनीक, शिक्षा और जीवन-शैली में बदलाव आता है। कभी बैलगाड़ी से यात्रा करने वाला समाज आज अंतरिक्ष तक पहुँच चुका है। कभी संदेश कबूतरों के माध्यम से भेजे जाते थे, आज एक क्लिक में दुनिया के किसी भी कोने तक पहुँच जाते हैं। यह परिवर्तन मानव सभ्यता की उपलब्धि है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर परिवर्तन विकास कहलाता है? क्या केवल नया होना ही श्रेष्ठ होने का प्रमाण है? क्या आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना है? क्या प्रगति की दौड़ में अपनी पहचान खो देना भी बुद्धिमत्ता है? यहीं से एक गंभीर बहस प्रारम्भ होती है। परिवर्तन तब तक शुभ है जब तक वह जीवन को बेहतर बनाए। लेकिन जब परिवर्तन हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारे नैतिक मूल्यों को प्रभावित करने लगे, तब वह परिवर्तन नहीं बल्कि विकृति बन जाता है। यदि कोई व्यक्ति आधुनिक तकनीक अपनाता है तो यह विकास है। यदि कोई नई भाषा सीखता है तो यह ज्ञान का विस्तार है। यदि कोई नए विचारों को अपनाता है तो यह बौद्धिक प्रगति है। लेकिन यदि आधुनिकता के नाम पर वह अपने माता-पिता का सम्मान करना छोड़ दे, बड़ों से संवाद की मयार्दा भूल जाए, अपनी भाषा को हीन समझने लगे, अपनी संस्कृति का उपहास उड़ाने लगे और अभद्रता को आत्मविश्वास समझने लगे, तो यह प्रगति नहीं बल्कि पतन का संकेत है। आज समाज इसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है। सभ्यता और संस्कृति केवल मंदिर, मस्जिद, त्योहार, वेशभूषा या भोजन तक सीमित नहीं होती है। उनका सबसे बड़ा परिचय मनुष्य का व्यवहार होता है। किसी समाज की पहचान उसके ऊँचे भवनों से नहीं होती है, बल्कि उसके लोगों की भाषा, विनम्रता, पारिवारिक संबंधों और नैतिकता से होती है। भारत हजारों वर्षों से वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता आया है। यहाँ मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः, आचार्यदेवो भवः केवल श्लोक नहीं है बल्कि जीवन का दर्शन रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में बच्चों को सबसे पहले नमस्कार करना, बड़ों का सम्मान करना, मधुर भाषा बोलना और संयम रखना सिखाया जाता था। यही संस्कार हमारी असली पूँजी थे। भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती है। भाषा व्यक्ति के संस्कारों का दर्पण होती है। किसी व्यक्ति का परिचय उसके वस्त्रों से पहले उसकी वाणी देती है। यदि शब्दों में विनम्रता है तो सामने वाला स्वतः सम्मान देने लगता है। यदि शब्दों में कटुता है तो सबसे बड़ा ज्ञान भी प्रभावहीन हो जाता है। भारतीय संस्कृति ने सदैव मधुर वाणी को सर्वोच्च स्थान दिया है। कबीरदास ने लिखा है कि ह्लऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।ह्व यह केवल कविता नहीं है बल्कि सामाजिक जीवन का नियम है। आज आवश्यकता इसी शिक्षा को पुनः समझने की है। समय के साथ परिवारों का स्वरूप भी बदल गया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। दादा-दादी की कहानियाँ मोबाइल स्क्रीन ने छीन ली। आँगन में होने वाली पारिवारिक बैठकों का स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया। अब बच्चों का सबसे बड़ा शिक्षक परिवार नहीं है बल्कि इंटरनेट बनता जा रहा है। जो शब्द पहले घर में सुनाई देते थे, उनकी जगह अब सोशल मीडिया की भाषा ने ले ली है। यही सबसे बड़ी चिंता का विषय है। भाषा का विकास स्वाभाविक प्रक्रिया है। हर युग में नए शब्द जुड़ते हैं। लेकिन आज स्थिति केवल नए शब्दों तक सीमित नहीं है। अब भाषा में मयार्दा की जगह आक्रामकता, संवाद की जगह तर्क-वितर्क और सम्मान की जगह व्यंग्य बढ़ता जा रहा है। ह्लजीह्व शब्द धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। सम्मानजनक संबोधन की जगह अरे यार, अबे, भाई, यो, ब्रो, ड्यूड जैसे शब्द सामान्य होते जा रहे हैं। मित्रों के बीच यह सामान्य लग सकता है, लेकिन यही भाषा जब माता-पिता, शिक्षकों और बुजुर्गों तक पहुँचती है, तब चिंता स्वाभाविक हो जाती है। समाज का परिवर्तन केवल शब्दों में नहीं, सोच में भी दिखाई देता है। एक समय था जब बच्चे अपने पिता को बाबूजी या पिताजी कहकर संबोधित करते थे। फिर पापा जी आया। उसके बाद केवल पापा रह गया। आज अनेक स्थानों पर डैड, डैडी और कई बार अरे यार पापा जैसे संबोधन भी सामान्य होते जा रहे हैं। यह केवल संबोधन का परिवर्तन नहीं है। यह उस मानसिक दूरी का संकेत है जो धीरे-धीरे संबंधों की गरिमा को प्रभावित कर रही है। समस्या अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग में नहीं है। समस्या सम्मान के कम होते भाव में है। यदि डैड कहते हुए भी सम्मान बना रहे तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन यदि पिताजी कहकर भी अपमान किया जाए तो वह भारतीय संस्कृति नहीं कहलाएगी। अर्थात शब्द नहीं, भाव सबसे महत्वपूर्ण है। राम और राम जी में अंतर केवल एक शब्द का नहीं है, बल्कि भाव का है।

जेन–अल्फा की शिकायतों से आंखें फेरना गलत होगा

क्षमा शर्मा

देश में जेन-जी आंदोलन की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि खबर आई कि जेन-अल्फा (2010-2024 तक जन्मे) के बच्चे अब मैदान में आ गए हैं। ये 21वीं सदी के सूचना-समाज के बच्चे हैं। दुनिया भर की खबरें मोबाइल, टीवी के जरिये देखते हैं। इनके बारे में अब मजाक किया जाने लगा है कि ये तो मोबाइल हाथ में ही लेकर पैदा हुए हैं। जेन-जी के आंदोलन से इन्हें लगा कि वह शासन को झुका सकती है, तो हम क्यों नहीं? इसीलिए सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब आंदोलन करने लगे हैं।उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में एक सरकारी इंटर कॉलेज की कक्षा छह से लेकर 12 तक के करीब 1,500 बच्चे अपने संस्थान के सामने धरने पर बैठ गए। उनकी यह शिकायत थी कि कॉलेज में उन्हें मामूली सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों की मांग थी कि बिजली रहे, टूटे पंखे ठीक किए जाएं। स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था हो। कक्षा के लिए पर्याप्त कमरे हों। पीने को साफ पानी मिले। खेल सुविधाएं हों। कॉलेज प्रशासन ने उनकी मांगों को मान लिया। इसमें उसे छह घंटे लगे। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि कुछ बड़े बच्चों ने, जो हालिया जेन-जी आंदोलन में शामिल हुए थे, इसे शुरू किया। जालौर और बाड़मेर, राजस्थान में भी स्कूली बच्चों ने विरोध-प्रदर्शन किए। जालौर में उन्होंने स्कूल गेट पर ताला जड़ दिया। उनकी शिकायत थी कि प्राइमरी कक्षाओं में अध्यापकों की कमी है। बाड़मेर के बच्चों की भी यही मांग थी। उनका कहना था कि न जाने कब से कई विषयों के अध्यापकों के पद खाली पड़े हैं, इसलिए उनकी ढंग से पढ़ाई ही नहीं हो पा रही। इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में लड़कियों ने भी भाग लिया। सरकार ने बच्चों की मांगों पर ध्यान देते हुए 80 स्कूलों में, जहां अध्यापकों की कमी थी, फौरन अध्यापक नियुक्त किए। बिहार के गया में एक स्कूल के दर्जनों बच्चे एसडीएम के दफ्तर तक बाकायदा जुलूस लेकर निकल पड़े। वे स्कूल में चापाकल खराब होने, शौचालय की साफ-सफाई और विद्यालय में खेल के उपकरणों की कमी की शिकायत लेकर पहुंचे थे। एसडीएम ने स्कूल के प्रधानाचार्य से बात की और निर्देश दिया कि पांच दिनों में बच्चों की सारी मांगें पूरी की जाएं। कर्नाटक में बच्चों ने चार घंटे तक राजमार्ग को जाम कर दिया था, क्योंकि वहां सरकारी बसें उनके गांव के बस स्टॉप पर न रुककर, कहीं दूर रुका करती थीं, जिससे वे स्कूल नहीं जा पाते थे। ध्यान से देखें, तो बच्चे जिन सुविधाओं के लिए आंदोलित हैं, वे उन्हें मिलनी ही चाहिए। आखिर वे क्यों नहीं उन्हें मिलतीं? यदि स्कूलों में साफ पानी, पर्याप्त कक्ष, खेलने के मैदान व उपकरण व अध्यापक ही नहीं होंगे, तो वे क्या करेंगे? स्कूल प्रशासन व अधिकारी तब तक ध्यान क्यों नहीं देते, जब तक कि शिकायत न हो या बच्चे अपना गुस्सा प्रदर्शित न करने लगें? अक्सर यह शिकायत की जाती है कि सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें बच्चे आते ही नहीं। जाएं भी तो कैसे, यदि उनमें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं? सरकारी स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा सस्ती है, हालांकि उनमें पढ़ाने वाले नियमित अध्यापक-अध्यापिकाओं के वेतन ठीकठाक हैं। इनके मुकाबले निजी स्कूलों में शिक्षा महंगी है, पर शिक्षक-शिक्षिकाओं के वेतन सरकारी स्कूलों से कम है। विडंबना देखिए, जहां वेतन ज्यादा है, वहां से शिक्षकों की शिकायतें आती रहती हैं कि उनमें से कई स्कूल ही नहीं आते, अपने दायित्व को ह्यआउटसोर्सह्ण कर देते हैं या जो विषय वे पढ़ाने आए हैं, वही उन्हें नहीं आता। निजी स्कूलों में ऐसा संभव नहीं है। सरकार को सोचना चाहिए कि अध्यापकों की भर्ती करते समय वह योग्यता की बहुस्तरीय परख करे, ताकि शिक्षक अपने विषय तो पढ़ा सकें। समय पर स्कूल आ सकें। गौर करने की बात है कि जेन-अल्फा के बच्चे उस उम्र के हैं, जहां ह्यएडवेंचरह्ण बहुत भाता है। मान लीजिए, धरना-प्रदर्शन करते ये कुछ ऐसा कर बैठें, जिससे इनकी जान को खतरा पैदा हो जाए अथवा किसी और को नुकसान पहुंचे, तब क्या होगा? इन दिनों राजनीति के बड़े खिलाड़ी इन्हें भड़का रहे हैं और इन्हें भी औरों की तरह उकसा रहे हैं कि वे सड़क पर आ जाएं। इसलिए इन नौनिहालों को स्कूल के अहाते में पढ़ने के लिए माकूल सुविधाएं मुहैया कराना बहुत जरूरी है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

स्कूल वैन में तोड़-फोड़ के आरोप में तीन अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज

लखनऊ। लखनऊ के चौक इलाके में सोमवार को एक स्कूल वैन में तोड़-फोड़ करने के आरोप में पुलिस ने तीन अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी क्षेत्र) कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि चौक थाना क्षेत्र में चरक क्रॉसिंग पर आज सुबह तीन अज्ञात वाहन चालकों ने एक स्कूल वैन में तोड़-फोड़ की, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक अज्ञात चालक वहां से भाग चुके थे। कुछ समाचार माध्यमों पर यह भी दावा किया कि स्कूल वैन में तोड़-फोड़ करने वाले कांवड़िये थे लेकिन पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। दीक्षित ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर सामने आयी तोड़-फोड़ वाली गाड़ी की तस्वीरों में स्कूल वैन की खिड़की का शीशा टूटा हुआ दिख रहा है और स्कूल की बच्चियां अपने स्कूल बैग के साथ सड़क पर खड़ी हैं।

कांवड़ यात्रा पर निकली महिला ने अस्पताल में दिया जुड़वां बच्चों को जन्म

मुजफ्फरनगर। कांवड़ यात्रा के दौरान मुजफ्फरनगर से गुजर रही एक गर्भवती महिला ने सोमवार को जिला अस्पताल में जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि दिल्ली की रहने वाली गर्भवती महिला नेहा कांवड़ यात्रा पर निकली थी और इसी बीच मुजफ्फरनगर में प्रसव पीड़ा शुरू होने पर पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। कुमार ने बताया कि प्रसूता और उसके दोनों बच्चे स्वस्थ हैं। अस्पताल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार प्रसूता महिला को शुभकामनाएं देते हुए कह रहे हैं, ह्वहम आपके बच्चों का नामकरण भी कर रहे हैं, क्या आप स्वीकार कर रही हैं? हम उन्हें गणेश और कार्तिक नाम से जानना चाहते हैं। ऐसा ठीक रहेगा? आपकी सहमति आवश्यक है ना।

उन्नाव में सेवानिवृत्त दारोगा ने की खुदकुशी

उन्नाव। उन्नाव शहर में स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) से सेवानिवृत्त एक दारोगा ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रामजीत (65) के रूप में हुई है। उसने बताया कि मूलरूप से कन्नौज जिले के गुरुसहायगंज क्षेत्र के रउतामई गांव के निवासी रामजीत 2021 में एलआईयू से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्नाव के पीडी नगर मोहल्ले में अपने बेटे अभिषेक के साथ रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि रविवार रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद रामजीत अपने कमरे में गये थे और रात करीब साढ़े 11 बजे गोली चलने की आवाज सुनकर कमरे में पहुंचे परिजनों ने उन्हें खून से लथपथ हालत में देखा। उसने बताया कि रामजीत को उपचार के लिए कानपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। रामजीत के बेटे अभिषेक ने पुलिस को बताया कि उनके पिता पिछले कुछ समय से तनाव में थे। उन्होंने आशंका जताई कि इसी कारण संभवतः उन्होंने यह कदम उठाया। सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा पुलिस ने घटनास्थल से लाइसेंसी बंदूक कब्जे में लेकर साक्ष्य संकलित किये। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी रिपोर्ट मिलने के बाद ही मृत्यु के कारणों पर अंतिम निष्कर्ष निकाला जा सकेगा।

बलिया में पुराने विवाद में व्यक्ति की हत्या

बलिया। बलिया जिले के दुबहड़ क्षेत्र के नगवा गांव में पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति की लाठी से वार कर कथित तौर पर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रविवार को रात आठ बजे राजदेव पाठक (58) अपने पड़ोसी काशी यादव के दरवाजे पर बैठा था तभी उसका रिश्तेदार एवं पड़ोसी उत्कर्ष पाठक एक पुराने विवाद को लेकर झगड़ा करने लगा और राजदेव पर लाठी से वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने बताया कि राजदेव को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) संजय वर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में राजदेव के पुत्र आलोक पाठक से प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत करते हुए आरोपी को पुलिस हिरासत में लिया गया है।

अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके समयबद्ध निस्तारण के आदेश दिये। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के कई जिले से आए सभी लोगों से एक-एक करके मुलाकात की, उनके प्रार्थना पत्र लिये और अधिकारियों को प्रेषित करते हुए समयबद्ध निस्तारण का निर्देश दिया। बयान के अनुसार पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए आगाह किया कि अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने और मुकदमे में दबाव जैसी शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की और शासन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जनपदों में ऐसे मामले अधिक आ रहे हैं, वहां के पुलिस कप्तान की जवाबदेही तय की जाए। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी समस्या का शीघ्रता से निराकरण किया जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने और पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए पहले परस्पर संवाद और फिर विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता से किया जाए और हर समस्या का समाधान गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

विधानमंडल के सत्र से पहले सपा का प्रदर्शन राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरा

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरूआत से पहले सोमवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने विधान भवन परिसर में अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी समेत कई मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। विधान भवन परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने बड़ी संख्या में सपा सदस्यों ने तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सपा सदस्यों ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, पिछले दस वर्षों में प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद किए जाने, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का प्रश्नपत्र लीक होने, कानून-व्यवस्था की कथित बदहाली तथा अन्य जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। कुछ सदस्यों ने विरोध के प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर चंदा पेटिका लिखे दानपात्र भी रखे थे। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की ह्यडबल इंजनह्ल सरकार ने प्रदेश को ऐसा ह्यतोहफाह्ल दिया है कि 2026 तक 26 हजार सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि इसके कारण 18 हजार बेटियों ने पढ़ाई छोड़ दी है। सोनकर ने कहा कि भाजपा सरकार केवल जुमलेबाजी करती है और लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। सपा विधायक अतुल प्रधान ने आरोप लगाया कि भाजपा और उससे जुड़े लोगों ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी जैसा ह्यपापह्ल किया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सिर पर दानपात्र रखे प्रधान ने कहा, आज हम यहां चंदा चोरों के खिलाफ अभियान लेकर आए हैं। इस दौरान कुछ सपा सदस्यों ने चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो के नारे भी लगाए। सपा सदस्य कमाल अख्तर ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है, प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं, नौजवान सड़कों पर हैं, उनके साथ अत्याचार और अन्याय हो रहा है, किसानों को खाद नहीं मिल रही, पूरे उत्तर प्रदेश में बाढ़ से हालात गंभीर हैं और स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देने से बच रही है। उन्होंने कहा, ह्यहम इन सभी मुद्दों को सदन में उठाना चाहते हैं, लेकिन सरकार ने सत्र की अवधि कम करके चर्चा से बचने का प्रयास किया है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र तीन अगस्त से छह अगस्त तक चलेगा।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की सतह फिर खराब हुई दिये गये जांच के आदेश, तीन अभियंताओं पर कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

उन्नाव। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के एक महीने के भीतर सड़क की सतह खराब होने की अन्य घटना सामने आने के बाद मामले की जांच के आदेश दिए हैं और जांच पूरी होने तक तीन अभियंताओं को कार्य से हटा दिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। लगभग 4,200 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में किया था। अगले दिन इसे यातायात के लिए खोल दिया गया था। एनएचएआई के परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा ने कहा कि हालिया तकनीकी खामी उन्नाव जिले के कुरारी के निकट पुल की संरचना में नहीं, बल्कि पुल तक पहुंचने वाले संपर्क मार्ग पर सामने आई है। उन्होंने कहा कि पूरी मरम्मत किए गए 20 मीटर लंबे हिस्से के निकट फिर से क्षति दिखाई देने के बाद प्राधिकरण ने पूरे 220 मीटर लंबे संपर्क मार्ग की मरम्मत करने का निर्णय लिया है। वर्मा ने बताया कि कुरारी टोल प्लाजा के निकट मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है। मरम्मत का कार्य दो दिन में पूरा होने की उम्मीद है, जिसके बाद यातायात सामान्य रूप से संचालित होगा। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को सड़क धंसने के पांच अलग-अलग मामले बताना उचित नहीं होगा, क्योंकि अधिकांश क्षति उसी संपर्क मार्ग तक सीमित रही है। वर्मा ने कहा कि मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। उसकी रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक कार्रवाई के तौर पर प्राधिकरण ने तीन अभियंताओं को कार्य से हटा दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण के दौरान मजबूती और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ऑटोमेटेड इंटेलिजेंस मशीन गाइडेड कंस्ट्रक्शन जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया था।

मीरजापुर के बिल्ढम फाल में लापता क्लर्क का दूसरे दिन भी नहीं मिला सुराग, तेज बहाव से राहत अभियान

-पत्नी और दो मासूम बच्चे, परिजनों की टिकी हैं तलाश अभियान पर निगाहें

प्रात: किरण संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के मड़िहान तहसील क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बिल्ढम फाल में रविवार शाम तेज बहाव में लापता हुए तहसील के सरकारी कर्मचारी रितेश गौड़ (32) का दूसरे दिन सोमवार को भी कोई सुराग नहीं मिल सका। लगातार चल रहे खोज अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही है। बारिश के कारण बढ़ा जलस्तर और तेज धारा राहत एवं बचाव कार्य में सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। कुशवाहा नगर निवासी रितेश गौड़ पंडित दीनदयाल महिला चिकित्सालय, पांडेयपुर (वाराणसी) में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। रविवार को बिल्ढम फाल घूमने के दौरान वह तेज बहाव की चपेट में आ गए थे और तब से लापता हैं। सोमवार सुबह से एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन ने संयुक्त रूप से बिल्ढम फाल और आसपास के जलक्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। गोताखोरों ने गहरे पानी और चट्टानों के बीच कई बार खोजबीन की, लेकिन देर शाम तक उनका पता नहीं चल सका। प्रशासन का कहना है कि तेज बहाव और लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण अभियान प्रभावित हो रहा है, फिर भी तलाश लगातार जारी है। तहसीलदार एके पांडेय के नेतृत्व में राजस्व टीम भी पूरे समय मौके पर मौजूद रही। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि सभी उपलब्ध संसाधनों के साथ खोज अभियान जारी रहेगा। परिवार में वरिष्ठ गौड़ की पत्नी राधा, दो वर्षीय पुत्र राघव और छह माह की बेटी श्रीजी परेशान हैं।

फर्रुखाबाद : मार्ग दुर्घटना में घायल सब्जी विक्रेता की मौत

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में थाना नवाबगंज क्षेत्र में ई-रिक्शा की टक्कर से गंभीर रूप से घायल एक सब्जी विक्रेता की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मच गया। कस्बा नवाबगंज के मोहल्ला बरतल वाली गली निवासी दुर्वेश कुमार (50) सब्जी विक्रेता था। बीते माह 23 जुलाई को दुर्वेश सब्जी का ठेला लेकर घर वापस लौट रहा था तभी रास्ते में एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल सब्जी विक्रेता को परिजनों ने कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। बीती रात रविवार को इलाज के दौरान उनकी सांसें थम गईं। सोमवार को मृतक सब्जी विक्रेता का शव उनके पैतृक आवास पहुंचा तो मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही नवाबगंज थाना प्रभारी गौतम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए शव का पंचनामा भरा। इस संबंध में कोतवाली गौतम सिंह ने बताया कि परिजनों की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया गया है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा ने दिवंगत विधायक आलमबदी को दी श्रद्धांजलि सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा ने सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी (सपा) के दिवंगत विधायक आलमबदी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के पहले दिन सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे आलमबदी के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य आलमबदी का 23 जुलाई को 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन के इस पड़ाव पर भी उनकी सक्रियता जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत थी। वह सरल, विनम्र और जनसामान्य से जुड़े नेता थे। उन्होंने कहा कि आलमबदी के निधन से उत्तर प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है। मुख्यमंत्री ने सदन की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने भी आलमबदी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह अपने स्वभाव के दृढ़ और सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले नेता थे। उन्होंने कहा कि इस आयु में भी उनके भीतर युवाओं जैसा उत्साह था और वह अपनी सादगी से लोगों को प्रेरित करते थे। कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ह्यमोनाह्ल ने कहा कि आलमबदी की सबसे बड़ी पहचान उनकी सादगी थी और उनके व्यक्तित्व में किसी प्रकार का दिखावा नहीं था। आलमबदी को अपना दल (एस) के नेता रामनिवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल सिंह बालियान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओम प्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के संजय निषाद तथा जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के विनोद सरोज ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दिवंगत सदस्य के सार्वजनिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि सदन की शोक-संवेदना से उनके परिजनों को अवगत कराया जाएगा। इसके बाद सदन के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत विधायक आलमबदी को श्रद्धांजलि अर्पित की और विधानसभा की कार्यवाही

मीरजापुर : कोटारनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब एक लाख से अधिक भक्तों ने किया जलाभिषेक

-गड़बड़ा शीतला धाम में 25 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, बारिश के बीच भी नहीं डिगी आस्था

प्रात: किरण संवाददाता

मीरजापुर। सावन के पहले सोमवार को उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद स्थित कोटारनाथ धाम शिवभक्ति के रंग में पूरी तरह रंग गया। सुबह से एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। इस दौरान लगातार हो रही बारिश भी श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी और पूरा धाम हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए लालगंज के एसडीएम अजीत कुमार ने कोटारनाथ धाम पहुंचकर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रवेश द्वार, बैरिकेडिंग, पेयजल, साफ-सफाई, कतार व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को सभी सावन के सोमवार और शिवरात्रि तक श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस, पीएसी, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त रखने पर जोर दिया गया। मंदिर परिसर में भक्त हाथों में गंगाजल, दूध और बेलपत्र लेकर घंटों कतार में खड़े रहे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीओ अमर बहादुर सिंह और थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव पुलिस व पीएसी के साथ मुस्तैद रहे। सोठिया और कोटार मार्ग पर बैरियर लगाकर चार पहिया वाहनों का प्रवेश रोका गया, जिससे श्रद्धालुओं को लगभग एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। बारिश के कारण मंदिर मार्ग पर फिसलन भी बनी रही।

कार और स्कूटर की टक्कर को लेकर विवाद में चली गोली : एक युवक जख्मी

प्रात: किरण संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के लालगंज इलाके में रानीगंज कैथोला बाजार में दो/तीन अगस्त की दरमियानी रात कार और स्कूटर की टक्कर को लेकर हुए विवाद में कार चालक ने स्कूटर सवार को गोली चला दी। बीच-बचाव की कोशिश में एक और युवक भी घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। अपर पुलिस आयुक्त (पश्चिमी) बृजनंदन राय ने सोमवार को बताया कि लालगंज थाना क्षेत्र के रहने वाला सौरभ सिंह (29) रविवार रात अपने भतीजे सक्षम (23) के साथ रानीगंज कैथोला बाजार गया था। राय ने बताया कि पुलिस चौकी के पास स्कूटर खड़ा करने और कुछ सामान खरीदने के बाद जब वे लौट रहे थे, तो उसकी स्कूटर एक कार से टकरा गयी और विवाद हो गया और बहस के दौरान चालक ने गोली चला दी जिससे सौरभ घायल हो गया और बीच-बचाव करने की कोशिश में उसका भतीजा सक्षम भी घायल हो गया। राय ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को लालगंज ट्रॉमा सेंटर ले गई, जहां से डॉक्टरों ने सौरभ की गंभीर हालत को देखते हुए उसे प्रयागराज रेफर कर दिया, जबकि सक्षम को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

ट्रेन के इंजन में लगी आग, लोको पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के बिनावर क्षेत्र के मालगांव रेलवे स्टेशन के निकट सोमवार सुबह बरेली-कासगंज रेलमार्ग पर एक पैसेंजर ट्रेन के इंजन में आग लग गयी, मगर ट्रेन चालक की सूझबूझ के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) राहुल पांडेय ने बताया कि कासगंज से बरेली जा रही पैसेंजर ट्रेन मलगांव रेलवे फाटक के पास पहुंची थी, तभी अचानक इंजन की वायरिंग में आग लग गयी और उससे धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं। उन्होंने बताया कि यह देखकर ट्रेन चालक सर्वेश सिंह ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी और तुरंत रेलवे नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। पांडेय ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां और रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पहले रेलवे कर्मचारियों ने खुद आग बुझाने की कोशिश की लेकिन जब आग नहीं बुझी तो दमकल की मदद ली गयी और करीब एक घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। ट्रेन प्रबंधक पीयूष कुमार वर्मा ने बताया कि आग लगने की असली वजह जांच के बाद पता चलेगी, हालांकि ट्रेन को आगे ले जाने के लिए दूसरा इंजन मंगाया गया है। रेलवे के सूत्रों ने बताया कि इस घटना के कारण बरेली-कासगंज रेलमार्ग पर यातायात तीन घंटे से ज्यादा समय तक बाधित रहा और कई ट्रेनों को बदायूं, कछला ब्रिज, घटपुरी और कासगंज स्टेशनों पर रोका गया, जिससे यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पुलिस क्षेत्राधिकारी पांडेय ने बताया कि दुर्घटना में किसी भी तरह की जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

हमीरपुर में गलघोटू से बचाव के लिए 12,000 पशुओं का टीकाकरण

प्रात: किरण संवाददाता

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में गाय और भैंसों में फैलने वाली जानलेवा बीमारी के मद्देनजर व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह बीमारी संक्रमित पशुओं की आठ घंटे के भीतर जान ले सकती है। अब तक लगभग 12,000 पशुओं का ह्यहेमोरेजिक सेप्टीसीमियाह्ल (एचएस) के खिलाफ टीकाकरण किया जा चुका है। पशुपालन विभाग यह अभियान एचएस से पशुधन की सुरक्षा के लिए चला रहा है। इस बीमारी को आमतौर पर ह्यगलघोटूह्ल के नाम से जाना जाता है। यह एक घातक जीवाणुजनित (बैक्टीरियल) रोग है, जो गायों और भैंसों को प्रभावित करता है। विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस बीमारी में पशु को तेज बुखार, गले में गंभीर सूजन होती है और कई मामलों में आठ से 24 घंटे के भीतर उसकी मौत हो जाती है। हमीरपुर के पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. सुजय शर्मा ने कहा, ह्यपशुपालकों को अपनी गायों और भैंसों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराना चाहिए। समय पर लगाया गया टीका हेमोरैजिक सेप्टीसीमिया जैसी जानलेवा बीमारियों से पशुओं की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। विभाग को इस अभियान के लिए करीब 60,000 टीकों की खुराक प्राप्त हुई है और यह अभियान पूरे अगस्त महीने तक जारी रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि मानसून के मौसम में एचएस तेजी से फैलता है और समय पर इलाज या टीकाकरण न होने पर पशुओं की मृत्यु हो सकती है इसलिए टीकाकरण को इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय माना जाता है।

उप्र में अवैध खनन पर योगी सरकार का डिजिटल प्रहार

-अब तक 2.41 लाख से अधिक ई-नोटिस जारी, विभाग ने 756 करोड़ रुपये की वसूली की

-डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम से अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ बढ़ा खनन राजस्व

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक आधारित एकीकृत खनन निगरानी तंत्र (आईएमएसएस) को मजबूत किया है। इस प्रणाली के माध्यम से खनन क्षेत्रों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है व राजस्व संरक्षण को नई मजबूती मिली है। इस सख्ती के जरिए भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग को 756 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व भी प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि आईएमएसएस के अंतर्गत खनन क्षेत्रों की जियो-फेंसिंग, कैमरा युक्त वे-ब्रिज, खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) माइन टैग, विभिन्न राजमार्गों पर आईओटी व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मानव रहित स्वचालित चेकगेट स्थापित किए गए हैं। इन सभी व्यवस्थाओं को लखनऊ स्थित कमांड सेंटर से एकीकृत किया गया है, जहां से पूरे प्रदेश की गतिविधियों की निगरानी की जाती है। कमांड सेंटर में स्थापित डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के माध्यम से जनपदों द्वारा चिन्हित अवैध गतिविधियों के खिलाफ तत्काल ई-नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इससे कार्रवाई की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनी है। प्रदेश में 62 चेकगेट संचालित हैं, जबकि दो नए चेकगेट निमार्णाधीन हैं। 75 आरएफआईडी रीडर और एम-चेक एप की सहायता से निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। अब तक 1.53 लाख से अधिक वाहनों पर आरएफआईडी माइन टैग लगाए जा चुके हैं, जिससे खनिज परिवहन की ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव हो रही है। उत्तर प्रदेश खनन नीति 2017 के तहत एकीकृत खनन निगरानी तंत्र को लागू किया गया था। वहीं 16 जुलाई 2026 तक आईएमएसएस के माध्यम से 2.41 लाख से अधिक ई-नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इन ई-नोटिसों के माध्यम से 998 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि निर्धारित की गई है। इसमें से अब तक करीब 756 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली भी की जा चुकी है। इससे योगी सरकार की तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था अवैध खनन व खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ सरकारी राजस्व बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

श्रावण मास के पहले सोमवार को मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। श्रावण मास के पहले सोमवार को आज प्रदेश के काशी और मथुरा समेत विभिन्न जिलों के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ पड़ी और उन्होंने दर्शन और जलाभिषेक किया। वाराणसी से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक श्रावण मास के पहले सोमवार को भोर से ही बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में भक्तों की कतारें लग गयीं। मंदिर प्रशासन के अनुसार सुबह मंगला आरती के बाद से ही बाबा के कपाट भक्तों के लिए खोल दिये गये और लम्बी कतारों में खड़े श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक किया। मंदिर प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक मंदिर में भक्तों का पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में भगवान श्री विश्वेश्वर के दर्शन के लिए आये कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का मंदिर प्रशासन के अधिकारियों, वाराणसी मंडलायुक्त, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा अन्य अधिकारियों एवं कार्मिकों की उपस्थिति में पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि श्रावण मास के पहले सोमवार को करीब आठ लाख भक्तों के दर्शन करने के लिये आने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि सुबह सात तक सवा दो लाख से ज्यादा भक्तों ने बाबा का दर्शन किया और दर्शन का यह क्रम देर रात तक जारी रहेगा। मथुरा से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव के प्रमुख मंदिरों के बाहर भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर के सेवायत जितेंद्र गोस्वामी ने बताया कि ऐतिहासिक भूतेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने भगवान शिव का महा-अभिषेक किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान श्रद्धालुओं ने ह्यबम-बम भोलेह्ल के जयकारे के साथ ठाकुर जी को बेलपत्र, अक्षत (चावल) और प्रसाद भी चढ़ाया। गोस्वामी ने बताया कि शाम को मंदिर में फूल बंगला, छप्पन भोग और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख मंदिरों के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गये। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने चिंताहरण महादेव मंदिर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुजफ्फरनगर से मिली रिपोर्ट के अनुसार श्रावण मास के पहले सोमवार के मौके पर जिले के विभिन्न शिव मंदिरों के बाहर महिलाओं समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखे। जिले के शिव चौक, कृष्णपुरी और संभलहेड़ा गांव में मशहूर पंचमुखी शिवलिंग मंदिर के बाहर शिव मंदिरों में कतारें देखी गईं। इस बीच, सावन महीने के पहले सोमवार में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने शिव मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि इन मंदिरों में ह्यएंटी-रोमियोह्ल टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा के कारण कांवड़िये हरिद्वार से पैदल पहुंच रहे हैं और दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों की ओर जाते हुए शिव चौक पर परिक्रमा कर

रायबरेली : सड़क हादसे में जलाभिषेक कर लौट रहे एक कांवड़िये की मौत

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जनपद में शिवगढ़ थाना क्षेत्र में जलाभिषेक कर लौट रहे कांवड़ियों के ई-रिक्शा में सोमवार को एक तेज रफ़्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक कांवड़िये की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है। शिवगढ़ थानाक्षेत्र में ढेकवा गांव के 10 कांवड़ियों का समूह रविवार की रात बाराबंकी के हैदरगढ़ स्थित औसानेश्वर शिव मंदिर में जलाभिषेक करने गया था। सोमवार को सभी शिवभक्त जलाभिषेक कर ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे। जैसे ही कांवड़ियों को ई-रिक्शा शिवगढ़ थाना क्षेत्र के तरौंजा मजरे कुंभी के पास पहुंचा तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया और उसमें सवार भोलेंद्र, अंकित, दत्तगंज पिपरी के मोहित, अमन, रौनक, विवेक व मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

दीक्षारम्भ-2026 : नवप्रवेशित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी

इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप युवाओं को तैयार करेगा वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालयः सुधीर गिरि

विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, सकारात्मक सोच और वैश्विक अवसरों पर दिया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित यूजी एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लिए सोमवार से पांच दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम ह्यदीक्षारम्भ-2026ह्ल का भव्य शुभारंभ हुआ। 3 से 8 अगस्त तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति, व्यक्तित्व विकास, कौशल संवर्धन, करियर निर्माण और वैश्विक अवसरों की जानकारी दी जाएगी। रवीन्द्रनाथ टैगोर भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्णकांत दवे, मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार कुमार राजेश, प्रतिकुलपति प्रो. मानस रंजन, कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय, आचार्य सिद्धार्थ, आचार्य अश्विनी तथा डीन एकेडमिक्स डॉ. राजेश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित प्रोफेशनल तैयार करना समय की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति युवाओं के लिए अपार संभावनाएं लेकर आई है, लेकिन इसके लिए विद्यार्थियों को स्वयं को निरंतर अपडेट करना होगा। उन्होंने कहा कि वेंकटेश्वरा समूह पिछले एक दशक में हजारों कुशल नर्सिंग, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, लॉ, एग्रीकल्चर एवं अन्य क्षेत्रों के प्रोफेशनल तैयार कर चुका है, जो देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि सुरक्षित और सफल करियर उपलब्ध कराना है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार कुमार राजेश ने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्म-खोज, नवाचार, नए अनुभवों और जीवनभर सीखने की प्रक्रिया है। विद्यार्थियों को हर अवसर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। कुलपति प्रो. कृष्णकांत दवे ने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि इंसान वही बनता है, जैसा वह सोचता है। वहीं द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी आचार्य सिद्धार्थ ने जीवन में संतुलन और आत्मविकास का महत्व बताया, जबकि आचार्य अश्विनी ने प्रभावी संवाद के लिए भावनाओं को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिकुलपति प्रो. मानस रंजन ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्टूडेंट एवं फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम को और सशक्त बनाएगा। कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय ने कहा कि दीक्षारम्भ-2026 विद्यार्थियों के उज्ज्वल, स्थायी और सफल करियर की पहली सीढ़ी है। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें अनुशासन, उत्कृष्ट शिक्षा, कौशल विकास तथा राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर वित्त निदेशक सीए युवराज सिंह, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. शिल्पा रैना, डॉ. पुष्पा मेदू, डॉ. अश्विन सक्सेना, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. योगेश्वर शर्मा, रीना जोशी, डॉ. अनिल जायसवाल, मेरठ परिसर के निदेशक डॉ. पंकज सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हरप्रीत कौर एवं अखिल कुमार ने किया।

यूपी मानसून सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग पर अड़ा विपक्ष, कहा- सरकार की मुद्दों से भागने की कोशिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया, लेकिन इसकी अवधि को लेकर लगातार सियासी घमासान जारी है। 3 से 6 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस चार दिवसीय सत्र पर विपक्ष ने कड़ा ऐतराज जताया और सरकार से इसकी अवधि बढ़ाने की मांग की। विपक्ष का कहना है कि प्रदेश से जुड़े कई अहम मुद्दे हैं, जिन पर चर्चा के लिए चार दिन का समय पर्याप्त नहीं है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि पिछले कई वर्षों से अनुपूरक बजट वाला सत्र इसी अवधि का होता आया है और सभी दलों को नियमों के तहत अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलेगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने सरकार से सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग की। उनका कहना है कि इतने कम समय में जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर गंभीर चर्चा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विधानसभा जनता की आवाज उठाने का सबसे बड़ा मंच है और सरकार को पर्याप्त समय देना चाहिए। समाजवादी पार्टी के विधायक तूफानी सरोज ने कहा कि सदन में सरकार को घेरने के लिए कई महत्वपूर्ण मुद्दे मौजूद हैं, लेकिन सत्र का समय बेहद कम रखा गया है। उन्होंने कहा कि दान राशि में कथित हेराफेरी, पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें, बिजली संकट और खराब ट्रांसफार्मरों जैसे मुद्दों पर जनता जवाब चाहती है। कई इलाकों में ट्रांसफार्मर जलने के बाद 10 से 15 दिनों तक नहीं बदले जा रहे हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सपा विधायक संदीप सिंह पटेल ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सत्र केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। प्रदेश का किसान खाद के लिए परेशान है, युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं और राज्य कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार नहीं चाहती कि इन मुद्दों पर सदन में खुलकर बहस हो। वहीं, समाजवादी पार्टी के विधायक कमाल अख्तर ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों, युवाओं, पेपर लीक, कानून-व्यवस्था, महंगाई और आरक्षण जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है। उनका कहना है कि सीमित अवधि का सत्र विपक्ष की आवाज को कमजोर करने की कोशिश है। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि पिछले 25 से 30 वर्षों का रिकॉर्ड देखा जाए तो अनुपूरक बजट वाले सत्र की अवधि लगभग इतनी ही रही है। उन्होंने कहा कि इस बार कोई असामान्य स्थिति नहीं है।

आगरा में हॉरर किलिंग, कोर्ट मैरिज से नाराज पिता ने पुत्री की गला घोंटकर की हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

आगरा/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगरा के जैतपुर थाना क्षेत्र से सोमवार को एक हॉरर किलिंग की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बेटी के कोर्ट मैरिज से नाराज पिता ने उसकी गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी। यह पूरा मामला जैतपुर थाना क्षेत्र के नदगवां मार्ग का है। दरअसल, 22 वर्षीय युवती ने परिजनों की मर्जी के खिलाफ जाकर छह माह पूर्व कोर्ट मैरिज की थी। युवती के कोर्ट मैरिज करने से उसके परिजन काफी नाराज थे। इसे लेकर परिजनों पर युवती की गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसी के साथ घटनास्थल पर पहुंची फॉरेंसिक टीम साक्ष्य जुटाने में जुटी है। मामले को लेकर आगरा ईस्ट जोन के डीसीपी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि यह पूरा मामला थाना जैतपुर के प्रताप नगर मोहल्ले का है। सोमवार सुबह 5 बजे पुलिस को यह सूचना प्राप्त हुई थी कि विमल शर्मा नामक एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री की हत्या कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर युवती के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। वहीं, वादी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने युवती के पिता के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दी। इसके बाद ही मृतका के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने बताया कि उसकी पुत्री ने कुछ माह पहले परिजनों की मर्जी के खिलाफ जाकर कोर्ट मैरिज की थी। इससे वह असंतुष्ट था और इसी आक्रोश में उन्होंने अपनी पुत्री की हत्या कर दी। पुलिस की ओर से मामले की विधिवत जांच जारी है। इसके साथ ही पुलिस हत्या के मामले में अन्य लोगों के शामिल होने की भूमिका की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

श्रावण के प्रथम सोमवार पर शिवभक्ति में लीन दिखे डीएम डॉ. नितिन गौड़

अमरोहा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कलेक्ट्रेट कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर जनपदवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि श्रावण मास आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रथम सोमवार को लेकर जनपद के सभी प्रमुख शिवालयों में व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। डीएम ने बताया कि मंदिर परिसरों एवं संपर्क मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कराई गई है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रमुख शिवालयों और संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण के प्रभावी इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण में भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर सकें।

औरैया : श्रावण के पहले सोमवार पर देवकली मंदिर पहुंचे एसपी

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में श्रावण मास के प्रथम सोमवार का पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित प्राचीन देवकली मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रमुख चौराहों, कांवड़ मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों का भ्रमण कर पुलिस व्यवस्था का निरीक्षण किया। एसपी ने ड्रोन कैमरों के माध्यम से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस अवसर पर औरैया पुलिस ने आमजन एवं मीडिया से भी सहयोग की अपील की। पुलिस ने कहा कि यदि सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफॉर्म पर कोई आपत्तिजनक या भ्रामक पोस्ट दिखाई दे, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस मीडिया सेल के सीयूजी नंबर 9454402899 एवं 6263594509 पर दें, ताकि संबंधित के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

श्रावण शिवरात्रि कांवड़ मेलाः जिला पंचायत ने तेज की तैयारियां, प्रमुख मार्गों पर होगी रोशनी और उउळ्र निगरानी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। श्रावण शिवरात्रि कांवड़ मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जिला पंचायत ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी आईपी कैमरे तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं कराई जा रही हैं, जिससे लाखों शिवभक्तों को निर्बाध एवं सुरक्षित यात्रा का लाभ मिल सके। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि नजीबाबाद, कोतवाली, नहटौर, नूरपुर और मोहम्मदपुर देवमल विकास खंडों के विभिन्न कांवड़ मार्गों पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था स्थापित की जा रही है। इनमें मोटा महादेव मंदिर-जटपुरा बौंडा मार्ग, नजीबाबाद बाईपास-कन्या गुरुकुल मार्ग, भागूवाला-जटपुरा खास मार्ग, भागूवाला पुलिस चौकी से चिड़ियापुर बॉर्डर, सरवनपुर-गुनियापुर मार्ग, चंदक-मंडावर-बिजनौर मार्ग, रायपुर रोड, बुंदकी-नगीना मार्ग, आदेश नगर चौकी से बुंदकी तथा नहटौर-सतरूद्दीन नगर और कुंडा-बल्दाना से नूरपुर तक के मार्ग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर अस्थायी सीसीटीवी आईपी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। भागूवाला-मोटा महादेव मार्ग, कोतवाली रोड तथा बुंदकी-नगीना मार्ग सहित प्रमुख स्थलों पर कैमरों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी। अपर मुख्य अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 में भी जिला पंचायत द्वारा कांवड़ मेले के दौरान प्रकाश व्यवस्था एवं सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की गई थी। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या और आवश्यकता को देखते हुए व्यवस्थाओं का दायरा बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत का उद्देश्य कांवड़ यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है। सभी कार्य समयबद्ध ढंग से कराए जा रहे हैं ताकि श्रावण शिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री व सांसद से जुड़ा कथित आपत्तिजनक पोस्ट वायरल करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

बिजनौर। थाना हल्दौर पुलिस ने प्रधानमंत्री एवं सांसद से संबंधित कथित फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वायरल सामग्री से जनभावनाएं प्रभावित होने तथा शांति व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 2 अगस्त को सूचना मिली कि थाना हल्दौर क्षेत्र के ग्राम नांगल जट्ट निवासी योगेंद्र चौधरी उर्फ बिट्टू, पुत्र धीरज सिंह, ने फेसबुक के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं सांसद से संबंधित कथित फोटो एवं वीडियो प्रसारित किए हैं। पुलिस का कहना है कि इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना उत्पन्न हुई। सूचना के आधार पर थाना हल्दौर में मुकदमा अपराध संख्या 190/2026 दर्ज किया गया। प्रेस नोट के अनुसार आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 353(2)/(3) तथा आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संदीप कुमार तथा कांस्टेबल विशाल तोमर शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

विधान परिषद में सपा ने उठाया राम मंदिर दान चढ़ावे की चोरी का मामला ,सदन की कार्यवाही दो बार हुई स्थगित

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के दानपात्र से चोरी का मामला वित्तीय अनियमितताओं और व्याप्त भ्रष्टाचार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मानसून सत्र में सोमवार को प्रश्न प्रहर के बाद प्रमुख विपक्ष समाजवादी पार्टी (सपा) ने कार्य स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से उठाया। मामले को लेकर नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष के कार्य स्थगन के नोटिस का उत्तर देने की कोशिश की। इस पर विपक्ष सपा सदस्यों ने विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी और सदन के फर्श पर आ गए। स्थिति को लेकर लगातार व्यवधान के कारण सभापति मानवेंद्र सिंह ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान नियम 105 के अंतर्गत विपक्ष के नेता लाल बिहारी यादव, किरण पाल कश्यप ने कहा कि दान की वस्तु सामग्री का हरण करना पाप होता है। मामले में सरकार पुलिस की कार्यवाही लचर, नाकाफी रही है। सिर्फ छोटे लोगों के विरुद्ध कामचलाऊ कार्यवाही की गई है। नेता विपक्ष लाल बिहारी यादव का कहना था कि केंद्र द्वारा गठित श्रीराम जन्म भूमि मंदिर ट्रस्ट के 15 सदस्यों में 12 राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े हैं, जबकि तीन यूपी सरकार के प्रतिनिधि हैं। विपक्ष का आरोप रहा कि सरकार द्वारा सशक्त और निष्पक्ष जांच न होने से लोगों में चोरी की वारदात के प्रति रोष विद्यमान है। लोग आंदोलित हैं। निमोर्ही अखाड़े द्वारा मंदिर निर्माण के लिए कई सौ करोड़ रुपये दान चंदा में प्राप्त हुए, उसको लोगों ने हड़प लिया है।

यूपी में गंगा स्नान के दौरान हादसा : तेज बहाव की चपेट में आए तीन कांवड़िए, एक सुरक्षित, दो की तलाश जारी

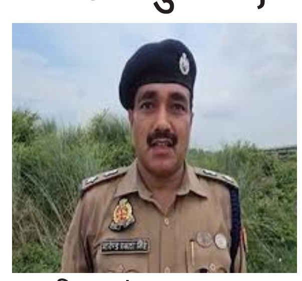

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। सावन के पवित्र माह के पहले सोमवार के दिन गंगा स्नान एक परिवार के लिए दर्दनाक हादसे में बदल गया। दरअसल, हरदोई के अरवल थाना क्षेत्र स्थित कुसुमखोर गंगा घाट पर स्नान करने के दौरान नदी के तेज बहाव की चपेट में तीन कांवड़िए आ गए। घाट पर मौजूद ग्रामीणों की बहादुरी से एक युवक की जान बचाई गई, जबकि दो कांवड़िए लापता हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू कर दिया गया। मामले को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक, अरवल थाना क्षेत्र के चौसार गांव निवासी नारद, ऋषि और शिवम सोमवार को कन्नौज के प्रसिद्ध गौरी शंकर मंदिर में गंगाजल अर्पित करने गए थे। पूजा-अर्चना के बाद लौटते समय तीनों कुसुमखोर गंगा घाट पर स्नान करने लगे। तभी गंगा नदी के तेज बहाव में उनका संतुलन बिगड़ गया और तीनों डूबने लगे। घाट पर मौजूद ग्रामीणों ने बिना देर किए साहस का परिचय देते हुए शिवम को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन नारद और ऋषि तेज धारा में बह गए। सूचना मिलते ही सवायजपुर के उप जिलाधिकारी अंकित तिवारी, थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह, नायब तहसीलदार राजेश कुमार पटेल, फायर इंस्पेक्टर चौहान गौतम सहित पुलिस, प्रशासन और फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। गोताखोरों की मदद से दोनों लापता कांवड़ियों की तलाश लगातार जारी है। हादसे के बाद घाट पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि गंगा के तेज बहाव वाले क्षेत्रों में स्नान करते समय पूरी सावधानी बरतें और सुरक्षा निदेशों का पालन करें। घटना को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी (पुलिस ग्रुप), मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे थाना क्षेत्र अरवल के कुसुमखोर घाट पर थाना क्षेत्र चौसार के ही रहने वाले तीन बच्चे नारद, ऋषि और शिवम स्नान कर रहे थे।

कानपुर : कमरे में मिला पेंट कारोबारी का शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में बर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक मकान के कमरे में सोमवार को पेंट कारोबारी का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक की पहचान अनुराग बघेल (40) के रूप में हुई। वह विश्वबैंक ए-1 ब्लॉक में रहकर पेंट का कारोबार करते थे। परिवार में पत्नी प्रियंका और दो बच्चे हैं। परिजनों के अनुसार, पत्न ी बच्चों की पढ़ाई के कारण पिछले करीब छह महीने से दिल्ली में रह रही थीं, जबकि पति अनुराग घर पर अकेले रह रहे थे। आज मकान की पहली मंजिल पर किराये पर रहने वाली युवती को कमरे से दुर्गंध आती महसूस हुई। उसने जाकर देखा तो दरवाजा खुला था और मकान मालिक अनुराग बिस्तर पर पड़े थे। इसके बाद उसने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। कोतवाल ने बताया कि परिजनों से पता चला है कि मृतक अनुराग को अंतिम बार 30 जुलाई की शाम घर के बाहर टहलते हुए देखा गया था। उसके बाद उनसे किसी की मुलाकात नहीं हुई। मौके पर फोरेंसिक टीम के साथ थाना पुलिस ने साक्ष्य एकत्र किए हैं और शव को पोस्टमार्टम भेज दिया है। थाना प्रभारी के मुताबिक, पेंट कारोबारी की मौत प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से होना प्रतीत हो रही है। हालांकि शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी, जिसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विजय बहादुर पाठक ने की लोक अदालत की तर्ज पर राजस्व जन अदालत शुरू करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने प्रदेश में लोक अदालत की तर्ज पर राजस्व जन अदालत शुरू करने की मांग की है। सोमवार को विधान परिषद में नियम 115 के तहत लोक महत्व के इस सुनिश्चित अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए विजय बहादुर पाठक ने कहा कि प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथनाथ के कुशल नेतृत्व में आमजन के हित में लिए जा रहे फैसलो के कारण राजस्व संबंधी मामलो में आशातीत सफलता मिल रही है। घरौनी का वितरण हो या भूमि विवाद संबंधित प्रकरण अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए समाधान निकाले जा रहे है। किन्तु नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, कब्जा, बेदखली सर्वजनिक सम्पतियों पर अवैध ढंग से कब्जे आदि से संबंधित वाद बडी.संख्या में लंम्बित हैं। इन मामलों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश भी है किन्तु उपजिलाधिकारी, तहसीलदार नायब तहसीलदारों पर अत्यधिक प्रशासनिक दायित्वों का भार होने के कारण वर्षों से लंबित वादों के निस्तारण की गति मंद है। जिस कारण इसका प्रतिकूल प्रभाव किसानों गरीबों पर पड़ रहा है। वे अनावश्यक रूप से परेशान हो रहे हैं। कई बार भूमि संबंधीत विवाद इस सीमा तक बढ जा रहे है कि वे कानून व्यवस्था तक के लिए चुनौती बन जाते है। इसलिए प्रदेश में राजस्व न्यायालयों में लंम्बित वादों के समयबद्ध निस्तारण के लिए लोक अदालत की तर्ज पर ह्लराजस्व जन अदालतह्व शुरू करने की ठोस कार्य योजना बनाये जाने की आवश्यकता है। नियम- 59 के अन्तर्गत सदन में बोलते हुए विजय बहादुर पाठक ने कहा कि वाराणसी में स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक बौद्ध स्थल सारनाथ को 25 जुलाई 2026 को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को की विष्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान ह्लह्ल यूनेस्को विष्व धरोहर सूचीह्लह्ल में शामिल किया गया है। सारनाथ बौद्ध परम्परा पवित्र स्थल के रूप में सार्वभौमिक मान्यता प्रादत्त है। यह सदन सारनाथ को यूनेस्को विष्व धरोहर सूची में शामिल होने पर गर्व करता है तथा इसके लिए लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के प्रति कृतज्ञता पूर्वक धन्यवाद ज्ञापित करता है।

आधारित टीडी-डीपीटी टीकाकरण से कोई भी पात्र बच्चा वंचित न रहे : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में टीडी-डीपीटी टीकाकरण अभियान के तहत कोई भी पात्र बच्चा टीके से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी विद्यालय, मदरसे, शिक्षक और अभिभावक मिलकर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें। यह बातें सोमवार को छावनी परिषद स्कूल, फेथफुलगंज में स्कूल आधारित टीडी-डीपीटी टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं। जनपद में तीन से सात अगस्त तक स्कूल आधारित टीडी-डीपीटी टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत कक्षा पांच से 12 तक के लगभग 60 हजार विद्यार्थियों को टिटनेस, डिप्थीरिया और काली खांसी जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए टीके लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने एक छात्रा को टीका लगवाकर अभियान का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन्म से पांच वर्ष तक के नियमित टीकाकरण के बाद पांच, 10 और 16 वर्ष की आयु में लगने वाले बूस्टर डोज भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि टीडी-डीपीटी टीका पूरी तरह सुरक्षित, वैज्ञानिक और निःशुल्क है तथा प्रत्येक पात्र बच्चे तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने बताया कि अभियान जनपद के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त, निजी विद्यालयों और मदरसों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डिप्थीरिया, काली खांसी और टिटनेस जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस.पी. यादव ने बताया कि अभियान के लिए शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया है और सभी पात्र विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराने का लक्ष्य रखा गया है। अभिभावकों से बच्चों को निर्धारित तिथि पर विद्यालय भेजने की अपील की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार टीकाकरण पूरी तरह निःशुल्क है। किसी भी जानकारी के लिए सीएमओ कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। अभिभावक हेल्पलाइन नंबर 9335301096 पर संपर्क कर टीकाकरण संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय प्रशासन और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अखिलेश यादव राम-राम कहें, तभी होगा कल्याण : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह

- **सम्पूर्ण वंदेमातरम से अह्लादित हुआ मन, भारत माता का वंदन हमारी संस्कृति : पशुधन मंत्री**
- **गौ हमारी माता, गौसेवा से ही समृद्ध होगा भारत, जंतर-मंतर की अराजकता पर होगी कार्रवाई**

प्रात : किरण संवाददाता

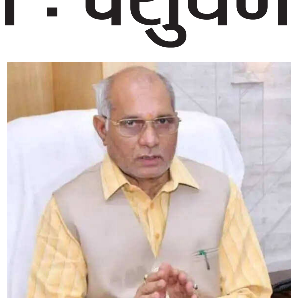

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि आजादी के 78 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश विधानमंडल में पहली बार सम्पूर्ण वंदेमातरम का गायन हुआ है। यह ऐतिहासिक क्षण है और इससे उनका मन अत्यंत अह्लादित हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत माता की जय-जयकार, पूजन और वंदन भारतीय संस्कृति की मूल भावना है और इसका सम्मान हर भारतीय का कर्तव्य है। मंत्री धर्मपाल सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें प्रभु श्रीराम की शरण में आ जाना चाहिए। जब अखिलेश राम-राम कहकर वोट मांगेंगे, तभी उनका कल्याण होगा। मंत्री ने कहा कि अच्छी बात है कि आज पूरा विपक्ष हिंदू-हिंदू कह रहा है। उन्होंने कहा कि श्रीराम का स्मरण व्यक्ति के जीवन में सद्भाव और सकारात्मकता लाता है। मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान और नियमों के अनुरूप सदन चलाती है, जबकि विपक्ष के पास विकास का कोई मुद्दा नहीं बचा है। भाजपा विकास चाहती है, विपक्ष विनाश की राजनीति कर रहा है। अखिलेश यादव का उद्धार राम-राम कहने से ही होगा।

पूर्ववर्ती सरकार के समय गौवंश की उपेक्षा हुई

प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि गाय हमारी माता है और उसका दूध अमृत के समान है। योगी सरकार गौवंश संरक्षण, संवर्धन और देशी नस्लों के सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि और भारतीय संस्कृति की आधारशिला है।

हल्दौर व भागूवाला में चकबन्दी प्रक्रिया पूर्ण, धारा-52(1) की अधिसूचना जारी

बिजनौर ।जनपद बिजनौर के ग्राम हल्दौर (तहसील बिजनौर) तथा भागूवाला (तहसील नजीबाबाद) में चकबन्दी की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश चकबन्दी अधिनियम, 1953 की धारा-52(1) के अंतर्गत अधिसूचना शासकीय गजट में प्रकाशित कर दी गई है। डिप्टी कलेक्टर एवं बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी ने बताया कि अधिसूचना संख्या 1428/जी-123/58-88(1) दिनांक 10 अप्रैल, 2026 के क्रम में 18 जुलाई, 2026 को शासकीय गजट में प्रकाशन किया गया। अधिसूचना के प्रकाशन के साथ ही दोनों गांवों में चकबन्दी की कार्यवाही विधिवत पूर्ण मानी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब संबंधित ग्रामों के भूमि अभिलेखों का अद्यतन नियमानुसार किया जाएगा। चकबन्दी प्रक्रिया पूर्ण होने से किसानों को अद्यतन राजस्व अभिलेख उपलब्ध होंगे तथा भूमि संबंधी प्रशासनिक कार्यों में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही भविष्य में भूमि विवादों में कमी आने और कृषि प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित बनाने में भी सहायता मिलने की उम्मीद है। प्रशासन ने बताया कि चकबन्दी पूर्ण होने के बाद सभी आवश्यक राजस्व अभिलेख नियमानुसार अद्यतन किए जाएंगे, जिससे भूमि स्वामित्व से जुड़े रिकॉर्ड अधिक स्पष्ट एवं व्यवस्थित हो सकेंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

मैं वापस आऊंगा के बाद फिर साथ में काम करने के लिए तैयार शरवरी और वेदांग रैना?

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है।

प्री-प्रोडक्शन आखिरी स्टेज में

लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके।

सब कुछ सही चल रहा है

प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं।

लीड जोड़ी की वापसी

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।

इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। उनके एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने 'मित्रा मंडली' और 'इधयम मुरली' में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं।

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल लीड रोल में हैं और निहारिका उनकी लव-इंटरेस्ट के रोल में हैं। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। निहारिका का कहना है कि उनके लिए फिल्मी सफर आसान नहीं था। उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा।

हीरो की शर्त के चक्कर में छोड़नी पड़ी फिल्म

निहारिका के मुताबिक, 'मुझे रिजेक्ट किए जाने के कई कारण थे। अब सोचने पर यह सब बहुत मजेदार लगता है'। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे। उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह उनका फैसला था। फिर स्थिति ऐसी बन गई कि या तो यह करो या वह'। इसके बाद उन्होंने वह फिल्म छोड़नी पड़ी।

शुरुआती सफर कैसा रहा?

निहारिका एनएम ने मायानगरी में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। उन्होंने बताया, 'जब मैं तीन-चार साल पहले मुंबई आई थी, तो मैंने एक प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। मैं फिल्म स्कूल गई थी और मेरा थिएटर का बैकग्राउंड भी है। वे आगे कहती हैं, 'मैं एक्टिंग में हाथ आजमाना चाहती थी। मुझे नहीं पता था कि यह कहां तक जाएगा या मैं असल में क्या करना चाहती हूं। बस इतना पता था कि मुझे इसमें मजा आता है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं'। हालांकि, बाद में उन्होंने बॉलीवुड में करियर बनाने का विचार छोड़ दिया और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में ऑडिशन देने पर फोकस किया।

इस बात का अब तक है अफसोस

निहारिका ने कहा, 'मैंने पहले हिंदी फिल्मों में कोशिश की थी, लेकिन मुझे महिलाओं के लिए तय किए गए मानक पसंद नहीं आए। जैसे कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए या उनकी स्किन टोन कैसी होनी चाहिए'। निहारिका कहती हैं, 'मुझे लगा कि यह वह जगह नहीं है, जहां मुझे मुकाबला करना चाहिए। यह बहुत भीड़-भाड़ वाली जगह भी थी'। इसके बाद उन्होंने कार्तिक सुब्बाराज के प्रोडक्शन हाउस, 'स्टोन बेंच फिल्म्स' के साथ तीन फिल्मों का करार किया। निहारिका बताती हैं, 'लेकिन उनके साथ ट्रेनिंग के दौरान, मैंने साउथ की कुछ बहुत अच्छी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई की। मुझे तो यकीन ही नहीं हुआ। मैं कॉन्ट्रैक्ट से बंधी हुई थी। मुझे इसका बहुत अफसोस रहेगा, लेकिन जिन लोगों ने वे फिल्में कीं, उनके लिए मैं खुश हूं। फिर, एक बार जब कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया, तो मुझे कोई रोक नहीं पाया। फिर तो मैंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में जमकर काम किया'।

ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जहां मैं सिर्फ 'फर्नीचर' न बनूं

अब एक्ट्रेस अविका गौर ऐसे रोल करना चाहती हैं जहां उन्हें सिर्फ स्क्रीन पर दिखने के लिए नहीं, बल्कि अपनी एक्टिंग दिखाने का मौका मिले।

लोग मुझसे अच्छी एक्टिंग की उम्मीद करते हैं

बातचीत में अविका ने कहा कि अब वह स्क्रिप्ट और किरदार चुनते समय ज्यादा ध्यान रखती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग मुझसे अच्छी एक्टिंग की उम्मीद करते हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं जहां मुझे परफॉर्म करने का मौका मिले, जहां मैं दिखा सकूं कि मैं एक एक्टर के तौर पर क्या कर सकती हूं। मैं ऐसे रोल नहीं करना चाहती जहां मैं फिल्म में सिर्फ 'फर्नीचर' बनकर रह जाऊं। इसलिए मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट और सही किरदार चुनने पर ध्यान दूंगी।'

'बालिका वधू' को लेकर बोलीं अविका

अविका गौर को बालिका वधू से खास पहचान मिली थी। इतने समय बाद भी लोग उन्हें आनंदी के रूप में याद करते हैं, जिस पर अविका खुद को खुशकिस्मत मानती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगता है। ऐसा लगता है कि मैंने कुछ खास किया है।'

अविका अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आने वाली हैं। उन्होंने बताया कि यह शो हमेशा की तरह काफी मुश्किल और चैलेंजिंग है। उन्होंने कहा, 'ये शो आसान नहीं है। बहुत मुश्किल होता है। लेकिन मेरे लिए मेरा पिछला सीजन ज्यादा कठिन था। उस समय जो स्टंट मिले थे, वो मेरे लिए ज्यादा डरावने थे।' अविका ने आगे बताया कि इस बार स्टंट उतने डरावने नहीं लगे, लेकिन बाकी कंटेस्टेंट्स को देखकर वह इमोशनल हो जाती थीं। उन्होंने कहा, 'जब मैं दूसरों को स्टंट करते देखती थी, तो बहुत इमोशनल हो जाती थी। कई लोग घायल हो रहे थे या इमोशनल ब्रेकडाउन हो रहा था, ये सब देखना आसान नहीं था।' 'खतरों के खिलाड़ी 15' को फिल्ममेकर रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। यह शो कलर्स और जियो होटस्टार पर प्रसारित होगा।

आइकॉनिक गाने को रीक्रिएट करना आसान नहीं होता

90 के दशक के कई गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इनमें से एक है फिल्म 'करण अर्जुन' का मशहूर गीत 'मुझको राणाजी माफ करना', जिसने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। अब इस सदाबहार गाने को नए अंदाज में 'राणाजी 2.0' के नाम से पेश किया गया है। नए वर्जन में अभिनेत्री माहिरा शर्मा नजर आ रही हैं। इस पर माहिरा का कहना है कि इतने लोकप्रिय गाने को रीक्रिएट करना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही बहुत बड़ी थीं। माहिरा शर्मा ने कहा, ''जब आप किसी आइकॉनिक गाने से जुड़ते हैं तो थोड़ा दबाव जरूर होता है, क्योंकि उन गानों से लोगों की पुरानी यादें जुड़ी होती हैं। मेरी कोशिश रही कि मैं अपनी अलग एनर्जी लेकर आऊं, लेकिन गाने की असली पहचान और एहसास को भी बरकरार रखूं।'' उन्होंने कहा, '''राणाजी 2.0' की म्यूजिक, कोरियोग्राफी और वीडियो का पूरा लुक मिलकर एक नया अनुभव देता है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह पूरी टीम ने इस गाने को बनाते समय आनंद लिया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर खूब पसंद करेंगे।'' इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांस डायरेक्टर रेमो डिसूजा ने की है। उन्होंने कहा, ''समय के साथ डांस का अंदाज काफी बदल गया है और यही बात 'राणाजी 2.0' को खास बनाती है। हमारी कोशिश थी कि गाने के विजुअल्स नए और मनोरंजक हों, लेकिन उसकी पुरानी पहचान भी बनी रहे। हम चाहते थे कि जिन्होंने सालों से इस गाने को पसंद किया है और जो पहली बार इसे सुन रहे हैं, दोनों ही इसे देखने का आनंद लें।''

वहीं, संगीतकार तनिष्क बागची ने कहा, ''किसी क्लासिक गाने को नए रूप में तैयार करना आसान नहीं होता। जब किसी पुराने लोकप्रिय गाने पर काम करते हैं तो सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसकी एहसास को सुरक्षित रखना होता है। इस गाने की धुन और आवाज की अपनी अलग विरासत है। मेरा पूरा ध्यान इसे नया साउंड देने पर था, लेकिन इस तरह कि लोगों को वही पुरानी यादें भी महसूस हों। मैं चाहता था कि यह आज के दौर के हिसाब से भी ताजा लगे और साथ ही लोगों को याद दिलाए कि यह गाना आखिर इतना क्लासिक क्यों बना।'' 'राणाजी 2.0' को टिप्स म्यूजिक ने रिलीज किया है। इस नए वर्जन में इला अरुण और अलका याज्ञनिक की आवाज को बरकरार रखा गया है। यह गाना आधुनिक संगीत और पुराने जादू का मेल बनकर सामने आया है।

'मुझको राणाजी माफ करना' साल 1995 में आई सुपरहिट फिल्म 'करण अर्जुन' का हिस्सा था। इस फिल्म में शाहरुख खान, सलमान खान, राखी, काजोल और ममता कुलकर्णी जैसे कलाकार नजर आए थे।

कई कास्टिंग वालों ने मुझे ब्लैकलिस्ट कर दिया था

दिव्येंदु बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के, एक नॉन फिल्मी परिवार से आते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनका यह सफर आसान भी नहीं रहा है। फिल्मी दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। फिर चाहे आप भले ही कितने टैलंटेड हैं। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से एक्टिंग सीखकर आए दिव्येंदु को भी रिजेक्शन के लंबे दौर से गुजरना पड़ा। यही नहीं, साल 2011 में 'प्यार का पंचनामा' से वाहवाही बटोरने के बावजूद अपने अपने हिस्से की लाइमलाइट के लिए 2018 का इंतजार करना पड़ा, जब 'मिर्जापुर' आई। बीते दिनों वेब सीरीज 'ग्लोरी' और फिल्म 'पेद्दी' में तारीफ पाने के बाद अब वह आगे 'मिर्जापुर : द मूवी' में फिर से मुन्ना भैया बनकर आ रहे हैं।

पिछले दिनों आई सीरीज 'ग्लोरी' में देव के किरदार के लिए सराहे गए दिव्येंदु बताते हैं, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी। तब एक ही पैटर्न पर फिल्में बनती थीं। कुछ जब हिट हो जाता था तो वैसी ही कहानियां और बनने लगती थीं। कास्टिंग जैसा प्रॉसेस तब बिल्कुल नहीं था। आज जैसे कास्टिंग डायरेक्टर तब होते नहीं थे, तो बड़ी मुश्किल होती थी कि जाएं तो जाएं कहां।'

कोविड महामारी से एक अच्छी चीज हुई

दिव्येंदु कहते हैं, 'कोई गॉडफादर नहीं हैं इंडस्ट्री में, किसी से जान पहचान नहीं है। मैं थिएटर और फिल्म स्कूल से एक्टिंग सीखकर आया था। कई बार जब ऑडिशन में बताया जाता था कि सीन को ऐसे ही करना है तो कई मौकों पर ये लड़ाई होती थी कि जब तुम ही बताओगे कि सीन कैसे करना है, तो मेरा टैलंट कहां है? सच कहूं तो कोविड महामारी वैसे तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, पर जैसे सागर मंथन से कुछ अच्छी, कुछ बुरी चीजें भी निकलती है। उसमें अच्छी चीज ये हुई कि लोगों ने अलग-अलग तरह की चीजें देखनी शुरू की।'

शुरआत में रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था दर्शकों के बदले रुझान पर बात करते हुए वह कहते हैं, 'कोविड से पहले, एक सेट थाली मिलती थी कि दाल, चावल, रोटी, सब्जी, यही फिल्म है। एक गाना होगा, ये इमोशन सीन है, ये बदला होगा, लेकिन महामारी के दौरान लोगों ने दुनिया भर का सिनेमा देखा, जिससे यहां भी अलग-अलग तरह की चीजें भी बनने लगीं। उसका बहुत फायदा मिला। मेरे करियर के शुरुआती दौर में ये चीजें नहीं थीं, तो रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था।'

गुस्सा आता था, लड़ता भी था

दिव्येंदु आगे बताते हैं उनके संघर्ष का दौर खासा निराशाजनक था। बकौल दिव्येंदु, 'ऑडिशन में ज्ञान देने वालों पर मुझे बहुत गुस्सा आता था। मेरी बहुत लड़ाइयां भी होती थीं और मैं कई जगह से ब्लैकलिस्टेड भी था। तब खुद पर विश्वास बनाए रखने के लिए मैं मिर्जा गालिब का एक शेर है, 'बाज़ीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज़ तमाशा मिरे आगे।', मैं वो पढ़ता था और मैं खुद से यही बोलता था कि अरे, इन लोगों को समझ नहीं है कि मैं कौन हूं। इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए खुद पर यह भरोसा जरूरी है।'

मुन्ना भैया ने मेरी टाइप कास्टिंग तोड़ी है

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का मुन्ना भैया हो या पिछली सीरीज 'ग्लोरी' का देव, दिव्येंदु डार्क किरदारों में ज्यादा नजर आते हैं। यह टाइप कास्टिंग है या उनकी चॉइस, यह पूछने पर वह कहते हैं, 'मुझे तो लगता है कि मुन्ना के बाद मुझे ज्यादा अलग-अलग किरदार ऑफर हुए। 'अग्नि', 'मडगांव एक्सप्रेस', 'लाइफ हिल गई' जैसे अलग-अलग काम मिले, तो मेरे लिए मुन्ना भैया ने टाइप कास्टिंग तोड़ी। वरना उससे पहले मैं कॉमेडी ही कर रहा था। जबकि, कॉमेडी मुझे ज्यादा मुश्किल लगती है। मेरी जो थिएटर में ट्रेनिंग रही है, फिल्म इंस्टीट्यूट में जो मेरी पढ़ाई रही है, मुझे ड्रामा, हैवी किरदार करना ज्यादा पसंद है।'

बीवी ने बताया कि तुम बदल गए हो

डार्क किरदार कई बार कलाकार के निजी व्यक्तित्व पर भी हावी हो जाते हैं। इस बारे में दिव्येंदु खुद का अनुभव साझा करते हैं, 'कुछ किरदार आप पर बहुत गहरी छाप छोड़ जाते है, जिससे निकलना मुश्किल होता है। मुन्ना के बाद ऐसा हुआ था कि मेरे बर्ताव में बदलाव आने लगे थे और मुझे यह अहसास भी नहीं हुआ। मेरी वाइफ आकांक्षा ने मुझे ध्यान दिलाया, तब मुझे लगा कि मैं अलग बिहेव कर रहा हूं तो हां, डार्क किरदार निभाते वक्त हर एक्टर को थोड़ा ध्यान रखना चाहिए। अगर कोई किरदार आपको बहुत डिस्टर्ब करता है तो उससे खुद को थोड़ा से दूर रखें। मैं इससे निकलने के लिए हॉलिडे पर गया। लुक बदलने से मुझे बहुत ज्यादा फर्क पड़ा।'

संक्षिप्त समाचार

सोने-चांदी के भाव में आई तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर सोमवार, 3 अगस्त की सुबह सोने और चांदी के दाम बढ़त के साथ खुले। इस तेजी की मुख्य वजह

अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ सोमवार को बातचीत किए जाने की घोषणा के बाद तेल के दाम में तेज गिरावट दर्ज की गई। सुबह करीब 9:10 बजे एमसीएक्स पर गोल्ड के अक्टूबर फ्यूचर 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,43,557 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे थे। वहीं, चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 0.40 प्रतिशत चढ़कर 2,18,061 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गए। कच्चे तेल का बेंचमार्क 5 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर करीब 83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, डॉलर इंडेक्स 0.50 प्रतिशत फिसलकर 99.42 पर पहुंच गया, जिससे डॉलर में तय होने वाली सोने-चांदी की कीमतें दूसरी मुद्राओं के खरीदारों के लिए सस्ती हो गईं।

ट्रंप के बयान से बढ़ीं उम्मीदें

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अगस्त को कहा था कि ईरान के साथ बातचीत सोमवार को होगी, हालांकि उन्होंने किसी समझौते के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की। ट्रंप के इस बयान ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर उम्मीदें जगा दीं। इस समझौते से होर्मुज को फिर से खोलने और ईरान की परमाणु क्षमताओं को लेकर गतिरोध खत्म होने की संभावना है।

फेड की बैठक और ब्याज दरों पर संकेत

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने जुलाई नीति बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रखा, लेकिन निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया। रॉयटर्स के अनुसार, तीन अमेरिकी फेड अधिकारियों ने जुलाई बैठक में 25 आधार अंकों की ब्याज दर बढ़ोतरी के पक्ष में असहमति जताई थी। उन्होंने पिछले शुक्रवार को चिंता व्यक्त की कि अल्पकालिक उधार लागत में तत्काल बढ़ोतरी के बिना, महंगाई फेड के 2 प्रतिशत टार्गेट से ऊपर बनी रहेगी। पिछले पांच वर्षों से महंगाई फेड के 2 प्रतिशत टार्गेट से ऊपर चल रही है।

गोल्ड-सिल्वर को लेकर क्या कह रहे एक्सपर्ट्स

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के मुख्य अनुसंधान अधिकारी रवि सिंह ने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर नए सैन्य हमले को टालकर भू-राजनीतिक तनाव को कम किया है, जिससे तेल की कीमतों में करीब 7 डॉलर प्रति बैरल की तेज गिरावट आई है। ऊर्जा की कीमतों में नरमी से लगातार बढ़ती महंगाई की आशंका कम हुई है, जबकि डॉलर इंडेक्स 100 के स्तर से नीचे फिसलने से सोने को अतिरिक्त सपोर्ट मिला है।' अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष खत्म होना सोने की कीमतों के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि, ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना सोने के लिए एक बड़ी बाधा बनी हुई है। रवि सिंह के अनुसार जब तक सोना 1,40,000 रुपये के स्तर से ऊपर बना रहता है, तब तक गिरावट पर खरीदारी की रणनीति अपनाना बेहतर होगा। अगर यह स्तर पार हो जाता है, तो सोना 1,46,700 रुपये तक जा सकता है, जो 55-दिवसीय ईएमए के साथ मेल खाता है। मनोज कुमार जैन (पृथ्वीफिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च) के अनुसार एमसीएक्स पर सोने को 1,42,750 और 1,42,200 रुपये पर सपोर्ट है।

विदेशों में पढ़ाई पर बहुत खर्च होता है, नोएल टाटा ने प्रॉफिट वाले शिक्षण संस्थानों पर लगी पाबंदियों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने मुनाफा कमाने वाले शिक्षण संस्थानों पर लगी पाबंदियों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इन पाबंदियों की वजह से उस सेक्टर में निवेश कम होता है, जहां भारत को और ज्यादा अच्छे कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की जरूरत है। देश को कई वर्ल्ड-क्लास संस्थान बनाने चाहिए ताकि छात्रों को अच्छी शिक्षा और करियर के मौकों के लिए देश छोड़कर न जाना पड़े।

टाटा ने बेंगलुरु में आईआईएम के पूर्व छात्रों के सम्मेलन में कहा कि देश के टॉप संस्थानों में बहुत कम छात्रों को एडमिशन मिल पाता है, जिससे कई होनहार छात्रों को हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'हम हर साल बच्चों को अमेरिका और यूरोप भेजने में बहुत ज्यादा पैसा खर्च करते हैं।' उन्होंने कहा, 'अदालतों का कहना है कि ने कहा है कि कोई भी शिक्षण संस्थान मुनाफा कमाने वाला नहीं हो सकता, जो कि दुखद है। मुझे लगता है कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में और एजुकेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए आने वाला काफी पैसा रुक रहा है।' नोएल टाटा का बयान ऐसे समय आया है जब टाटा ट्रस्ट्स, बैंगलोर के साथ मिलकर अपना स्कूल ऑफ अंडरग्रेजुएट स्टडीज शुरू करने जा रहा है।

परोपकार मापने का तरीका

उन्होंने फिलनथ्रॉपी के प्रभाव को मापने के लिए ज्यादा सख्त तरीकों की भी मांग की। उन्होंने उन बड़े-बड़े दावों पर सवाल उठाए जिनमें कहा जाता है कि प्रोजेक्ट्स ने हजारों लोगों की जिंदगी को छुआ है लेकिन यह नहीं बताया जाता कि असल में उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा, 'जब हम कहते हैं कि 'किसी की जिंदगी को छूना', तो हमारा क्या मतलब होता है, इसे लेकर हमें साफ होना चाहिए।

टाटा ने कहा कि एजुकेशन टाटा ट्रस्ट्स के लिए एक अहम फोकस एरिया होगा। ट्रस्ट्स फिर से संस्थान बनाने के काम पर ध्यान देना चाहता ठीक उसी तरह जैसा उसने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च और टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के मामले में किया था। उन्होंने कहा, 'मैं नए संस्थान बनाने पर अपना और पैसा खर्च करना शुरू करना चाहता हूं।'

हॉस्पिटल बनाने की योजना

टाटा ट्रस्टस के लिए हेल्थकेयर भी एक और प्राथमिकता है। ट्रस्ट्स की योजना पूरे भारत में 40-50 जनरल हॉस्पिटल बनाने की है। उन्होंने कहा, 'हम अब यह देख रहे हैं कि क्या हम पूरे भारत में 40 या 50 जनरल-पर्पज हॉस्पिटल बना सकते हैं। हमने तीन स्थान चुने हैं। हम इस पर काम शुरू करने जा रहे हैं।' ये हॉस्पिटल बिना मुनाफे के आधार पर चलेंगे और इनका मकसद सरकारी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत मिलने वाली फ़ंडिंग के दायरे में काम करना होगा। ट्रस्ट्स एक क्रॉस-सब्सिडी मॉडल पर भी विचार कर रहा है। इसके तहत 20-30 प्रतिशत कमरों का किराया कमर्शियल रेट पर लिया जाएगा, जिससे बाकी मरीजों के इलाज के लिए सब्सिडी देने में मदद मिलेगी। टाटा ने कहा कि सभी मरीजों को एक जैसे डॉक्टर, दवाएं और ऑपरेशन थिएटर मिलेंगे। जो लोग ज्यादा पैसे देंगे, उन्हें मुख्य रूप से प्राइवेट कमरे और उनके परिवारों के लिए अतिरिक्त सुविधाएं मिलेंगी।

16 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन, जीएमपी दिखा रहा है 115 रुपये का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स आईपीओ पर दांव लगाने की होड़ सी मची हुई है। आईपीओ को दोपहर 12 बजे तक 16 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। ग्रे मार्केट में यह मेनबोर्ड आईपीओ शानदार प्रदर्शन कर रहा है। जिसकी वजह से मजबूत लिस्टिंग के संकेत मिल रहे हैं। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स आईपीओ पर दांव लगाने का आज आखिरी दिन है। यह आईपीओ 30 जुलाई को खुला था। निवेशकों के पास आज यानी 3 अगस्त तक का समय है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 400 रुपये से 425 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 34 शेयरों का बनाया गया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14450 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 29 जुलाई को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 130.50 करोड़ रुपये जुटाए थे। बता दें, कंपनी ने केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया है। इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 115 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। मौजूदा जीएमपी 27 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दिखा रहा है। कल के मुकाबले आज जीएमपी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सबसे अधिक जीएमपी 133 रुपये रहा है। और सबसे कम जीएमपी 60 रुपये रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये एक महीने के हाई पर

आरबीआई की एमपीसी से पहले कहां से मिली गुड न्यूज़

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की मीटिंग आज से शुरू हो रही है और इसमें लिए गए फैसलों की घोषणा 5 अगस्त को की जाएगी। इस बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह 8 जुलाई के बाद इसका उच्चतम स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से रुपये को सपोर्ट मिला।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

डॉलर हुआ कमजोर

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत टूटकर 99.74 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 470.06 अंक चढ़कर 78,564.70 अंक पर जबकि निफ्टी 150 अंक की बढ़त के साथ 24,532.95 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल स्टैंडर्ड ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 5.0 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.66 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 277.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इस बीच शेयर बाजार में आज लगातार चौथे सत्र में तेजी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 600 अंक और निफ्टी में 200 अंक की तेजी आई।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में रेकॉर्ड उछाल, दोपहिया का रजिस्ट्रेशन पहली बार 2 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री अब रफ्तार पकड़ने लगी है। जुलाई में मार्केट ने नया रिकॉर्ड बनाया। तेल की ऊंची कीमत, ज्यादा विकल्पों और बढ़ते डीलर नेटवर्क के बीच, सभी कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन 66 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर लगभग 3.3 लाख यूनिट हो गए। पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 2 लाख यूनिट से थोड़ा कम था। आंकड़ों के मुताबिक जून में देश भर में 3.1 लाख श्वङ्क रजिस्टर हुए थे। इस ग्रोथ में इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान रहा। जुलाई में पहली बार एक महीने में इनका रजिस्ट्रेशन 2 लाख का आंकड़ा पार कर गया। पिछले महीने इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन बढ़कर 2,04,201 यूनिट रहा जबकि जून में यह आंकड़ा लगभग 1.95 लाख था। पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 1.1 लाख यूनिट था। जुलाई में रजिस्टर हुईं सभी दोपहिया गाड़ियों

में इलेक्ट्रिक मॉडल की हिस्सेदारी लगभग 11.2 प्रतिशत रही। इससे पहले जून में यह 10.6 प्रतिशत थी। इस साल अब तक इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों का एवरेज मंथली रजिस्ट्रेशन बढ़कर लगभग 1.7 लाख यूनिट हो गया, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 1.1 लाख यूनिट था। कारों की बिक्री

हीरो मोटोकॉर्प के बिक्री जून के 21,893 यूनिट से बढ़कर जुलाई में 22,883 यूनिट रही जबकि ओला इलेक्ट्रिक के रजिस्ट्रेशन 16,249 से घटकर 14,102 यूनिट रह गए। हालांकि इलेक्ट्रिक पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री जुलाई में थोड़ी कम हुई है। जून में यह 33,441 यूनिट थी लेकिन जुलाई में 32,660 यूनिट रह गई। टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक कार और सेगमेंट में अपनी बढ़त बनाए रखी है।

पेपर लीक बिल पर लोकसभा में अखिलेश यादव का दमदार भाषण

दोपहिया ईवी में टीवीएस मोटर ने अपनी लीडरशिप बनाए रखी। जुलाई में कंपनी ने 55,465 इलेक्ट्रिक टू-वीलर रजिस्टर किए। जून में यह संख्या 47,418 थी। इसी तरह बजाज ऑटो का चेतक ईवी का रजिस्ट्रेशन 45,562 यूनिट रहा जबकि जून में यह आंकड़ा 43,505 यूनिट था। एथर एनर्जी तीसरे स्थान पर रही। हालांकि जून में इसके रजिस्ट्रेशन में गिरावट आई है। जून में उसकी बिक्री 31,440 यूनिट रही थी जो जुलाई में घटकर 30,317 यूनिट रह गई।

जुलाई में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में उछाल, एलपीजी की डिमांड में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों की पेट्रोल और डीजल की बिक्री में जुलाई के दौरान जोरदार उछाल आया।

उद्योग के प्रारंभिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। कमजोर मॉनसून के कारण किसानों और वाहन चालकों की ओर से ईंधन की मांग बढ़ने से ऐसा हुआ। हालांकि इस दौरान एलपीजी की बिक्री में गिरावट देखने को मिली इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की पेट्रोल बिक्री जुलाई में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 34.5 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 31.4 लाख टन थी। यह मात्रा जुलाई, 2024 में बेचे गए 29.9 लाख टन से 15.1 प्रतिशत अधिक और 2023 की समान अवधि में दर्ज स्तर से 36.1 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि, जून की तुलना में पेट्रोल की बिक्री 34.8 लाख टन से 1.1 प्रतिशत घट गई। डीजल की बिक्री सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत बढ़कर 71.2 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले 64.3 लाख टन थी।

लैंड सीलिंग में चली गई थी 90 प्रतिशत जमीन, फिर खड़ी कर दी 500 करोड़ रुपये की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी नीलॉन्स की शुरुआत अचार से हुई थी और आज इसका टर्नओवर करीब 500 करोड़ रुपये है। कई फूड कैटेगरी में यह आज मार्केट लीडर है। इसका बिजनेस पूरे देश में फैला है और यह कंपनी 35 देशों को एक्सपोर्ट भी करती है। नीलॉन्स की स्थापना 1962 में महाराष्ट्र के जलगांव जिले के उतरन गांव में सुरेश बी. सांघवी और उनके भाई प्रफुल्ल सांघवी ने की थी। दरअसल 1961 में लैंड सीलिंग एक्ट के कारण उन्हें अपनी 1,500 एकड़ जमीन का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा गंवाना पड़ा था। इसके बाद ही उन्हें बिजनेस में उतरने का आइडिया आया था। सुरेश और प्रफुल्ल साघंवी ने उतरन गांव में घर की रसोई से यह बिजनेस शुरू किया था। प्रफुल्ल अपने पिता की असमय मौत के कारण ज्यादा नहीं पढ़ पाए और खेती बाड़ी के कामों में लगे रहे। लेकिन सुरेश ने 1962 में एग्रीकल्चर में ग्रेजुएशन किया। प्रफुल्ल ने सुरेश को नौकरी करने के बजाय एग्रीकल्चर में अपने अनुभव का फायदा एग्रीकल्चर प्रोसेसिंग में करने की सलाह दी। परिवार के पास नींबू के बागान थे जो 1,500 एकड़ में फैले हुए थे।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने भोपाल से संचालन शुरू, दिल्ली और मुंबई के लिए रोज़ाना उड़ेंगे विमान

भोपाल। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने आज भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से अपनी सेवाएँ शुरू कीं। एयरलाईन ने दिल्ली के लिए रोज़ाना दो और मुंबई के लिए रोज़ाना एक उड़ान शुरू की है, जिससे मध्य प्रदेश की राजधानी के साथ कनेक्टिविटी बेहतर हो गई है। दिल्ली के लिए पहली उड़ान राजा भोज एयरपोर्ट से 12:45 बजे रवाना हुई और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14:15 बजे पहुँची। इसी तरह मुंबई के लिए पहली उड़ान भोपाल से 13:40 बजे रवाना होकर छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 15:25 बजे उतरी। इन उड़ानों की बुकिंग एअर इंडिया एक्सप्रेस मोबाइल ऐप और अन्य प्रमुख बुकिंग चैनलों के ज़रिए की जा सकती है। हाल ही में एअर इंडिया एक्सप्रेस ने इंदौर और अबू धाबी के बीच सीधी उड़ानें शुरू करके मध्य प्रदेश की इंटरनेशनल कनेक्टिविटी को मज़बूत किया है। भोपाल से सेवाएँ शुरू होने के बाद, अब यह एयरलाइन भोपाल, ग्वालियर और इंदौर से हर सप्ताह लगभग 55 उड़ानें संचालित करती है। पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कनेक्टिविटी बेहतर करने के साथ-साथ एअर इंडिया एक्सप्रेस अपनी 'टेल्स ऑफ़ इंडिया'पहल के ज़रिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न भी मनाती है। एयरलाइन के बोइंग 737-8 विमान, वीटी-बीएक्सक्यू और वीटी-बीएक्सवाय पर मध्य प्रदेश की झलक गर्व के साथ दिखाई गई है।

इनके टेल आर्ट में राज्य की मशहूर बाघ हैंड-ब्लॉक प्रिंटिंग परंपरा और चंदेरी के हाथ से बुने कपड़ों की कला को दर्शाया गया है।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने पांचवा दीक्षांत समारोह मनाया

हैदराबाद/नई दिल्ली, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने हैदराबाद के बहादुरपल्ली में अपने कैंपस में आज अपना पांचवा दीक्षांत समारोह मनाया जिसमें इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, मीडिया, डिजाइन एवं अन्य स्कूलों और अकादमिक कार्यक्रमों से स्नातक हुए विद्यार्थियों के साथ ही 22 पीएचडी छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इस समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता और स्नातकों की पेशेवर यात्राओं में एक नए अध्याय की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए विद्यार्थी, उनके माता पिता, शिक्षक, उद्योगपति और गणमान्य अतिथि शामिल हुए। इस समारोह में बजाज ऑटो लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज मुख्य अतिथि और यूसी सैन डियेगो, अमेरिका के कुलाधिपति प्रदीप के खोसला विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति आनंद महिन्द्रा ने की और इस अवसर पर महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डाक्टर यजुलु मेदुरी, प्रबंधन बोर्ड के सदस्य, शिक्षक और अकादमिक लीडर्स उपस्थित रहे। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति आनंद महिन्द्रा ने कहा, 2026 के बैच के लोग ऐसी दुनिया में बड़े हुए हैं जहां 'जीवन में एक बार होने वाली घटनाएं' हर साल होती दिखती हैं।ऐसी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए दो महाशक्तियों की जरूरत होती है: असाधारण बदलाव के बीच खुद को ढालने की क्षमता और साथ ही आंतरिक शक्ति व जीवन के किसी बड़े मकसद का एहसास। महिन्द्रा युनिवर्सिटी में हम अनुकूलनशीलता और मानवीयता के इस मेल को बढ़ावा देना चाहते हैं। ये सब मिलकर वे महाशक्तियां हैं जिनकी इस पीढ़ी को भविष्य को आकार देने के लिए जरूरत होगी। बजाज ऑटो लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज के मुताबिक, व्यवसायिक मॉडलों की तुलना में प्रौद्योगिकी तेजी से विकसित हो रही है, प्रतिस्पर्धी लाभ इस बात पर कम निर्भर करता है कि आप क्या जानते हैं और इस बात पर अधिक निर्भर करता है कि आप कितनी जल्दी सीखते हैं, स्वयं को ढालते हैं और क्रियान्वयन करते हैं। गहराई, अनुशासन और स्वतंत्र निर्णय लेने का साहस विकसित करने से ही सफलता मिलेगी। मैं महिन्द्रा युनिवर्सिटी के स्नातकों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करता हूं कि वे गुणवत्ता और नई चीजें जानने की उत्सुकता को लेकर अटूट प्रतिबद्धता बनाए रखें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके योगदान से समाज के लिए सार्थक और स्थायी मूल्य का सृजन हो। समारोह के प्रारंभ से पूर्व गणमान्य व्यक्तियों ने बजाज इंजीनियरिंग स्किल ट्रेनिंग (बेस्ट) सेंटर का उद्घाटन किया जो उद्योग-एकीकृत सीख को आगे बढ़ाने के लिए इस युनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा

भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है।

- **राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे मैच** – यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50–ओवर के मैच और दो चार–दिवसीय मैच खेलेगी।ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।
- **टिम नील्सन होंगे हेड कोच** – ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच पूर्व क्रिकेटर टिम नील्सन होंगे। नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक क्षमता का परीक्षण होगा।टीम नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं।
- **ऑस्ट्रेलियाई टीम में ये खिलाड़ी शामिल** – टीम में केसी बार्टन (तस्मानिया), हेडन बारबुलोविक (साउथ ऑस्ट्रेलिया), एली ब्रेन (क्वींसलैंड), विल बायरोम (न्यू साउथ वेल्स), ब्लेक कैटल (न्यू साउथ वेल्स), जैक जोस्नेक (विक्टोरिया), स्पेंसर ग्रीन (क्वींसलैंड), कॉनर ग्रेगरी (साउथ ऑस्ट्रेलिया), चार्ली हेंडरसन (क्वींसलैंड), जेड होलिक (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू लॉफ (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), नील पटेल (न्यू साउथ वेल्स), जैकब पिट्ज (विक्टोरिया), पैट्रिक सुलिवन (विक्टोरिया), थियो त्सिंगोस (क्वींसलैंड) और थॉमस वासेओ (क्वींसलैंड) शामिल हैं।

टीम इंडिया की बढ़ती चोटों पर बीसीसीआई सख्त

सपोर्ट स्टाफ और हेड फिजियो की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही खिलाड़ियों की चोटों ने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद बोर्ड टीम इंडिया के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ की समीक्षा करेगा। खासतौर पर हेड फिजियो कमलेश जैन की भूमिका जांच के दायरे में है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों की लगातार चोटों से संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

लगातार चोटों ने बढ़ाई बीसीसीआई की चिंता– हाल के महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। इससे पहले हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी चोट के चलते दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।वहीं स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर हैं और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती इन चोटों ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बाय-बाय ग्लासगो 2026

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, सौंपी मिशाल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रंगारंग समाप्ति

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे, जिससे ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन जाएगा जिसने एक से ज़्यादा बार इस मल्टी–स्पोर्ट इवेंट की मेजबानी की है। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में ये गेम्स होस्ट किए थे. क्लोजिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड की रिच कल्चरल हेरिटेज के सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारत की कल्चरल डायवर्सिटी और सदियों पुरानी परंपराओं का एक रंगीन शोकेस हुआ।
सेरेमनी की एक खास बात एक अनोखा इंडो–स्कॉटिश कल्चरल कोलैबोरेशन था, जिसमें दोनों देशों के म्यूजिशियन और डांसर एक जबरदस्त 'जुगलबंदी' के लिए एक साथ आए, जो ग्लासगो से अहमदाबाद बैटन के ट्रांसफर का प्रतीक था. सेरेमोनियल हैंडओवर पूरा होने के साथ, अब फोकस अहमदाबाद पर है, जो 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन को होस्ट करेगा।

नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला, क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर की शानदार प्रस्तुति ग्लास्गो (स्कॉटलैंड): 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रविवार को रंगारंग समाप्ति हो गई। इस इवेंट में भारत ने 39 मेडल के साथ ओवरऑल मेडल स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल किया. बता दें, नई बॉक्सिंग चैंपियन बनी जैस्मिन लैम्बोरिया को क्लोजिंग सेरेमनी के लिए देश का फ्लैग-बेयरर बनाया गया।

जानकारी के मुताबिक अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2030) का शताब्दी संस्करण बनाया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत को सौंपी गई है. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स के आधिकारिक ध्वज और बैटन भारत को सौंपे गए हैं. इस दौरान भारत की तरफ से ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सिंघवी मौजूद रहे।

भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 122 खिलाड़ियों के ग्रुप से 13 गोल्ड, 17 ??सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल जीते. यह चार साल पहले बर्मिंघम में मिली चौथी जगह की बराबरी है, जबकि इस बार उसने एक बहुत छोटे प्रोग्राम में हिस्सा लिया था, जिसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें देश पारंपरिक रूप से मेडल जीतता है. भारत के मेडल की संख्या 2022 में बर्मिंघम में जीते गए 61 मेडल से कम थी, लेकिन हालात कुछ और ही कहानी बताते हैं. उनमें से तीस मेडल ऐसे खेलों में आए थे, जिन्हें ग्लासगो प्रोग्राम से हटा दिया गया था।

चार साल पहले 210 की तुलना में सिर्फ 122 एथलीट के साथ, भारत फिर भी अपना चौथा स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा, जबकि मेडल कन्वर्जन रेट और भी बेहतर रहा, जिसमें 38 एथलीट मेडल के साथ घर लौटे. लंबी दूरी के रनर गुलवीर सिंह दो मेडल जीतने वाले अकेले भारतीय थे. ऑस्ट्रेलिया ने 70 गोल्ड मेडल समेत कुल 171 मेडल जीतकर गेम्स में अपना दबदबा बनाया, जबकि इंग्लैंड 110 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा 62 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा. भारत 39 मेडल के साथ मेजबान स्कॉटलैंड के बराबर रहा, लेकिन ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने की वजह से चौथे नंबर पर रहा।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे, टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है।

नबी टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर – 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए – 29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्राफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है।आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया। बीसीसीआई ने टीम में बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बोर्ड ने बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने का कारण नहीं बताया है।

हाल ही में इंडिया ए के साथ श्रीलंका दौरे पर थे नबी – आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5

ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी, पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

अब्बास को बाहर रखने पर उठे सवाल, ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद स्पिनर्स ने बदला मैच का रुख – बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

उबेद शाह को मिला पहला टेस्ट विकेट – शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया।इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

ग्रीव्स और चेज ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी – चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की।

ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

धवन के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

लुसाका, ज़ाम्बिया (एजेंसी)। एशियन लीजेंड्स लीग में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंडियन रॉयल्स ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को दो विकेट से हरा दिया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 17.3 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए और रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऋषि धवन रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने बनाए 167 रन – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 167 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई, जिससे पाकिस्तान बड़ा स्कोर नहीं बना सका। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था।

44 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी भारतीय टीम – लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद इरफान ने नमन ओझा (4) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। अभिषेक जलोटा ने 19 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली में खेलते दिखेंगे शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह, 6 टीमों के बीच होंगे 27 मुकाबले

मोहाली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का रविवार को भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

9 अगस्त को होगी खिलाड़ियों की नीलामी– टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी – लीग में अमृतसर, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना, मोहाली और बठिंडा की छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास 45 लाख रुपए का पर्स होगा और वह अधिकतम 20 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। मार्की खिलाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए तय की गई है, जबकि आइकन खिलाड़ी की बेस प्राइस 1.50 लाख रुपए रखी गई है।

प्रथम श्रेणी, अंडर-23, अंडर-19 और जिला स्तर के खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग बेस प्राइस निर्धारित की गई है। पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह लीग मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

इसका उद्देश्य पंजाब के घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और पेशेवर माहौल में सीखने का अवसर देना है। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया। इस अवसर पर पीसीए के पदाधिकारियों ने फ्रेंचाइजी मालिकों और प्रमुख क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया।

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, भेंट की साइन की हुई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान मीराबाई और भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने रिजिजू को पूरी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो में शानदार जीत के बाद स्वागत है मीराबाई चानू। आपने एक बार फिर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। सभी वेटलिफ्टरों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

मीराबाई ने रचा इतिहास – टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया, जबकि क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा किया।

चौथा सीडब्लयूजी पदक, लगातार तीसरा गोल्ड – मीराबाई के करियर का यह चौथा कॉमनवेल्थ गेम्स पदक है। उन्होंने 2014 ग्लासगो खेलों में रजत पदक जीता था, जबकि 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और अब 2026 ग्लासगो में लगातार तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर भी बन गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत – ग्लासगो से लौटने के बाद रविवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीराबाई चानू का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में प्रशंसक, परिवार के सदस्य और समर्थक उनका स्वागत करने पहुंचे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

मामूली विवाद में मजदूरों ने साथी का गला काटा, 8 गिरफ्तार

संबलपुर, एजेंसी। एक ओडिया वर्कर की उसके साथ काम करने वाले कुछ माइग्रेंट वर्कर्स ने मामूली झगड़े में गला रेत दिया. उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया. संबलपुर जिले

के नकटीदेउल इलाके में हुई इस घटना से हड़कंप मच गया. दूसरी ओर पुलिस ने इस मामले में 8 बंगाली मजदूरों को गिफ्तार किया. संबलपुर के एडिशनल एसपी अजय कुमार मिश्रा ने यह जानकारी दी. संबलपुर के एडिशनल एसपी अजय कुमार मिश्रा के अनुसार घायल मजदूर की पहचान नाकटीदेउल के सरपाली पंचायत के मारवाड़ीमुंडा गांव के टूना महार (28) के रूप में हुई है. इस संबंध में नाकटीदेउल पुलिस ने मामला दर्ज किया है. इस घटना में गिरफ्तार आरोपियों में अजीजुल शेख (38), मुर्तजा शेख (62), मिनारुल मुस्तफा शेख (35), इजाबुल शेख (34), पियारुल शेख (29), अजमत शेख (24), इरसाफिल शेख (42) और रवि शेख (34) शामिल हैं. एडिशनल एसपी अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि पश्चिम बंगाल से 8 मैकेनिक रेढ़ाखोल्स लेबर कॉलोनी में आए थे और अलग-अलग जगहों पर कंस्ट्रक्शन का काम कर रहे थे. कुछ महीने पहले टूना काम की तलाश में आया था और इन मैकेनिक के साथ मजदूरी कर रहा था. शनिवार रात को किसी बात पर टूना और बंगाली मैकेनिक के बीच कहासुनी हो गई और रविवार सुबह बहस बढ़ गई. कहा जा रहा है कि झगड़ा बढ़ने पर बंगाली मैकेनिक ने टूना पर हमला कर दिया और एक तेज चाकू से उसका गला काट दिया. इस घटना के बाद सभी बंगाली मैकेनिक मौके से भाग गए. आस-पास के लोगों ने टूना को गंभीर रूप से घायल हालत में बचाया और पहले नकटी देउला प्राइमरी हॉस्पिटल और फिर रेढ़ाखोल सब-डिविजनल हॉस्पिटल ले गए. एडिशनल एसपी ने बताया कि हालांकि, उसकी हालत गंभीर होने की वजह से उसे बुर्ला शिफ्ट कर दिया गया.

मित्रता के 60 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य मित्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया

भोपाल। मित्रता के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार, 02 अगस्त 2026 भोपाल के समीप

बिल्किसगंज ग्राम खुरानिया स्थित फार्म हाउस में मित्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में इंदौर एवं भोपाल सहित विभिन्न स्थानों से लगभग 25 मित्र सम्मिलित हुवे। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक, इंजीनियर, उद्योगपति, शिक्षाविद् तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। यह आयोजन छह दशक से चली आ रही मित्रता, आपसी विश्वास एवं सामाजिक संबंधों के सुदृढ़ीकरण का प्रतीक था। उक्त सभी छात्र-छात्राएं इन्दौर के प्रतिष्ठित बाल निकेतन संघ के विद्यार्थी रहे हैं तथा बाल निकेतन संघ की संचालिका स्व. शालिनी ताई मोघे, जिनको शिक्षा के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित पदमश्री पुरस्कार से अलंकृत किया गया है, तथा सभी छात्रों द्वारा उनके मार्गदर्शन में कक्षा पहली से आठवीं तक शिक्षा ग्रहण की है। कार्यक्रम में आपसी संवाद, स्मृतियों को साझा करना, सम्मान समारोह एवं स्नेह मिलन जैसे विशेषआयोजन किये गए। कार्यक्रम के आयोजक पंकज दुबे एवं प्रो. अस्मिता खजांची ने बताया कि हम सभी दोस्त हर मित्रता दिवस पर एक जगह एकत्रिक होकर मित्रता दिवस मनाते है और ये सिलसला सालों से चला आ रहा है द्य यह आयोजन एक दूसरे से चली आ रही मित्रता, आपसी विश्वास एवं सामाजिक संबंधों के सुदृढ़ीकरण का प्रतीक बना। उक्त सभी मित्र-परिजनों ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्राकृतिक वानस्पतिक सुंदर परिवेश में हंसी-खुशी पूर्वक दिन का आनंद लिया। कार्यक्रम में गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया।

कावेरी जल विवाद: डीके शिवकुमार के अनुरोध पर सीएम विजय ने बेंगलुरु का दौरा टाला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि कावेरी जल विवाद के मद्देनजर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर बेंगलुरु की अपनी यात्रा टालने के लिए सहमत हो गए हैं. उन्होंने इस कदम को दोनों राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने में मददगार बताया.

कावेरी मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को दोनों नेताओं की मुलाकात होनी थी, लेकिन शिवकुमार ने विजय से उनकी यात्रा टालने का अनुरोध किया ताकि बातचीत बेहतर माहौल में हो सके. इस हफ्ते की शुरुआत में कावेरी जल विवाद को लेकर पूरे कर्नाटक में विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे.

कावेरी मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार कावेरी मुद्दे पर राज्य के किसानों और जनता के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. इसके साथ ही उन्होंने संगठनों से प्रस्तावित 'कर्नाटक बंद' का आह्वान वापस लेने की अपील की.

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के उस आदेश के खिलाफ कन्नड़ संगठनों ने 13

अगस्त को 'कर्नाटक बंद' का आह्वान किया है, जिसमें तमिलनाडु के लिए 15 दिन तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की कावेरी जल विनियमन समिति की सिफारिश को बरकरार रखा गया था.

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि विरोध प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि बारिश होने से स्थिति में सुधार हुआ है और सभी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर अपना समर्थन दिया है. उन्होंने कहा कि ऐसे बंद से किसी का भला नहीं होगा.

किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कानूनी दायरे में रहकर फैसले लेना जारी रखेगी, पेयजल की जरूरतों को प्राथमिकता देगी, कानूनी और कृषि विशेषज्ञों से सलाह लेगी और कोई भी अगला कदम उठाने से पहले पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखेगी. उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक के किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. '

सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि वह खुद कावेरी नदी घाटी क्षेत्र से आते हैं और एक किसान के बेटे हैं. उन्होंने कहा कि राज्य के 7.5 करोड़ लोगों के मन में कर्नाटक के हितों की रक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए.

मीडिया के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट में हो रही सुनवाई के संबंध में कानूनी टीम से सलाह लेने के बाद विस्तृत कार्रवाई तय करेगी.

तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी डीएमके के सुप्रीम कोर्ट जाने के सवाल पर सीएम शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक कानूनी प्रक्रिया के तहत जवाब देगा. उन्होंने कहा, 'अदालत की कार्यवाही को लेकर हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए और वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाना चाहिए.' डीके शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि मेकेदातु परियोजना आगे बढ़नी चाहिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पहले ही अपना फैसला सुना चुका है.

कर्नाटक पुलिस कांस्टेबल परीक्षा के दौरान बवाल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने कर्नाटक पुलिस में सिविल पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को खारिज किया है। केई ने साफ किया है कि ओएमआर शीट का नंबर और प्रश्नपत्र का नंबर आपस में मिलना जरूरी नहीं है। केईए ने कर्नाटक पुलिस विभाग में 1,453 मेल और फीमेल सिविल पुलिस कॉन्स्टेबल पदों के लिए राज्य में रिटन एग्जाम कराया था। एग्जाम के बाद सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैल गई थी कि ओएमआर शीट नंबर और क्वेश्चन पंपर नंबर एक ही होने चाहिए। इस खबर से कई केंडिडेट्स घबरा गए थे। एक बयान में कहा कि ऑफिशियल नोटिफिकेश, इंस्ट्रक्शन बुकलेट या एग्जाम हॉल में दिए गए वर्बल इंस्ट्रक्शन में कहीं भी ऐसा नहीं कहा गया था कि ओएमआर और क्वेश्चन पेपर नंबर मैच करने चाहिए। आंसर शीट में सिर्फ क्वेश्चन पेपर सीरीज कोड और वर्जन कोड भरने का प्रोविजन है।

महाराष्ट्र में लागू हुआ धर्मांतरण विरोधी कानून, धोखाधड़ी या जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर 10 साल तक की जेल

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद 'महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' राज्य में आधिकारिक रूप से लागू हो गया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब अवैध या जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों में नए कानून के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अधिनियम पहले बजट सत्र में महाराष्ट्र विधानमंडल से पारित हुआ था, जिसके बाद इसे राज्यपाल और फिर अंतिम स्वीकृति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया था।

नए कानून के तहत किसी व्यक्ति का बलपूर्वक, धोखाधड़ी, लालच, झूठी जानकारी या केवल विवाह का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराना दंडनीय अपराध माना गया है। सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करना और अवैध धर्मांतरण की घटनाओं पर रोक लगाना है। अधिनियम के अनुसार यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिला मजिस्ट्रेट को कम से कम 60 दिन पहले लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा धर्म परिवर्तन कराने वाले व्यक्ति या संस्था को भी तय नियमों का पालन करना होगा।

कानून में धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति के माता-पिता, भाई-बहन या अन्य निकट संबंधियों को शिकायत दर्ज कराने का अधिकार दिया गया है। अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के लिए अधिकतम सात वर्ष तक की कैद का प्रावधान है, जबकि बार-बार अपराध करने वालों को 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी भी व्यक्ति के स्वैच्छिक धर्म परिवर्तन या अंतरधार्मिक विवाह में हस्तक्षेप करना नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में आतंकियों के 2 मददगार पकड़े गए, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला और पुलवामा जिलों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के दो ओवरग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया. उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किये गए. पुलिस उससे पूछताछ कर उसके आकाओं का पता लगाने की कोशिश कर रही है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी एजाज अहमद गनई को पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स की जॉइंट टीम ने बारामूला के शीरी इलाके के गोरीवान में बनाए गए एक मोबाइल गाड़ी चेकपॉइंट पर आधी रात के करीब पकड़ा. उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी फोर्स ने उसके पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन, 10 जिंदा राउंड (9द्वद्व) और एक मोबाइल फोन बरामद किया, और केस दर्ज कर लिया गया है. एक और ऑपरेशन में सिक्योरिटी फोर्स ने चेकिंग के दौरान पुलवामा जिले के राजपोरा इलाके में एक मददगार को गिरफ्तार किया.

ऋषिकेश बजरंग सेतु के कांच वाले हिस्से पर चलने के लिए देना होगा शुल्क

ऋषिकेश, एजेंसी। लक्ष्मणझूला पुल के पास नव निर्मित बजरंग सेतु पर आवाजाही को लेकर अहम फैसला लिया गया है. अब सेतु के कांच (ग्लास) वाले हिस्से पर चलने के लिए लोगों को निर्धारित शुल्क देना होगा. जबकि, डामर (सामान्य) वाले हिस्से पर आमजन की आवाजाही पूरी तरह निशुल्क रहेगी. इस व्यवस्था का मकसद पुल के विशेष ग्लास डेक के रखरखाव और समय-समय पर होने वाली मरम्मत के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना बताया गया है. कांच पर चलने के लिए देना होगा इतना शुल्कः नरेंद्र नगर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि कांच वाले हिस्से पर प्रवेश के लिए शुल्क निर्धारित कर दिया गया है. इसके तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति से 100 रुपए और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों व किशोरों से 50 रुपए शुल्क लिया जाएगा. वहीं, जो लोग केवल सेतु के डामर वाले हिस्से से आवागमन करना चाहते हैं, उन्हें किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा. क्यों लिया जा रहा शुल्क? अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार के मुतबाकि, कांच वाला हिस्सा पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है और इस पर काफी ज्यादा संख्या में लोगों की आवाजाही होती है. ऐसे में इसकी सुरक्षा, नियमित सफाई, तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत पर पर्याप्त खर्च आता है.

इसी को ध्यान में रखते हुए उपयोगकर्ता शुल्क लागू करने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि शुल्क से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल केवल पुल के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और मरम्मत कार्यों पर किया जाएगा. ताकि, सेतु लंबे समय तक सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित हो सके.

चुनाव में पसंदीदा पार्टी की हार पर दोस्त भी बन जाते हैं दुश्मन; शोध में सामने आई चौंकाने वाली बात

टोरंटो, एजेंसी। कहीं चुनाव चल रहे हों और नुक्कड़-चौराहों पर लोगों की आपसी चर्चा में राजनीतिक मुद्दों पर गर्मागर्म बहस न हो, ऐसा हो नहीं सकता। जब नतीजे आते हैं तो यही

राजनीतिक आक्रामकता कई बार आपसी संबंध तक बिगाड़ देती है। एक हालिया शोध रिपोर्ट से पता चलता है कि पसंदीदा पार्टी की हार पर मतदाताओं का मन कई बार इतना खिन्न हो जाता है कि उन्हें अपने रिश्तेदार और दोस्त भी दुश्मन की तरह लगने लगते हैं।

इलेक्टोरल स्टडीज नामक अकादमिक जर्नल में प्रकाशित यह व्यापक शोध बताता है कि सियासी प्रतिस्पर्धा केवल चुनावी मंचों या राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका सीधा असर सामान्य सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ने लगा है। दरअसल, पसंदीदा राजनीतिक दल की हार से ध्रुवीकृत मतदाताओं के मन में समाज और आसपास के लोगों के प्रति भरोसा काफी हद तक कम हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामाजिक भरोसा किसी भी स्वस्थ, प्रगतिशील और मजबूत लोकतंत्र की बुनियादी नींव है। यह नागरिकों के आपसी जुड़ाव, पारस्परिक सहभागिता को बढ़ाने के साथ समुदायों को सामूहिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है। आमतौर पर यही माना जाता रहा है कि सामाजिक भरोसे का स्तर काफी हद तक स्थिर होता है और राजनीतिक उथल-पुथल या चुनावों के अल्पकालिक परिणामों से अप्रभावित रहता है।

राष्ट्रीय चुनाव का सबसे ज्यादा पड़ता है असर

आमतौर पर यही माना जाता देश का चुनाव परिणाम एक सूचनात्मक संकेत होता है। परिणाम मतदाताओं को यह एक मोटा अनुमान देते हैं कि देश के कितने साथी नागरिक उनके राजनीतिक विचारों से सहमत हैं। लेकिन शोध में पाया गया कि हार-जीत को लेकर आक्रामकता का असर प्रांतीय या स्थानीय चुनावों के बजाय राष्ट्रीय स्तर के चुनावों में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। ज्यूरिख यूनिवर्सिटी और टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के जरिये यह जानने की कोशिश की कि क्या चुनाव परिणाम वास्तव में नागरिकों के सामान्य दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। इसमें पाया गया कि हारने वाले समर्थकों में आम लोगों पर भरोसा जताने की संभावना जीतने वाले समर्थकों की तुलना में औसतन 3.8 कम पाई गई।

जिन मतदाताओं में विरोधी दलों के प्रति द्वेष की भावना बहुत कम थी, उनके सामाजिक भरोसे पर हार-जीत का कोई असर नहीं पड़ा।

अमेरिका के फैसले पर ईरानी मीडिया का तंज, कहा- ट्रंप पीछे हटे

हमले टालना खोखली धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान पर संभावित सैन्य हमले फिलहाल टालने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद ईरानी मीडिया ने उन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कई ईरानी मीडिया संस्थानों ने ट्रंप की आलोचना करते हुए उनके फैसले को अमेरिका की पीछे हटने की रणनीति बताया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य देशों के अनुरोध के बाद उन्होंने सैन्य कार्रवाई फिलहाल रोकने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों के बीच समझौते के कुछ प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत, पूरी तरह और बिना शर्त खोलना भी शामिल है। हालांकि, ईरान के सरकारी मीडिया में ऐसी किसी अपील या होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर रुख में बदलाव की कोई पुष्टि नहीं की गई। इसके बजाय ईरानी मीडिया ने ट्रंप के

बयान को अमेरिका के पीछे हटने के रूप में पेश किया। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए लिखा 'मूर्ख ट्रंप की अब हवा निकल गई है।' वहीं, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने ट्रंप के इस दावे को खारिज किया कि तेहरान ने हमले रोकने का अनुरोध किया था। एजेंसी ने कहा कि ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने इसे अपने फैसले के तौर पर पेश किया। प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से बातचीत में आशंका जताई कि यदि अमेरिका ने ईरान पर नया हमला किया और उसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाया, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि सऊदी अरब की इस चिंता ने उनके फैसले को प्रभावित किया और इसी वजह से उन्होंने फिलहाल सैन्य कार्रवाई टालकर कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर ओमान के साथ चर्चा जारी है, लेकिन फिलहाल जलमार्ग को दोबारा खोलने पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

यूएनएससी सीट के लिए भारत ने बढ़ाए कदम

यूएन प्रतिनिधिमंडल से सिबी जॉर्ज की अहम मुलाकात, बहुपक्षवाद पर रखा पक्ष

संयुक्त राष्ट, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक नेतृत्व की दावेदारी को एक बार फिर मजबूती से सामने रखा है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने भारत दौरे पर आए संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल की अगवानी की और उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने बहुपक्षवाद, वैश्विक सुधारों और संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका को लेकर देश का दृष्टिकोण साझा किया।

यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वर्ष 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की गैर-स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी पेश की है। भारत इस कार्यकाल के दौरान वैश्विक शांति, विकास और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने पर जोर दे रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति के सिद्धांत पर आधारित होगी। इसका उद्देश्य नियमों, विश्वास और ईमानदारी के जरिए समग्र वैश्विक विकास को बढ़ावा देना है। भारत का कहना है कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का समाधान तभी संभव है, जब बहुपक्षीय संस्थाएं आज की वास्तविकताओं के अनुरूप काम करें और विकासशील देशों, खासकर ग्लोबल साउथ, को उचित प्रतिनिधित्व मिले।

भारत ने स्पष्ट किया कि यदि उसे 2028-29 के लिए सुरक्षा परिषद में जगह मिलती है तो वह वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ग्लोबल साउथ की चिंताओं और प्राथमिकताओं को प्रमुखता से उठाएगा। साथ ही बहुपक्षीय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, समावेशी और भविष्य के अनुरूप बनाने की दिशा में काम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों को आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधनों से मजबूत करना। 'महिला, शांति और सुरक्षा' एजेंडे को आगे बढ़ाना। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप स्वतंत्र और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था सुनिश्चित करना। समुद्री व्यापार और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को बढ़ावा देना। नाविकों और समुद्री कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना। मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों को मजबूत करना। आधुनिक तकनीक के जिम्मेदार और सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा देना। भारत का मानना है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र और उसकी संस्थाओं में सुधार जरूरी है। सुरक्षा परिषद में भारत की मौजूदगी विकासशील देशों की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से सामने रखने के साथ-साथ वैश्विक शांति, सुरक्षा और सहयोग को नई दिशा देने में मददगार हो सकती है।

इंसानियत की मिसाल: फ्रांस में जान जोखिम में डालकर 100 से ज्यादा कुत्ते, बिल्ली व घोड़ों को बचाया गया

बोर्डो (फ्रांस), एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के गिरोंद क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग ने हजारों लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया, लेकिन इस त्रासदी के बीच एक ऐसा मानवीय चेहरा भी सामने आया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। धधकती आग, जहरीले धुएं और हर पल मंडराते खतरे के बावजूद स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना पीछे छूट गए 100 से अधिक कुत्तों, बिल्लियों, घोड़ों और अन्य बेजुबान जीवों को बचा लिया है और अभी यह अभियान जारी है। आग की लपटों के बीच बेजुबान जानवरों की रक्षा के लिए इस स्तर पर चलाया गया यह अभियान हाल के वर्षों में शायद ही कहीं देखने को मिला हो। गिरोंद में लगी आग पेरिस के क्षेत्रफल से लगभग चार गुना बड़े इलाके में फैल गई थी। प्रशासन ने हजारों लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, लेकिन अचानक हुए इस पलायन में अनेक परिवार अपने पालतू जानवरों को साथ नहीं ले जा सके। कई लोग रोते हुए अपने घरों से निकले, क्योंकि उन्हें यह नहीं पता था कि वे अपने प्रिय साथी को दोबारा कभी देख पाएंगे या नहीं। डेविड विशेष वाहन में पानी और पशु आहार लेकर आग प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। पुलिस की अनुमति से वे कई बार उन इलाकों तक गए, जहां आग गुजर चुकी थी या तेजी से बढ़ रही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,